जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 151 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 6 अप्रैल, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस अधिवेशन के लिये तैयार प्रस्ताव में भाजपा पर जमकर "अटैक" किया गया है

प्रस्ताव के अनुसार, भाजपा व संघ परिवार ने मुसलमानों को अपना लक्ष्य बना रखा है, सनातन धर्म व हिन्दुत्व के एजेण्डा की ओर जनता को ध्रुवीकृत करने के लिये

- **कांग्रेस के प्रस्ताव में मोदी सरकार की तीखी आलोचना इस मुद्दे पर की गई है कि मोदी सरकार ने अमेरिका व राष्ट्रपति ट्रम्प के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है, टैरिफ के मुद्दे पर।**
- **मोदी सरकार को इस बात के लिये दोषी बताया गया है कि वह चीन से मित्रता व भाईचारा बढ़ा रही है, जबकि चीन ने अभी भी भारत की 4000 किलोमीटर जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है।**
- **यह प्रस्ताव 8 अप्रेल को अहमदाबाद कांग्रेस की "एक्सटैंडेड सी.डब्ल्यु.सी. (वृहत् कार्यकारिणी) में पेश होगा। इस सी.डब्ल्यु.सी. में 169 नेता भाग लेंगे तथा कांग्रेस में पुनः जोश डालने के लिये तैयार रणनीति पर भी विचार होगा।**
- **महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के सौ वर्ष पूरे होने पर तथा वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जन्मतिथि को स्मरण करने के लिए, कांग्रेस का यह अधिवेशन गुजरात में आयोजित किया गया है।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। आठ और नौ अप्रेल को होने वाले ए.आई.सी.सी. अधिवेशन के लिए मसौदा समिति द्वारा प्रस्ताव में कांग्रेस की विचारधारा को महत्व दिया गया है तथा भाजपा और संघ परिवार की विभाजनकारी और असंवैधानिक विचारधारा से निपटने की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

प्रस्ताव में भाजपा और संघ परिवार पर तीखा प्रहार किया गया है तथा सनातन व हिंदुत्व एजेंडा को और अधिक मजबूत करने के लिए भाजपा व संघ द्वारा अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के प्रयासों पर भी हमला किया गया है।

मसौदा समिति के सदस्य, एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने कहा कि, भारत पर लगाए जाने वाले प्रस्तावित टैरिफ के मामले में अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप का मुकाबला नहीं करने के लिए मोदी सरकार पर भी तीखा आक्रमण किया गया है।

इसी के साथ, मोदी सरकार के चीन के साथ दोस्ताना संबंधों पर भी तीखा हमला किया गया है, खासकर इस तथ्य के मद्देनज़र कि चीन ने भारत की 4000 किलोमीटर से अधिक भूमि पर अतिक्रमण किया हुआ है।

सन् 2024 के लोकसभा चुनावों में 99 लोकसभा सीटें जीतने के बाद हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र में पार्टी की हार के मद्देनज़र पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए कांग्रेस को एक रोडमैप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में बाबूलाल कटारा और सहारण को जमानत नहीं

जयपुर, 5 अप्रैल। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत ने द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 के पेपर लीक मामले में आरपीएससी के सदस्य रहे बाबूलाल कटारा और एक अन्य आरोपी गोपाल सहारण की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी सूनील रणवाह ने

- **सीबीआई मामलों की विशेष अदालत ने आरपीएससी के पूर्व सदस्य कटारा तथा एक अन्य आरोपी की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया।**

अपने आदेश में कहा कि सार्वजनिक परीक्षाओं के पेपर लीक होने से समाज पर गहरा प्रभाव पडता है। ऐसे में आरोपियों को जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

जमानत अर्जी में आरोपी बाबूलाल कटारा ने कहा कि उसे मात्र शंका के आधार पर मामले में आरोपी बनाया गया है। प्रश्न पत्र से संबंधित कोई भी सामग्री उससे बरामद नहीं हुई है। इसके अलावा जिस बस में अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र पढवाया जा रहा था, वह वहां भी मौजूद नहीं था। इसके साथ ही अभियोजन पक्ष के पास उसके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य भी नहीं है। वह 65 साल का वृद्ध है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो भूमि "गैर कानूनी" तरीके से वक्फ की सम्पत्ति घोषित की गई है, उसे सरकार अपने कब्जे में ले'

योगी आदित्यनाथ सरकार ने वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पारित होते ही, अपने जिलाधीशों को आदेश दिये

- **यू.पी. सरकार के अनुसार, रैवेन्यु रिकॉड्‌र्स के अनुसार, राज्य में 2963 प्रॉपर्टीज हैं, वक्फ बोर्ड के पास। परन्तु, वक्फ बोर्ड के रजिस्टर 37 के अनुसार, सुन्नी वक्फ बोर्ड के पास 1,24,355 प्रॉपर्टी हैं तथा शिया वक्फ बोर्ड के पास 7,785 प्रॉपर्टी हैं।**
- **अतः यू.पी. सरकार अब उन सब प्रॉपर्टीज को अधिकृत करना चाहती है, जो रैवेन्यु बोर्ड के रिकॉर्ड के अनुसार, वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति के रूप में दर्ज नहीं हैं।**
- **यू.पी. सरकार ने सभी जिलाधीशों को निर्देशित किया है कि अपने जिले में उन सभी सम्पत्तियों को चिन्हित करें, जिन्हें "गैर-कानूनी" तरीके से वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति घोषित कर रखा है।**
- **सरकार की परिभाषा के अनुसार, वो ही सम्पत्ति वक्फ बोर्ड की हो सकती है, जो बोर्ड को दान के रूप में मिली हो तथा ग्राम, समाज व सरकार की भूमि को वक्फ बोर्ड की भूमि नहीं माना जा सकता।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। वक्फ संशोधन बिल पारित होने के साथ ही उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार एक्शन में आ गई है। मुख्यमंत्री ने अवैध रुप से घोषित वक्फ संपत्तियों को जब्त करने के आदेश दे दिए हैं। यूपी सरकार का दावा है कि सरकार के राजस्व रिकॉर्ड में सिर्फ 2963 भूखंड ही वक्फ के तहत रजिस्टर्ड हैं। जबकि रजिस्टर 37 के अनुसार सुन्नी वक्फ बोर्ड की लिस्ट में 1,24,355 सम्पत्तियां हैं और शिया वक्फ बोर्ड लिस्ट में 7,785 संपत्तियां दर्ज हैं। आंकड़ों की विसंगति को देखकर राज्य सरकार ऐसी सभी वक्फ संपत्तियां जब्त करने की तैयारी में है, जिसका रैवेन्यु रिकॉर्ड में उल्लेख नहीं है।

हालिया आदेश में रैवेन्यु विभाग ने सभी जिलाधीशों को निर्देश दिया है कि ऐसी सम्पत्तियों को चिन्हित किया जाए जिन्हें अवैध रुप से वक्फ सम्पत्ति घोषित कर रखा है। सरकार की परिभाषा के अनुसार वक्फ सिर्फ दान की गई सम्पत्तियों पर ही लागू हो सकता है। सरकार की या ग्राम समाज की जमीन को वक्फ की सम्पत्ति घोषित नहीं किया जा सकता।

इसी बीच वक्फ बनाम कैथलिक चर्च की जमीन पर भी विवाद उठ रहा है। आरएसएस के एक प्रकाशन "ऑर्गनाइज़र" में हाल ही में एक लेख छपा है जिसमें वक्फ बोर्ड और कैथलिक चर्चों की जमीनों को एक तुलनात्मक अध्ययन किया गया। लेकिन आनन फानन में इस आलेख को हटा लिया गया। इस घटनाक्रम ने राहुल गांधी व अन्य विपक्षी नेताओं को संसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सरकार के बाद, सबसे ज्यादा ज़मीन ईसाई धार्मिक संस्थाओं के पास है'

संघ के मुख पत्र "ऑर्गनाइज़र" में छपे एक लेख के अनुसार, भारत में ईसाई धार्मिक संस्थाओं के पास 7 करोड़ हैक्टेयर भूमि है, जिसकी कीमत बीस हजार करोड़ रूपये मानी जा सकती है

- **हालांकि, द ऑर्गनाइज़र ने इस लेख को बाद में अपनी पत्रिका से निकाल दिया (विड्रॉ कर लिया) पर, यह "अप्रकाशित" लेख काफी राजनीतिक बहसों में मुख्य मुद्दा बना रहा।**
- **राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने संसद में बहस के दौरान भी कहा था कि वक्फ संशोधन विधेयक पारित करके, भाजपा ने अल्पसंख्यकों को टारगैट करने का रास्ता साफ कर लिया है और अब दूसरा टारगैट ईसाई होंगे। राहुल ने शनिवार को यह आशंका, माइक्रो ब्लॉगिंग साइट पर पुनः दोहरायी, संसद में भाषण का उल्लेख करते हुए।**
- **राहुल ने यह भी कहा, इस संदर्भ में, कि संविधान ही एक ढाल है, जो हमारे अल्पसंख्यकों को, इस "अटैक" से बचा सकता है।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। लोकसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज आरोप लगाया कि संसद द्वारा पारित वक्फ बिल मुसलमानों के खिलाफ है और यह भविष्य में अन्य समुदायों को निशाना बनाने की मिसाल बनेगा।

एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने एक आलेख शेयर कर दावा किया कि अब संघ की नज़रें कैथलिक चर्च की जमीनों पर हैं।

उन्होंने कहा कि, मैंने कहा था वक्फ बिल अभी मुसलमानों पर वार है, पर, भविष्य में यह अन्य समुदायों को निशाना बनाने के लिए नज़ीर बनेगा। संघ को ईसाईयों की ओर फोकस करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। उन्होंने लिखा, "संविधान ही एकमात्र ढाल है, जो हमारे लोगों को ऐसे हमलों से बचाता है। यह हमारा सामुहिक कर्तव्य है कि हम इसकी रक्षा करें।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में छात्रा ने फाँसी लगाकर आत्महत्या की

कोटा, 5 अप्रैल (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में एक छात्रा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कहा जा रहा है कि आत्महत्या का कारण पढ़ाई को लेकर डिप्रेशन हो सकता है। घटना के समय छात्रा घर में अकेली थी।

बोरखेड़ा थाने के एएसआई मोहम्मद हुसैन ने बताया कि प्रगति नगर निवासी छात्रा प्रतिष्ठा उर्फ ट्विंकल (17) ने घर में फांसी

- **छात्रा 11वीं कक्षा के साथ ही नीट की तैयारी भी कर रही थी।**

लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की बड़ी बहन ने बताया कि उसकी बहन पढ़ाई के कारण तनाव में थी।

बोरखेडा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि मृतका छात्रा 11वीं कक्षा के साथ-साथ नीट की पढ़ाई कर रही थी।

वर्तमान में वह किसी कोचिंग संस्थान की छात्रा नहीं थी। उन्होंने बताया कि घटना के समय मां दूध लेने गई थी और बड़ी बहन लाईब्रेरी में पढ़ने गई थी। पिता कोटा से बाहर जॉब करते हैं। पिता को भी घटना की सूचना दे दी गई है।

नई टैक्सटाइल पॉलिसी में स्टांप ड्यूटी व पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी

अमेरिकी टैरिफ के बाद बदलते वैश्विक परिदृश्य में यह नीति वस्त्र निर्यातकों के लिये गेम चेन्जर साबित होगी

- **अमेरिका द्वारा भारतीय कपड़े के आयात पर लगाया टैरिफ बाँग्लादेश, वियतनाम, कंबोडिया, पाकिस्तान व चीन की तुलना में कम है। यह अमेरिका को वस्त्र निर्यात बढ़ाने के लिये अनुकूल साबित हो सकता है।**

जयपुर, 5 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रदेश में 'राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी-2025' लागू की है। अमेरिका द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने के बाद बदलते वैश्विक परिदृश्य में राजस्थान के वस्त्र निर्यातकों के लिए यह नीति गेम चेंजर भी साबित होने जा रही है।

नई राजस्थान टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी के तहत वस्त्र व परिधान क्षेत्र के उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए 10 वर्षों तक 80 करोड़ रूपये वार्षिक तक का एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, भूमि/भवन क्रय या लीज पर स्टांप ड्यूटी व पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, बिजली उपभोग पर 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी छूट प्रदान की जाएगी। वहीं पर्यावरणीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इस नीति में ग्रीन सॉल्यूशन इंसेंटिव के तहत 12.5 करोड़ रूपये तक 50 प्रतिशत, अक्षय ऊर्जा संयंत्रों के लिए बैंकिंग, व्हीलिंग व ट्रांसमिशन शुल्क का 100 प्रतिशत, पेटेंट/कॉपीराइट लागत का 50 प्रतिशत एवं भूमि रूपांतरण शुल्क का 100 प्रतिशत पुनर्भरण के प्रावधान किए गए हैं। इसी तरह निर्यात इकाइयों को फ्रेट चार्ज पर 25 प्रतिशत तथा कार्मिक प्रशिक्षण लागत का 50 प्रतिशत पुनर्भरण का प्रावधान किया गया है। हाल ही में अमेरिका द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ लगाए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर आर्थिक परिदृश्य लगातार बदलावों से गुजर रहा है। भारतीय कपड़ा आयात पर लगभग 27 प्रतिशत पारस्परिक (त्मबपचतवबंस) टैरिफ अमेरिका द्वारा लगाया गया है जो इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी देशों जैसे बांग्लादेश (37 प्रतिशत), वियतनाम (46 प्रतिशत), कंबोडिया (49 प्रतिशत), पाकिस्तान (29 प्रतिशत) और चीन (34 प्रतिशत) की तुलना में कम है। राजस्थान देश का चौथा सबसे बड़ा कपास उत्पादक राज्य है और यहां भीलवाड़ा, जयपुर, पाली एवं बालोतरा जैसे टेक्सटाइल हब के वस्त्र निर्माताओं के लिए लंबी अवधि में यह स्थिति अमेरिका को वस्त्र निर्यात बढ़ाने के लिए अनुकूल साबित हो सकती है।

राजस्थान में टेक्सटाइल और गारमेंट क्षेत्र से जुड़े कुशल कार्यबल की भी पर्याप्त उपलब्धता है। इस परिदृश्य में प्रदेश में लागू की गई टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी-2025 उद्यिमयों एवं निर्यातकों के लिए सोने पर सुहागा साबित होगी। इस नीति का उद्देश्य आधुनिक अवसंरचना एवं तकनीकी उन्नयन के माध्यम से टेक्सटाइल वैल्यू चेन को मजबूती देना है। नीति के अंतर्गत समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देते हुए इस क्षेत्र में 10 हजार करोड़ रूपये के निवेश तथा 2 लाख रोजगार के सृजन पर भी जोर दिया गया है। इस नीति के माध्यम से 5 नए टेक्सटाइल पार्क विकसित करने के साथ ही, नई व विस्तारित हो रही परिधान निर्माण इकाइयों को सहायता दी जाएगी।

यह नीति प्रदेश में टेक्सटाइल एण्ड अपैरल क्षेत्र के सतत् व समग्र विकास के साथ-साथ इस क्षेत्र में रोजगार सृजन, कौशल विकास, नवाचार, उत्पादकता और निर्यात को बढ़ावा देगी। वहीं दूसरी ओर इससे वैश्विक स्तर पर स्थानीय वस्त्र उत्पादकों की दक्षता और विश्वसनीयता में वृद्धि के साथ ही, प्रदेश में परिधान (अपैरल) उद्योग के एक नये दौर की शुरूआत होगी।

सफल आवंटियों को भूखण्ड नहीं देने पर अवमानना नोटिस

जयपुर, 5 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बाद भी सफल आवंटियों को पृथ्वीराज नगर योजना में भूखंड नहीं देने पर प्रमुख नगरीय विकास सचिव वैभव गालरिया व जेडीसी आनंदी को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस

- **हाई कोर्ट के, भूखण्ड का पट्टा देने के आदेश की पालना नहीं होने पर अवमानना कार्यवाही की जा रही है।**

नरेन्द्र सिंह ने यह आदेश डॉ. आरएन अग्रवाल व अन्य की अवमानना याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता राकेश कुमार ने बताया कि याचिकाकर्ता पृथ्वीराज नगर योजना के सफल आवंटी हैं। उन्होंने जेडीए के 15 सितंबर 2006 के आदेश की पालना में भूखंड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

माइक्रोसॉफ्ट की पचासवीं सालगिरह पर आयोजित उत्सव में फिलिस्तीन समर्थक नारों ने भारी विघ्न डाला

उत्सव समारोह में माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक, बिल गेट्स, पूर्व सी.ई.ओ. स्टीव बाल्मर व वर्तमान सी.ई.ओ. सत्य नडेला भी मौजूद थे

- **महिला टैकी, इब्तिहाल अबूसाद व वनिया अग्रवाल ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया कि माइक्रोसॉफ्ट के टैक्निकल स्टाफ के हाथ खून से रंगे हैं। क्योंकि, इज़रायल माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित ए.आई. सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल चिन्हित बम्बारी के लिये कर रहा है तथा पचास हजार व्यक्ति मारे गये हैं।**
- **पहले तो माइक्रोसॉफ्ट ने इस घटना के बारे में कहा कि हम हमारे सभी कर्मचारियों को अपनी बात कहने का पूरा अवसर देते हैं। पर, साथ ही यह भी कहते हैं कि अपनी बात इस तरह कहें कि कम्पनी का "बिज़नैस" प्रभावित न हो। अगर बिज़नेस प्रभावित होता है तो हम उस कर्मचारी को अन्यत्र नौकरी करने का विकल्प देते हैं।**
- **जब इब्तिहाल अबूसाद व वनिया अग्रवाल घर पहुँचीं तो उन्होंने पाया कि वो अपना कम्पनी वर्क एकाउंट नहीं खोल पा रही हैं, उनके विरोध प्रदर्शन के बाद। यह इस बात का संकेत था कि उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है।**

-डा. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। इस सप्ताह शुक्रवार को कंपनी की 50 वीं वर्षगांठ के समारोह में माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारियों ने फिलिस्तीन के समर्थन में विद्रोह किया, जो आई.टी. पेशेवरों में इज़रायल के खिलाफ तीव्र आक्रोश को दर्शाता है। यह विरोध प्रदर्शन समारोह में कंपनी के सह संस्थापक बिल गेट्स और पूर्व सी.ई.ओ. स्टीव बाल्मर भी उपस्थिति में हुआ। तकनीकी उद्योग द्वारा इज़रायली मिलिटरी को आर्टिफिशल इन्टैलिजैंस (ए.आई.) सप्लाई करने को लेकर यह नवीनतम विरोध, अमेरिका में फैली इज़रायल विरोधी गहरी भावनाओं को उजागर करता है।

यह विरोध उस समय शुरु हुआ जब माइक्रोसॉफ्ट ए.आई. के सी.ई.ओ. मुस्तफा सुलेमान प्रॉडक्ट अपडेट्स तथा कम्पनी के ए.आई. प्रॉञडक्ट, "कैपिटल" के लिए दीर्घकालीन दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रहे थे। इस दौरान माइक्रोसॉफ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स और पूर्व सी.ई.ओ. स्टीव बाल्मर भी उपस्थित थे।

माइक्रोसॉफ्ट की कर्मचारी इब्तिहाल अबूसाद ने मंच की तरफ जाते हुए चिल्लाकर कहा, "मुस्तफा तुम्हें शर्म आनी चाहिए।" यह सुनकर सुलेमान ने अपना भाषण रोक दिया।

कर्मचारी ने कहा, "तुम दावा करते हो कि तुम ए.आई. का अच्छा उपयोग करना चाहते हो, लेकिन, माइक्रोसॉफ्ट इज़रायल को ए.आई. हथियार बेचता है। पचास हज़ार लोगों की मौत हो चुकी है और माइक्रोसॉफ्ट हमारे क्षेत्र में इस नरसंहार को संभव बना रहा है।"

सुलेमान ने कहा, "आपके विरोध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामनवमी पर शुभकामनाएं दीं

जयपुर, 5 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामनवमी के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हम सभी के लिए अनुकरणीय है। उनका जीवन त्याग, सेवा, वचनबद्धता और कत्तर्व्यनिष्ठा का ऐसा अनुपम उदाहरण है, जो सम्पूर्ण जनमानस के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को आा ान किया कि वे भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करते हुए देश एवं समाज की उन्नति में अपना योगदान देने का संकल्प लें।

विचार बिन्दु

आनंद वह ख़ुशी है जिसके भोगने पर पछताना नहीं पड़ता। –सुकरात

भारत में सभी शहरी क्षेत्रों के आसपास के वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना आवश्यक है

30X30 एक वैश्विक संरक्षण पहल है, जिसका उद्देश्य 2030 तक पृथ्वी के 30 प्रतिशत भूमि और महासागरों की रक्षा करना है। यह जैव विविधता कन्वेंशन (सीबीडी) के वर्ष 2020 के बाद के वैश्विक जैव-विविधता ढांचे के तहत एक प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 7,935 शहर और कस्बे थे। यहाँ शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है। इन शहरों और कस्बों के आसपास स्थित पेरी-अर्बन वनों की रक्षा करना पारिस्थितिक गलियारों को मजबूत करेगा, शहरी जैव-विविधता को बढ़ावा देगा और जलवायु सहनशीलता में सुधार करेगा। ये वन कार्बन भंडार के रूप में कार्य करते हैं, महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जैव-विविधता हानि को कम करते हैं। पेरी-अर्बन वनों को 30X30 रणनीति में शामिल करना समावेशी संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ मेल खाता है, जिसमें स्थानीय समुदायों की भागीदारी और देश की अनोखी जैव-विविधता और पारिस्थितिक अखंडता के लिए एक टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करना शामिल है।

पेरी-अर्बन वन-हरे भरे क्षेत्र जो शहरों के बाहरी इलाकों में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्थित हैं-पारिस्थितिक जीवनरेखा हैं जो शहरीकरण के प्रतिकूल प्रभावों को कम करते हैं। ये वन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें कार्बन अवशोषण, जल चक्र विनियमन, जैव-विविधता संरक्षण, स्थानीय तापमान को संतुलित करना और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रकृति-आधारित समाधान के स्त्रोत के रूप में काम करना शामिल है। तेजी से शहरी विस्तार के साथ, पेरी-अर्बन वन, कटाई, शहरीकरण के कारण भूमि उपयोग में बदलाव और प्रबंधन में उपेक्षा जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए, इनके बहुआयामी लाभों के प्रमाणों के आधार पर, सभी पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना और उनका प्रबंधन करना आवश्यक है।

भारत विश्व स्तर पर पेरी-अर्बन वनों की बहाली की उच्चतम संभावना वाले शीर्ष चार देशों में शामिल है, जिसमें चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राज़ील भी शामिल हैं। ये चार देश पुनर्स्थापन गतिविधियों के लिए उपलब्ध वैश्विक पेरी-अर्बन क्षेत्रों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा प्रदान करते हैं। अकेले भारत में लगभग 14 से 17 मिलियन हेक्टेयर भूमि ऐसी पहलों के लिए उपयुक्त मानी गई है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने, जैव-विविधता को बढ़ावा देने और शहरी सहनशीलता में सुधार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है (एस. फ्रांसिनीएटअल., नेचर सिटीज, वॉल्यूम 1, पेज 286-294, 2024)। यह वैश्विक पुनर्स्थापन प्रयासों में भारत की केंद्रीय भूमिका और लक्षित पुनर्वनीकरण गतिविधियों के माध्यम से महत्वपूर्ण पारिस्थितिक और सामाजिक लाभ प्रदान करने की इसकी क्षमता को उजागर करता है।

भारत में शहरी और पेरी-अर्बन राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षण रिज़र्वों का एक व्यापक नेटवर्क है, जो जैव-विविधता संरक्षण और शहरी पारिस्थितिकी सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (मुंबई), जो 103 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के लिए एक हरा फेफड़ा है और तेंदुओं सहित विविध वन्यजीवों का घर है। इसी तरह, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान (भोपाल), 4.45 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और प्राकृतिक बाड़ों में जानवरों के साथ एक प्राणी उद्यान के रूप में कार्य करता है।गिंडी राष्ट्रीय उद्यान (चेन्नई), जो केवल 2.7 वर्ग किलोमीटर में फैला है, काले हिरण, चीतल और पक्षियों के लिए एक शहरी अभयारण्य है।

हैदराबाद में कासू ब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान, जो 1.43 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के केंद्र में स्थित एक शहरी वन है, जो उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनस्पति को संरक्षित करता है और आवश्यक पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करता है। महावीर हरीना वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान, 14.59 वर्ग किलोमीटर में फैला है और काले हिरणों की आबादी और शिक्षा तथा मनोरंजन में अपनी भूमिका के लिए जाना जाता है। बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान (बेंगलुरु), 260.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और हाथी गलियारे और पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाओं को जोड़ता है,जो शहरी दबावों और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन बनाता है।

चंदका-दामपाड़ा वन्यजीव अभयारण्य, जो भुवनेश्वर, ओडिशा के पास स्थित है, 193.39 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और शहरी क्षेत्रों के करीब एक महत्वपूर्ण हाथी अभयारण्य है। यह मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और जैव-विविधता को संरक्षित करने में पेरी-अर्बन संरक्षित क्षेत्रों के महत्व को रेखांकित करता है। जयपुर का झालाना-अमागढ़ कंजेर्वेशन रिज़र्व, जो 32 वर्ग किलोमीटर में फैला है, अपनी बढ़ती तेंदुओं की आबादी, कार्बन संचय, भू-जल पुनर्भरण और पर्यावरण पर्यटन के लिए जाना जाता है।

हमने हैदराबाद, तेलंगाना के पास स्थित 109 शहरी और पेरी-अर्बन वनों में से एक का दौरा किया, जो 250 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन प्रजातियों के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनर्जनन को प्रदर्शित करता है। मजबूत संरक्षण उपायों ने जैव-विविधता की रक्षा की है, जलग्रहण क्षेत्र की स्थिति को बेहतर बनाया है और आसपास की झीलों को स्वच्छ पानी प्रदान किया है। इसी प्रकार हैदराबाद का कासूब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यानएक महत्वपूर्ण शहरी संरक्षित क्षेत्र है, जहाँ चंदन (सैंटलम एल्बम) के उल्लेखनीय प्राकृतिक पुनरुत्पादन को देखा गया है। यह मुख्य रूप से पक्षियों द्वारा बीजों के प्रसार के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें बुलबुल पक्षी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। ये पक्षी पार्क के 353 एकड़ क्षेत्र में, जिसमें संरक्षण और पर्यटन क्षेत्र दोनों शामिल हैं, बीजों को फैलाने में सहायक हैं।

भारत में शहरी और पेरी-अर्बन राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षण रिज़र्वों का एक व्यापक नेटवर्क है, जो जैव-विविधता संरक्षण और शहरी पारिस्थितिकी सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (मुंबई), जो 103 वर्ग किलोमीटर में फैला है, शहर के लिए एक हरा फेफड़ा है और तेंदुओं सहित विविध वन्यजीवों का घर है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल शहर के लिए हरे फेफड़े का काम करता है, जैव-विविधता संरक्षण में योगदान देता है, पारिस्थितिक पर्यटन को बढ़ावा देता है, और आसपास की झील के लिए जल विनियमन को बेहतर बनाता है। अपनी छोटी सीमा के बावजूद, वन विहार संरक्षण और मनोरंजन के बीच संतुलन स्थापित करता है। पारिस्थितिक संरक्षण और शहरी योजना को एकीकृत करने का उत्तम उदाहरण है।

पेरी-अर्बन वन स्थानीय जलवायु को स्थिर करने के लिए अपरिहार्य हैं, विशेष रूप से उन शहरी और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में जो अत्यधिक गर्मी की चपेट में आते हैं। झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रोफेसर आर. योसेफ और उनकी टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि पेरी-अर्बन वनभूमि सतह तापमान (LST) को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि झालाना-अमागढ़ संरक्षण रिज़र्व के भीतर का LST, आसपास के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में सभी मौसमों में काफी कम था। यह शीतलन प्रभाव दिखाता है कि वन शहरी गर्मी द्वीपों (Urban Heat Islands) का कैसे मुकाबला करते हैं, जो अन्यथा शहरों में गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ाते हैं (, . 13, Pages 1101, 2022)~ यह निष्कर्ष घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जीवन स्तर को सुधारने के लिए भारत में शहरी और पेरी-अर्बन वनों को प्राथमिकता देने की मजबूत वकालत करता है।

शीतलन के अलावा, पेरी-अर्बन वन वैश्विक जलवायु शमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एस. फ्रांसिनी और उनके सहयोगियों ने पाया कि विश्व स्तर पर उपयुक्त पेरी-अर्बन क्षेत्रों को पुनर्स्थापित करके 101 से 106 अरब पेड़ों के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा सकता है, जो कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण योगदान देगा (Nature Cities, Vol. 1, Pages 286–294, 2024)?

पेरी-अर्बन वनों में निवेश पारंपरिक 'ग्रे' अवसंरचना,जैसे बांध और तटबंध,के बजाय बाढ़ नियंत्रण और जलवायु अनुकूलन के लिए एक किफायती विकल्प है। आर. मलेकनिया और उनकी टीम द्वारा किए गए अध्ययन यह दर्शाते हैं कि पेरी-अर्बन वन प्राकृतिक स्पंज के रूप में कार्य करते हैं,वर्षा जल को अवशोषित करते हैं, जल पुनर्भरण करते हैं, और शहरी बाढ़ के जोखिम को कम करते हैं (Forests, Vol. 15, 2024)? यह पारिस्थितिकी सेवा आपदा के बाद के पुनर्वास पर होने वाले आर्थिक बोझ को कम करती है और दीर्घकालिक सहनशीलता सुनिश्चित करती है।

पेरी-अर्बन वन पारिस्थितिक पर्यटन, टिकाऊ आजीविका और शीतलन के लिए ऊर्जा लागत को कम करके अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्रदान करते हैं। ऐसी सेवाएं पेरी-अर्बन वनों को संरक्षित करने के वित्तीय लाभों को रेखांकित करती हैं। पेरी-अर्बन वनों को कंजर्वेशन रिज़र्व घोषित करना संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करेगा और स्थानीय व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

पेरी-अर्बन वन स्वच्छ हवा प्रदान करके, गर्मी के तनाव को कम करके और मनोरंजन स्थल के रूप में शहरी जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। ये लाभ विशेष रूप से भारत के घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं, जहाँ हीट-वेव और वायु प्रदूषण शहरी समुदायों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, पेरी-अर्बन वन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करते हैं। मनोरंजन स्थलों के रूप में ये वन व्यायाम और विश्राम के अवसर प्रदान करते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

पेरी-अर्बन वनों को संरक्षण रिज़र्व घोषित करना एक क्रांतिकारी नीतिगत समाधान है, जो इन वनों की सुरक्षा को संस्थागत रूप देगा और उनके पारिस्थितिक, आर्थिक और सामाजिक लाभों को पूरी तरह से प्राप्त करने की क्षमता को साकार करेगा। कंजर्वेशन रिज़र्व कानूनी ढांचा प्रदान करते हैं,जो वनों को शहरी अतिक्रमण और अव्यवस्थित दोहन से बचाते हैं, साथ ही समुदाय की भागीदारी को भी सक्षम बनाते हैं। पेरी-अर्बन वनों के संरक्षण को लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, जीआईएस और रिमोट सेंसिंग उपकरणों का उपयोग करके पेरी-अर्बन वनों की पहचान और मूल्यांकन करना चाहिए, जो भूमि सतह तापमान और पारिस्थितिकी सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करेगा। दूसरे, नीतिगत और कानूनी सुधारों के माध्यम से इन क्षेत्रों को औपचारिक रूप से समय समय पर संशोधित, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुरूप कंजर्वेशन रिज़र्व के रूप में नामित करना आवश्यक है, जिससे इनकी दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तीसरे, सहभागी योजना और शिक्षा के माध्यम से समुदायों को शामिल करना महत्वपूर्ण है, ताकि जन-जागरूकता बढ़ाई जा सके और स्थानीय स्तर पर संरक्षण प्रयासों में भागीदारी सुनिश्चित हो। चौथे, सीधी बुआई (बीजारोपण), असिस्टेड नेचुरल रिजनेरेशन जैसी वैज्ञानिक पुनर्स्थापन तकनीकों का उपयोग करके वनों के पुनर्स्थापन और क्षतिग्रस्त वनों को बेहतर करने में मदद मिल सकती है। अंत में,जन जागरूकता अभियानों के माध्यम से पेरी-अर्बन वनों के पारिस्थितिक और सामाजिक लाभों को उजागर किया जा सकता है, जिससे नागरिकों को इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए प्रेरित किया जा सके। इन सभी प्रयासों से पेरी-अर्बन वनों का संरक्षण न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को सुनिश्चित करेगा, बल्कि देश के आर्थिक और सामाजिक लाभों में भी योगदान देगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

वक्फ (संशोधन) बिल 2025: सच्चाई बनाम भ्रांतियां

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

भारत सरकार द्वारा वक्फ (संशोधन) बिल 2025, लोकसभा में 2 अप्रैल 2025 को यह बिल पेश किया गया। जिसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन में सुधार लाना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना, और अल्पसंख्यक समुदाय-विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय-के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक उत्थान को बढ़ावा देना है। यह बिल वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करता है और इसे "यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट एक्ट" के रूप में पुनर्नामित किया गया है। ये बिल लोकसभा और राज्यसभा में गहन बहस के बाद पारित हुआ।

इस बिल को लेकर मुस्लिम समुदाय में कई चिंताएँ और शंकाएँ हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यह उनकी धार्मिक स्वतंत्रता को प्रभावित करेगा, तो कुछ को लगता है कि इससे वक्फ संपत्तियाँ सरकार के नियंत्रण में चली जाएँगी। लेकिन अगर हम तथ्यों और आँकड़ों को देखें, तो यह बिल न केवल वक्फ संपत्तियों को सुरक्षित करता है बल्कि समुदाय के आर्थिक और शैक्षिक विकास को भी सुनिश्चित करता है। यह आलेख इसी बिल के सकारात्मक पहलुओं, चिंताओं के तार्किक निवारण और इससे होने वाले संभावित लाभों की चर्चा करेगा।

क्या यह बिल धार्मिक स्वतंत्रता को प्रभावित करेगा? कई लोगों को लगता है कि गैर-मुस्लिम सदस्यों को वक्फ बोर्ड में शामिल करना धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने जैसा है। लेकिन सच्चाई यह है कि बिल में गैर-मुस्लिम सदस्य केवल संपत्ति प्रबंधन और पारदर्शिता के लिए होंगे, न कि धार्मिक गतिविधियों के लिए। केग रिपोर्ट 2022 कहती है कि भारत में लगभग 9.4 लाख एकड़ वक्फ संपत्ति पंजीकृत है, लेकिन 7प्रतिशत से अधिक संपत्तियों पर गैरकानूनी कब्जा है। इस समस्या को दूर करने के लिए पारदर्शिता और कुशल प्रबंधन आवश्यक है, ताकि वक्फ संपत्तियाँ बेहतर तरीके से समुदाय के हित में उपयोग हो सकें।

क्या सरकार वक्फ संपत्तियों पर कब्जा कर लेगी? एक आम चिंता यह भी है कि सरकार इस बिल के माध्यम से वक्फ संपत्तियों को अपने अधिकार में ले लेगी। लेकिन इस बिल में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो सरकार को वक्फ संपत्तियों पर नियंत्रण देने की अनुमति देता हो। राष्ट्रीय वक्फ विकास निगम की रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत में 66,000 एकड़ से अधिक वक्फ संपत्ति पर अवैध कब्जा है। इस बिल के माध्यम से इन संपत्तियों को पुनः मुस्लिम समुदाय के शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए उपयोग किया जा सकता है, जैसे कि स्कूल, अस्पताल और रोजगार केंद्रों की स्थापना में। क्या वक्फ बोर्ड की ताकत कम होगी? पहले, धारा 40 के तहत, वक्फ बोर्ड बिना किसी ठोस प्रमाण के किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित कर सकता था, जिससे विवाद उत्पन्न होते थे। अब इस प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रमाण-आधारित बनाया गया है, जिससे बोर्ड की विश्वसनीयता बढ़ेगी। केंद्रीय वक्फ परिषद की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 30प्रतिशत वक्फ संपत्तियाँ कानूनी विवादों में उलझी हुई हैं। अगर इन संपत्तियों का सही उपयोग किया जाए, तो हर साल 10,000 करोड़ रुपये तक की आमदनी हो सकती है, जिसे गरीब मुस्लिम समुदाय की भलाई के लिए खर्च किया जा सकता है। क्या मुस्लिम समुदाय की आवाज़ दब जाएगी? इस बिल में यह सुनिश्चित किया गया है कि वक्फ बोर्ड में शिया, बोहरा और अन्य मुस्लिम संप्रदायों को उचित प्रतिनिधित्व मिले। साथ ही, कम से कम दो मुस्लिम महिलाओं को वक्फ बोर्ड में शामिल करने का प्रावधान किया गया है। 2022 में वक्फ बोर्डों में केवल 4प्रतिशत महिला सदस्य थीं, लेकिन यह नया बिल इस असमानता को दूर करने में मदद करेगा। मुस्लिम समुदाय को इस बिल से क्या लाभ होगा? पारदर्शिता और कुशल प्रबंधन सुनिश्चित होने से वक्फ संपत्तियों से होने वाली आय का सही उपयोग होगा। इन फंड्स का उपयोग गरीब बच्चों की शिक्षा, महिलाओं की सहायता और स्वास्थ्य सेवाओं में किया जा सकेगा। वर्तमान में 1.2 लाख करोड़ रुपये की वक्फ संपत्तियाँ हैं, लेकिन इनका केवल 10-15प्रतिशत सही तरीके से उपयोग हो पाता है। अगर इन संपत्तियों का उचित प्रबंधन हो, तो मुस्लिम समुदाय के लिए हर साल 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त आय हो सकती है, जो शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास में सहायक होगी।

वक्फ (संशोधन) बिल 2025 को लेकर कई भावनात्मक चिंताएँ हैं, लेकिन तथ्य यह बताते हैं कि यह बिल समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके पक्ष में है। यह वक्फ संपत्तियों को सुरक्षित करता है, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण को रोकता है, पारदर्शिता लाता है और मुस्लिम समुदाय के शैक्षिक व आर्थिक उत्थान के लिए संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित करता है। महिलाओं और कमजोर वर्गों को सशक्त करने का भी यह एक अवसर है। इसलिए, गलत सूचनाओं से डरने की बजाय इस बिल को समझना ज़रूरी है। यह आपके हक और आपकी धरोहर को मज़बूत करने का कदम है, और सरकार व समुदाय के बीच संवाद और विश्वास से ही इसका पूरा फायदा उठाया जा सकता है।

–डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
राजनैतिक और सामाजिक कार्यकर्ता

कैलादेवी मेले में दुर्गाष्टमी पर पांच लाख से अधिक भक्तों ने माता के दर्शन किये

26 मार्च से मेले में अब तक 35 लाख से अधिक भक्त पहुंच चुके हैं

करौली, (निसं)। उत्तर भारत के प्रसिद्ध शक्तिपीठ कैलादेवी में चैत्र मास का वार्षिक लक्खी मेला चल रहा है। दुर्गाष्टमी पर प्रात तीन बजे से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गई। भक्त माता के जयकारे लगाते हुए दर्शन करने के लिए कतारों में पहुंचे। इस दौरान माता रानी के दरबार में भीड़ इतनी थी कि दर्शन में करीब एक घंटे का समय लग रहा था। दुर्गाष्टमी पर पांच लाख से अधिक भक्तों ने माता के दर्शन किये। 26 मार्च से 11 अप्रैल तक चलने वाले इस मेले में अब तक 35 लाख से अधिक भक्त पहुंच चुके हैं।

दुर्गाष्टमी के अवसर पर प्रातः ग्यारह बजे कैलादेवी मंदिर ट्रस्ट के सोल ट्रस्टी कृष्णचन्द्र पाल एवं उनके पुत्र ने राज्याचार्य प्रकाशचन्द जती के मंत्रोच्चारणों के साथ कैलामाता की पूजा अर्चना के बाद महाआरती की। मेले में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा से भी बड़ी संख्या में भक्त आ रहे हैं। कई श्रद्धालु हाथों में ध्वजा लेकर पैदल यात्रा कर रहे हैं। नवविवाहित जोड़े और नवजात के परिवार विशेष रूप से दर्शन करने आ रहे हैं। मेले में कानून व्यवस्था के लिए एक हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हिंडौन और करौली सहित अन्य आगारों कि 350 रोडवेज बसें लगाई गई हैं।

■ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा से भी बड़ी संख्या में भक्त आ रहे हैं

दुर्गाष्टमी के मौके पर जिले भर में घर-घर में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की गई और कन्या भोज का आयोजन किया गया। कैलादेवी में बहने वाली कालीसिल नदी से भी लोगों कि अटूट आस्था जुड़ी हुई है। ऐसा माना जाता है कि कालीसिल नदी में स्नान करने के बाद दर्शन करने से ही कैला माता प्रसन्न होती है और देवी की जात पूरी होती है। इसी के चलते कैलादेवी मेले में आने वाले अधिकांश यात्री माता के दर्शनों से पूर्व कालीसिल नदी में स्नान कर स्वयं को पवित्र करते हैं। कैला मैया के दरबार में भक्त अपनी मनौती पूरी होने पर वाहनों से पहुंचते हैं। वहीं कुछ पैदल चलकर आते हैं। वहीं कुछ श्रद्धालु प्रतिवर्ष बिना किसी मनौती के ही नियमित दर्शनों को आते हैं।

कहा जाता है कि जो भी श्रद्धालु सच्चे दिल से माता से कुछ मांगता है तो कैला मां उसे कभी निराश नहीं करती। माता के कृपा भाव के कारण ही प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। कैलादेवी माता के दर्शनों के आने वाले भक्तों में हर उम्र के लोग शामिल होते हैं। बच्चों से लेकर 100 वर्ष तक की उम्र के भक्त माता के जयकारे लगाते हुए निरंतर आगे बढ़ते हैं। इनमें बच्चे, युवक-युवती, महिला-पुरूष शामिल रहते हैं।

जलदाय विभाग ने पानी चोरी कर व्यापार करने वालों से 13.93 लाख रुपए वसूले

बालोतरा, (निसं)। परियोजना पोकरण-फलसूण्ड-बालोतरा-सिवाना की मुख्य पाइप लाइनों से अवैध रूप से पानी चोरी कर व्यापार करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए जलदाय विभाग ने अब तक 13 लाख 93 हजार 849 रुपए की वसूली की।

जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिशाषी अभियंता बाबूलाल मीणा ने बताया कि परियोजना खण्ड बालोतरा के अधिकारियों की अवैध रूप से पाइप लाइनों से पानी चोरी करने वालो के विरूद्ध अभियान के तहत बालोतरा क्षेत्र के गांवों में सहायक अभियंता राकेश शर्मा के नेतृत्व में कार्यवाही की गई। जिसमें 2 व्यक्तियों के 3 अवैध जल संबंध चिन्हित किए गए एवं इन अवैध जल संबंधकर्ता के विरूद्ध जुर्माना पेनल्टी राशि वसूली एवं मुकदमे की कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही में ईशाख खान पुत्र हाजी मूसे खान, ग्राम पंचायत रेवाडा मैया द्वारा पचपदरा, फलोदी मेगा हाइवे के किनारे, उनके होटल के सामने बने हुए टांके में आधा इंच के 2 कनेक्शन किए हुए पाए गए। टांका 12-15 टैंकर बना हुआ है। टांके में पानी इकट्ठा कर पानी का बेचान किया जाता है। गत 5 दिन से 24 घण्टे लगातार मुखबरी हेतु आदमियों को लगाया हुआ था। किसी तरह से भनक लगने के कारण उनके द्वारा टैंकर नहीं भरे गये। आखिरकार उनके विरूद्ध आज कार्यवाही की गई।

उन्होंने बताया कि दूसरा अवैध जल संबंध रैवाडा मैया में राकेश बंसल निवासी बालोतरा द्वारा स्थापित ऑक्सीजन प्लांट में अवैध जल संबंध स्थापित किया हुआ था। इनके विरूद्ध भी कार्यवाही की जा रही है। पूर्व में जुर्माना पेनल्टी राशि की जिन लोगों को नोटिस जारी किए गए थे, उनके द्वारा विभाग में राशि नहीं जमा करवाने पर आज 26 लोगों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु जिला कलेक्टर बालोतरा को प्रकरण भिजवाने से पूर्व विभाग द्वारा अंतिम नोटिस जारी किए गए है। इन लोगों के विरूद्ध 1 करोड 15 लाख 29 हजार एक सौ चौबीस रुपए की वसूली प्रस्तावित की हुई है। निर्धारित समयावधि में जुर्माना, पेनल्टी राशि जमा नहीं करवाने पर इनके विरूद्ध कार्यवाही हेतु प्रकरण जिला कलक्टर बालोतरा को भिजवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अब तक परियोजना की पाइप लाइनों पर 648 अवैध जल संबंध चिन्हित किए गए। जिनमें से 632 अवैध जल संबंध हटाते हुए 13 लाख 93 हजार 849 रुपए की वसूली कर राजकोष में जमा करवाए जा चुके हैं।

सूरतगढ़ थर्मल कॉलोनी के पास आग लगी, हादसा टला

सूरतगढ़, (निसं)। सुपर थर्मल पावर प्लांट कॉलोनी के जीएसएस से सटे खाली इलाके में शनिवार को आग लग गई। वहीं, सूचना मिलने के बाद थर्मल परियोजना के सुपर क्रिटिकल इकाई यार्ड से पहुंची दो दमकलों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान आगजनी की घटना में कई हरे पेड़ भी जल गए। जीएसएस की दीवार के दूसरी तरफ झाड़ियों से घिरा जंगल जैसा इलाका है। यहां जीएसएस के कर्मचारियों को धुआं और लपटें उठती दिखाईं दीं तो कार्मिकों ने उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी दी।

बताया जा रहा है कि आग जहां लगी वह सब क्रिटिकल इकाई के नजदीक का क्षेत्र है। मगर वहां की चार दमकलें नाकारा होने की वजह से सुपर क्रिटिकल यार्ड से फायर टेंडरों को बुलाया गया। मौके पर पहुंची दो दमकलों ने तीन-तीन चक्कर लगाकर कई मीटर क्षेत्र में फैली आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि आग की लपटें जीएसएस में बने स्ट्रक्चर और ट्रांसफार्मर तथा वायरों से दूर रही, अन्यथा बड़ा नुकसान भी हो सकता था। राजस्थान विद्युत श्रमिक महासंघ (भामस.) के पूर्व प्रदेश मंत्री जसवीर से निज्जर ने बताया कि जीएसएस के साथ कॉलोनी की दीवार से उस पार उगी झाड़ियों और जंगलात की तरफ थर्मल प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। लंबे समय से यहां ना साफ सफाई करवाई गई है और ना ही सूखे कचरे का निस्तारण किया गया है। ऐसे में आग लगते ही एकाएक फैल गई और हरे पेड़ों को भी अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा कि यदि आग पास ही लगे जीएसएस के ट्रांसफार्मर में लग जाती तो लम्बे समय तक कॉलोनीवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता। उन्होंने इस मामले में लापरवाह अधिकारियों कर्मचारियों पर कार्रवाई की भी मांग रखी।

राशिफल रविवार 6 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पुष्य नक्षत्र सोमवार प्रातः 6:25 तक, धृति योग सायं 6:19 तक, तैतिल करण प्रातः 7:42 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रवि पुष्य योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज रवि योग सम्पूर्ण दिन-रात है। आज रामनवमी है। आज बसन्त नवरात्रा समाप्त होंगे। आज स्वामी नारायण जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:56 से 9:28 तक, लाभ-अमृत 9:23 से 12:29 तक, शुभ 2:03 से 3:36 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:42

मेष

परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव रहेगा।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन ठीक नहीं है।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय मे वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर

परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी दूर होगी।

कुंभ

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

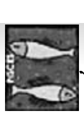

मीन

व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आवश्यक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

सार-समाचार

शोभायात्रा को प्लास्टिक मुक्त रखने का संकल्प लिया

भरतपुर, (निसं)। श्री राम शोभा यात्रा समिति द्वारा 6 अप्रैल रामनवमी को निकाली जाने वाली श्री राम शोभा यात्रा में किए गए नवीन प्रयोग इस वर्ष की यात्रा के मुख्य आकर्षण रहेंगे शोभा यात्रा समिति के अध्यक्ष अनुराग गर्ग ने बताया शोभा यात्रा कुम्हेर गेट बाहर स्थित अनाज मंडी यार्ड से दोपहर 3:00 बजे रवाना होगी, राम शोभा यात्रा के मार्ग को रामभक्तो ने भगवा झंडों और भगवान द्वारो से सजा दिया है शोभा यात्रा का विभिन्न सामाजिक संगठनों के द्वारा स्वागत किया जाएगा, शोभायात्रा को प्लास्टिक मुक्त रखने का संकल्प लिया गया है साथ ही शोभा यात्रा की प्रत्येक झांकियां संदेशमूलक हो इसके प्रयास किए गए हैं श्री राम शोभा यात्रा समिति के महामंत्री प्रेमसिंह कुंतल ने बताया कि शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण सर्व समाज के द्वारा संगठित होकर स्वप्रेरणा से शोभायात्रा में निकाली जाने वाली झांकियां रहेंगी, जिसमें शोभा यात्रा समिति के द्वारा निकाली जाने वाली रामलला की सजीव झांकी के दर्शन करके ऐसा लगेगा मानो भरतपुर अवधपुरी बन गया हो, झांकी समिति के संयोजक रविंद्र मोहन शर्मा ने बताया की रामचरितमानस के अहिल्या प्रसंग, शबरी प्रसंग धनुष यज्ञ, रावण मंदोदरी संवाद, राम बनवास, भरत मिलाप, रामदर बार ,रामायण लेखन, केवट प्रसंग, लक्ष्मण शक्ति प्रसंगों का विभिन्न विद्यालयों के द्वारा सजीव मंचन किया जाएगा और मुख्य विशेषता यह रहेगी की मन को अशांत करने वाले डीजे के कानफोडू संगीत के स्थान पर रामचरितमानस की चौपाइयों का विभिन्न शास्त्रीय रागों जैसे राग यमन, राग भैरवी ,राग दमयंती , राग मालकोश आदी रागों पर आधारित चौपाइयां पूरे वातावरण को श्रद्धा एवं भाव से भर देंगी, इंजीनियर प्रवीण, डॉ आलोक शर्मा, गिरीश सिंगल, सीए अतुल मित्तल ने बताया कि दुर्गा मांके नौ रूप, भगवान परशुराम भगवान,भगवान विष्णु की झांकियां सभी का मन मोह लेंगी, जाट समाज,सपेरा समाज ,सिंधी समाज वाल्मीकि समाज, राजपूत समाज ब्राह्मण समाज, अठावाल समाज, चतुर्वेदी समाज विभिन्न कीर्तन मंडलीय तथा विभिन्न मोहल्ला और कॉलोनी की झांकियां भी शोभायात्रा को भव्य स्वरूप प्रदान करेंगी।

थमाया नोटिस

करौली, (निसं)। करौली जिला अस्पताल में सेवारत चिकित्सक ने अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकेश मीना से उनके पीएमओ कार्यालय में अभद्रता कि जिसको लेकर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी ने जिला कलेक्टर के यहां पत्र पेश कर गुहार लगाई और चिकित्सक को नोटिस जारी किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चिकित्सालय के एक सेवारत चिकित्सक कि रोगियों और उनके परिजनों से अच्छा व्यवहार नहीं करने कि शिकायत को लेकर चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकेश मीणा ने सेवारत चिकित्सक डॉ. मनोज मीना से रोगी और रोगियों के परिजनो से अच्छा व्यवहार करने और रोगियों को उचित उपचार देने कि समझाईस करने पर सेवारत चिकित्सक अपना आपा खो बैठा और पीएमओ कार्यालय में बैठे प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामके'ा के साथ गाली गलोच व अभद्रता कि इस मौके पर चिकित्सालय के अन्य चिकित्सक भी उपस्थित थे जिन्होने समझाईस कि सेवारत चिकित्सक ने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को देख लेने कि धमकी दी जिसको लेकर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ.रामकेश मीणा ने चिकित्सकों के प्रतिनिधिमंडल के साथ जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर को लिखित में पत्र पेश कर सुरक्षा कि गुहार लगाई है ज्ञात रहे कि इसी सेवारत चिकित्सक का पूर्व में भी एक महिला चिकित्सक से भी विवाद हुआ था लेकिन अंत में महिला चिकित्सक से समझौता कर लिया गया इसके अलावा भी रोगी और रोगी के परिजनों से भी पूर्व में एक दो बार कहा सुनी होना बताया जा रहा है।

चैती मेले का आयोजन

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। कस्बा भुसावर में रमेश स्वामी पार्क पर पुरानी परम्पराओं को निभाते हुए पिछले कई बर्षो से चली आ रही परम्परा के अनुसार एक दिवसीय चैती मेले का आयोजन किया गया। जहां मेला देखने पहुँचे बच्चे एवं महिलाएं काफी उत्साहित नजर आये। मेले में लगे झूलों एवं चाट की दुकानों सहित मिट्टी से बने बर्तनों की दुकानों पर भीड अत्यधिक देखने को मिली। वहीं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस व्यवस्था पूरी तरह चाक चौबन्द रही। वहीं दुर्गाष्टमी पर घर-घर में कन्या पूजन कर भोजन करवाया गया। कस्बा भुसावर में भक्तों द्वारा मॉ दुर्गा की शोभायात्रा निकालते हुए नगर भ्रमण करवाया गया। जिसका जगह जगह भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा कर आरती उतारते हुए स्वागत किया गया। वहीं माता के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। भक्तों ने माता के दर्शन कर आरती उतारते हुए हाजरी लगायी और परिवार में सुख समृद्धि को लेकर कामना की। शोभायात्रा मंदिर प्रांगण से शुरू होकर मुख्य बाजार, पुरानी अनाज मण्डी, चौर का मन्दिर से खेल मैदान पहुॅची। शोभायात्रा का समापन प्रसादी वितरण के साथ किया गया।

पहलवानों ने दांव पेच आजमाये

भुसावर/भरतपुर, उपखण्ड भुसावर के गॉव बल्लभगढ में विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। जहां स्थानीय सहित दूर दराज के क्षेत्रों से आये पहलवानों ने दांव पेच आजमाये और प्रतिद्वन्द्वी पहलवानों को पटकनी देकर जीत हासिल की। मिली जानकारी के अनुसार गॉव बल्लभगढ में आयोजित कुश्ती दंगल में विधायक बहादुर सिंह कोली ने भाग लिया और पहलवानों को शुभकामनाएं दीं। ठाामीणों द्वारा विधायक सहित अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया। विराट कुश्ती दंगल के दौरान स्थानीय एव देश के अनेक राज्यों से आए पहलवानों ने कुश्तियों के दावपेच दिखा कर ठाामीणों की वाही वाही हासिल की। साथ ही मेलार्थियों ने मेले का आनन्द ले कर देवी माता की पूजा अर्चना की। विराट कुश्ती दंगल में 101 रूपये से लेकर हजारों रूपये तक की कुश्तियां करवायी गई।

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

करौली, (निसं)। करौली में पुलिस ने आज रविवार को रामनवमी पर निकलने वाली शोभायात्रा व आगामी त्योहारों को देखते हुए फ्लैग मार्च निकाला। कोतवाली से शुरू हुए इस मार्च में हथियारबंद पुलिस जवान पैदल,घुड़सवार और मोटरसाईकिल पर नजर आये। फ्लैग मार्च में डीएसपी अनुज शुभम,कोतवाली थाना अधिकारी अध्यात्म गौतम और सदर थाना अधिकारी रामनाथ शामिल रहे। फ्लैग मार्च हिंडौन दरवाजा, फूटाकोट, हटवाड़ा बाजार,भूड़ारा बाजार,सब्जी मंडी, वजीरपुर दरवाजा और अनाज मंडी से होकर वापस कोतवाली पहुंचा। पुलिस ने शहरवासियों को शांति बनाए रखने का संदेश दिया। डीएसपी अनुज शुभम ने बताया कि पुलिस अप्रिय घटनाओं से निपटने के लिए लगातार अभियान चला रही है।

शोभायात्रा में शामिल होने के लिए बांटे पीले चावल

- शोभायात्रा में घोड़े पर सवार भूतपूर्व सैनिक एक निश्चित गणवेश में आकर्षण का केंद्र रहेंगे

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय पर आज रविवार को सर्व हिंदु समाज कि ओर से रामनवमी के अवसर पर वि'ााल शोभा यात्रा निकाली जायेगी जिसमे लोगो को आमंत्रित करने के लिए बाजार बाजार घर घर जाकर पीले चावल बाटे जा रहे है।

शोभायात्रा आयोजन समिति के संयोजक चैरजी सिंह के नेतृत्व मे भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रहलाद सिंहल,एडवोकेट जयेन्द्र सिंह सहित कई लोगो ने बाजारो मे लोगो को एवं कोतवाली थाने मे चल रही सीएलजी बैठक के दौरान पुलिस व प्र'ाासन के अधिकारियो सहित हिंदु मुस्लिम समाज के लोगो को पीले चावल बाटे वही भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में भाजपाइयों ने आज रविवार को रामनवमी के उपलक्ष में होने वाली शोभा यात्रा को लेकर शहर में पीले चावल बांटकर शहर वासियों को शोभायात्रा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान जिला महामंत्री धीरेंद्र बैसला, विधानसभा संयोजक योगेश शर्मा उर्फ योगी, जिला उपाध्यक्ष सुरेश शुक्ला, अशोक वर्मा,आशीष जैन, तेजेन्द्र सिंह जादौन, नितेश महावर, विक्की गुरु, पंकज अग्रवाल,धन सिंह चैहान, मुकेश कुशवाहा, जीतू शुक्ला, अमर सिंह, विद्या वैष्णव, अमिता चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे। इसके अलावा विश्व हिंदू परिषद का एक दल कार्यक्रम संयोजक चैरजी सिंह के नेतृत्व में जयेंद्र सिंह एडवोकेट,नरेंद्र सिंह जादौन,प्रदीप सिंह कोटा छावर आदि ने बिरवास,बड़ा पांचना, माची, दीपुपूरा, सोनपुरा, पंडितपुरा, बिनेगा, मचानी, कोटा छावर, खेड़ा, मढ़िली, महुआ खेड़ा एवं रामेंद्र सिंह बिनेगा के नेतृत्व में गुबरेड़ा, कसारा,भावली के साथ मासलपुर तहसील के अन्य गांबो में शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए पीले चावलों का वितरण किया जयेंद्र सिंह एडवोकेट एवं नरेंद्र सिंह जादौन ने ग्रामीणों को बताया कि शोभायात्रा के दौरान भगवान श्री रामचंद्र जी साथ के साथ ऐतिहासिक महापुरुशो एवं वीरांगनाओं की सजीव झांकियो का चित्रण किया जाएगा घोड़े पर सवार होकर भूतपूर्व सैनिक एक निश्चित गणवेश में आकर्षण का केंद्र रहेंगे ध्रुवघटा के संत महाराज हरेंद्रानंदजी का संपूर्ण शोभायात्रा में सानिध्य प्राप्त रहेगा।

जन्मोत्सव मनाया

हिण्डौन सिटी, श्री गोमती धाम में ब्रह्मलीन संत श्री गोमती दास महाराज का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। दोपहर 12.30 बजे मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक महाआरती की।

सूचना

मैं कि सुदेश कुमारी पत्नी चुन्नी लाल जाति खत्री निवासी पुरानी तहसील के पास, कामां जिला डीग (राज०) की हूँ। मैं शपथ पूर्वक सही बयान करती हूँ कि मेरे आधार कार्ड में मेरी जन्म तिथि 01.01.1950 है जबकि मेरे पति स्व० चुन्नी लाल के सर्विस रिकॉर्ड में मेरी जन्म तिथि 26.05.1950 है।

कार्यालय ग्राम पंचायत पुरैनी, पंचायत समिति सैपऊ (धौलपुर)

क्रमांक:-ग्रा.प./ई.नि.सं./2025/233 दिनांक:03.04.2025

ई-निविदा सूचना 01/2025-2026

ग्राम पंचायत परिक्षेत्र में ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज की विभिन्न योजनाओं के तहत सम्पूर्ण वर्षवार स्वीकृत निर्माण कार्यों में निर्माण सामग्री आपूर्ति अनुमानित लागत लगभग 50.00 लाख के लिये सक्षम श्रेणी के पंजीकृत फर्मों से ऑनलाइन ई-निविदा दिनॉक 14.04.2025 को समय 10.00 एएम तक आमंत्रित की जाती है, जिसका UBN No.ZDH2526GLRC00007 है। विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रशासक ग्राम पंचायत पुरैनी — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत पुरैनी

कार्यालय ग्राम पंचायत सहरौली, पंचायत समिति सैपऊ (धौलपुर)

क्रमांक:-ग्रा.प./ई.नि.सं./2025/01 दिनांक:03.04.2025

ई-निविदा सूचना 01/2025-2026

ग्राम पंचायत परिक्षेत्र में ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज की विभिन्न योजनाओं के तहत सम्पूर्ण वर्षवार स्वीकृत निर्माण कार्यों में निर्माण सामग्री आपूर्ति अनुमानित लागत लगभग 50.00 लाख के लिये सक्षम श्रेणी के पंजीकृत फर्मों से ऑनलाइन ई-निविदा दिनॉक 14.04.2025 को समय 10.00 एएम तक आमंत्रित की जाती है, जिसका UBN No.ZDH2526GLRC00010 है। विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रशासक ग्राम पंचायत सहरौली — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत सहरौली

कार्यालय ग्राम पंचायत करीमपुर, पंचायत समिति सैपऊ (धौलपुर)

क्रमांक:-ग्रा.प./ई.नि.सं./2025/203 दिनांक:03.04.2025

ई-निविदा सूचना 01/2025-2026

ग्राम पंचायत परिक्षेत्र में ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज की विभिन्न योजनाओं के तहत सम्पूर्ण वर्षवार स्वीकृत निर्माण कार्यों में निर्माण सामग्री आपूर्ति अनुमानित लागत लगभग 50.00 लाख के लिये सक्षम श्रेणी के पंजीकृत फर्मों से ऑनलाइन ई-निविदा दिनॉक 14.04.2025 को समय 10.00 एएम तक आमंत्रित की जाती है, जिसका UBN No.ZDH2526GLRC00006 है। विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रशासक ग्राम पंचायत करीमपुर — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत करीमपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत तसीमो, पंचायत समिति सैपऊ (धौलपुर)

क्रमांक:-ग्रा.प./ई.नि.सं./2025/ दिनांक:04.04.2025

ई-निविदा सूचना 01/2025-2026

ग्राम पंचायत परिक्षेत्र में ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज की विभिन्न योजनाओं के तहत सम्पूर्ण वर्षवार स्वीकृत निर्माण कार्यों में निर्माण सामग्री आपूर्ति अनुमानित लागत लगभग 50.00 लाख के लिये सक्षम श्रेणी के पंजीकृत फर्मों से ऑनलाइन ई-निविदा दिनॉक 14.04.2025 को समय 10.00 एएम तक आमंत्रित की जाती है, जिसका UBN No.ZDH2526GLRC00011 है। विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रशासक ग्राम पंचायत तसीमों — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत तसीमों

संभाग स्तरीय गुर्जर समाज सुधार महापंचायत आज

हिण्डौन सिटी, (निसं)। समीपवर्ती जगदीश धाम कैमरी में आज 6 अप्रैल रविवार को संभाग स्तरीय गुर्जर समाज सुधार महापंचायत का आयोजन होगा। जगदीश मंदिर कमेटी अध्यक्ष थानेदार घनश्याम खटाना खेड़ला ने बताया कि गुर्जर समाज मे व्याप्त कुरूतियों को लेकर महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भरतपुर संभाग के करौली, सवाई माधोपुर, भरतपुर, धौलपुर जिलों सहित दौसा, जयपुर जिलों के गणमान्य नागरिक और हज़ारों पंच पटेल भाग लेंगे।

जगदीश मंदिर ट्रस्ट व पीसीसी सदस्य शीशराम खटाना ने बताया कि जगदीश मंदिर प्रांगण में दोपहर 12 बजे आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय महापंचायत में सैकड़ों बुद्धिजीवी लोगों सहित समाज के शिक्षाविद भाग लेंगे जो समाज में व्याप्त कुरूतियों को रोककर समाज के विकास और उत्थान सहित शिक्षा के क्षेत्र में समाज को आगे बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक करने की पहल करेंगे। पूर्व सरपंच सुग्रीवसिंह खटाना अधैत ने बताया कि कर्नल बैंसला के दिये संदेश अच्छी शिक्षा, उत्तम स्वास्थ्य, पढ़ी लिखी माँ और कर्जमुक्त समाज के नारे को सफल बनाने के लिए हमें प्रयास कर लोगों को जागरूक करना होगा जिससे गुर्जर समाज का विकास हो सके और नशे जैसी कुरूतियों से युवाओं को दूर कर शिक्षा और समाज के उत्थान में प्रयास किये जा सके । मंदिर कमेटी अध्यक्ष घनश्याम खटाना सहित पीसीसी सदस्य शीशराम खटाना, सचिव रामविलास खटाना, कोषाध्यक्ष कैप्टेन शीशराम खटाना, पूर्व सरपंच हंसराज खटाना, मुरारीलाल खटाना, दयाराम ठेकेदार, कैप्टेन शीशराम खटाना सेना मैडल, कैप्टेन रतनसिंह, कैप्टेन नरपतसिंह, हरी भटोला, पूर्व सरपंच सुठाीवसिंह खटाना, संतराम खटाना, सरपंच प्रतिनिधि कप्तान एडवोकेट, पृथ्वीराज खटाना,अध्यापक रामप्रताप, भूपेन्द्र खटाना अधैत, ज्ञानसिंह गुर्जर सहित कैमरी के 12 गांव के पंच पटेलों ने गुर्जर समाज के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में जगदीश धाम कैमरी पहुँचकर महापंचायत को सफल बनाने की अपील की।

बैठक सम्पन्न

करौली, (निसं)। डॉ भीम राव अंबेडकर जयंती समारोह समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें 14 अप्रैल को डॉ भीम राव अंबेडकर जी की 134वी जयंती समारोह धूम धाम से मनाने का निर्णय लिया गया।जाटव बैरवा समाज के उदय सिंह जाटव ने बताया कि 14 अप्रेल को प्रात 8:30 पर बाबा शाहब कि मूर्ति पर माल्यार्पण किया जाएगा, विचार गोष्ठी एवं वृद्ध जनों का सम्मान,वर्ष 2023-24 के 10वी और 12वी कक्षा के प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान किया जाएगा उन्होने बताया कि रजिस्ट्रेशन नंबर पर 9783144022 10 अप्रैल तक मान्य है और उसके उपरांत गायक कलाकारों के द्वारा बाबा शाहब कि जीवनी पर प्रस्तुति दी जाएगी। प्रात:11:00 बजे बाबा साहब कि स्वाभिमान रैली शांति और सदभावना पूर्वक बाजार से होते हुए निकाली जाएगी जिसमें बहुजन समाज में जन्मे महापुरुषों की झाकी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

गत्ता फैक्ट्री की मशीन में फंसी महिला मौके पर मौत

हिण्डौन सिटी, (निसं)। खरेटा रोड स्थित एक गत्ता फैक्ट्री में शनिवार सुबह 11 बजे एक महिला कर्मचारी की मौत हो गई। मशीन पर काम करते समय श्रमिक रेनू जाटव (38) मशीन की चपेट में आ गईं। सिर में गंभीर चोट आने से दम तोड़ दिया।

हादसे की सूचना के बाद परिजन तुरंत उन्हें जिला अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने उपचार के दौरान रेनू को मृत घोषित कर दिया। मृतका जाटव बस्ती की रहने वाली थी। वह पिछले कई वर्षों से इस फैक्ट्री में काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थी।सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी महावीर प्रसाद पुलिस जाब्ते के साथ जिला अस्पताल पहुंचे। फिलहाल महिला का शव मॉर्च्यूरी में रखा गया।

छप्पन भोग आज

करौली, (निसं)। माली समाज द्वारा रविवार को सीताराम मंदिर में श्री राम जन्म उत्सव के उपलक्ष में छप्पन भोग,फूल बंगला झांकी का आयोजन किया जाएगा। माली महासभा अध्यक्ष अमरसिंह चैहान ने बताया कि माली समाज की ओर से मंदिर में रामनवमी की उपलक्ष में छप्पन भोग, फूल बंगला झांकी का आयोजन किया जाएगा भक्तों के लिए दोपहर 1 बजे बाद रात्रि 9 बजे तक छप्पन भोग के दर्शन उपलब्ध रहेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत मांची, पंचायत समिति करौली जिला करौली

क्रमांक:-ग्रा.प./निविदा/2025-26/Spl-6 दिनांक: 04.04.2025

ई-निविदा सूचना 01/2025-26

ग्राम पंचायत मांची परिक्षेत्र में घूम रहे बंदरों को पकडकर ग्राम पंचायत परिक्षेत्र से दूर छोडने के कार्य हेतु जी.एस.टी. पंजीकृत फर्मों तथा संवेदकों से ई निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय पर देखी जा सकती हैं।

(भीम सिंह मीना) ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत मांची

UBN-ZKR2526WSRC00011

मण्डी में दो दुकानों से 11 लाख की चोरी

- घटना को लेकर मण्डी के व्यापारियों ने अनिश्चितकालीन समय के लिए मंडी बंद रखने का निर्णय लिया
- अज्ञात चोरों ने 5 दुकानों को निशाना बनाकर दो दुकानों से करीब 11 लाख रुपये की नकदी चुराई

हलैना/भरतपुर, (निसं)। जयपुर आगरा नेशनल हाईवे स्थित अनाज मंडी के अंदर अज्ञात चोरों ने 5 दुकानों को अपना निशाना बनाकर मण्डी में दो दुकानों से करीब 11 लाख रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। वहीं 3 दुकानों के चोरों ने सिर्फ ताले तोड़े। घटना के समय मंडी में तैनात दोनों गार्ड सो गए थे। ये घटना सुबह 5 बजे जब गार्डों ने दुकानों के ताले टूटे देखे तो होश उड़ गए और घटना की सूचना व्यापारियों को दी। घटना को लेकर मण्डी के व्यापारियों ने अनिश्चितकालीन समय के लिए मंडी बंद रखने का निर्णय लिया है।अनाज मंडी के अध्यक्ष योगेश जिंदल ने बताया कि हलैना स्थित अनाज मंडी के अंदर देर रात चोरों ने मंडी के 5 दुकानों के ताले तोड़े। चोर बनवारी लाल की दुकान से 8 लाख 63 हजार रुपये कैश और भदौरिया इंटरप्राइजेज की दुकान से 1 लाख 81 हजार 2 सौ रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। रात को मंडी में दो गार्ड सुरक्षा के लिए लगाए हुए हैं। वह रात को सो गए थे। चोरी करीब रात 3 से 4 बजे के बीच में हुई। इसके अलावा चोरों ने सियाराम भूप सिंह, सैनी इंटरप्राइजेज, शांति ट्रेडिंग कंपनी की दुकानों के भी ताले तोड़े हैं।

सुबह करीब 5 बजे जब गार्डों ने दुकानों के ताले टूटे हुए देखे तो, उन्होंने व्यापारियों को घटना की सूचना दी। जिसके बाद व्यक्ति मौके पर पहुंचे और पुलिस को मौके पर बुलाया गया। चोरी की घटना को लेकर व्यापारियों में काफी रोष है। व्यापारियों ने यह निर्णय लिया है कि जब तक पुलिस चोरी का खुलासा नहीं कर देती तब अनिश्चितकालीन समय के लिए मंडी को बंद रखा जाएगा। वहीं हलैना थाना अधिकारी जगदीश चंद्रा का कहना है कि चोरी की घटना के बाद पुलिस से पुलिस चोरों को ढूंढने की कोशिश कर रही है।

पांचना बांध से गंभीर नदी में पानी छोड़ा

हिण्डौन सिटी, (निसं) । जिला प्रशासन ने श्रीमहावीरजी के वार्षिक मेले की तैयारियों के तहत एक कदम उठाया है। शुक्रवार शाम को पांचना बांध से गंभीर नदी में पानी छोड़ा गया। यह पानी शनिवार को कटकड़ पहुंच गया है। प्राचीन परंपरा के अनुसार, भगवान महावीर की पूजा और जलाभिषेक गंभीर नदी के जल से ही किया जाता है।

इसी परंपरा को निभाने के लिए जल संसाधन विभाग ने बांध के दो गेट खोले। मानसून के बाद से सूखी पड़ी नदी में पानी का बहाव देखने के लिए स्थानीय ग्रामीण पुलिया के पास एकत्र हुए। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने आसपास के ठाामीणों को नदी से दूर रहने के निर्देश दिए हैं। नायब तहसीलदार और सदर थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा ने कटकड़ में स्थिति का जायजा लिया। अनुमान है कि रविवार शाम तक यह पानी श्रीमहावीरजी स्थित गंभीर नदी तक पहुंच जाएगा।

जनसमस्याओं को लेकर मुख्य सचिव को सौंपा ज्ञापन

करौली, (निसं)। करौली विकास मंच के अध्यक्ष बबलू शुक्ला ने मुख्य सचिव राजस्थान सरकार सुधांशु पंत को ज्ञापन देकर करौली जिला मुख्यालय की प्रमुख जनसमस्याओं को लेकर उनका ध्यान आकृष्ट किया और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आग्रह किया।

प्रमुख समाज सेवी बबलू शुक्ला ने कहा है कि मदनमोहनजी कि नगरी करौली जिला मुख्यालय में करौली नगरपरिषद क्षेत्र में एकमात्र पर्यटक स्थल रियासतकालीन निर्मित रणगमा का तालाब है। भारी बारिश के दौरान इस तालाब के ओवर फ्लो से तालाब कि पाल सहित इसके परिक्षेत्र में काफी नुकसान हुआ। तालाब क्षतिग्रस्त होने के बाद से आज तक इसकी सुध नहीं ली गयी है। जबकि इसके सार सम्भाल कि आवश्यकता है वरना आगामी बारिश में इस तालाब को अधिक नुकसान की भी संभावना बनी हुई है जिसके कारण इसके आसपास रहने वाली आबादी में धनहानि के साथ जनहानि होने की भी आशंका बनी हुई है। अधिक वर्षा और जल भराव तीन दरवाजा पर रियासतकालीन मिट्टी की जो पाल बनी हुई थी वह टूट गई। भविष्य में अतिवृष्टि होने पर करौली शहर में जलभराव कि स्थिति न बने और नुकसान न हो इसके लिए कार्य योजना बनाकर तीन दरवाजे क्षेत्र में एनीकट निर्माण के साथ जल निकास मार्गो में स्थित नालों की सफाई की जरूरत है।

इसके अलावा करौली शहर वासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग एवं जन भावनाओं को देखकर करौली शहर की घनी आबादी स्थित पुराने चिकित्सालय भवन में संचालित चिकित्सालय को सेटेलाइट चिकित्सालय के रूप में क्रमोन्नत करने कि घोषणा पर अमल करने की भी मांग की गई है साथ ही सेटेलाइट चिकित्सालय के लिए पर्याप्त स्टाफ संसाधनों की दरकार है। इसके अलावा करौली शहर से होकर लालसोट से धौलपुर 11वी नेशनल हाईवे गुजर रहा है। इस कारण करौली शहर की घनी आबादी के बीचों बीच भारी वाहनों की आवाजाही रहती है।

प्रमुख तीर्थ स्थल कैलादेवी जाने वाले लाखों पदयात्री एवं दर्शनार्थी इसी सड़क से निकलते है अर्थात यात्री वाहनों सहित भारी वाहनों का संचालन बहुत अधिक है। इसलिए करौली शहर से दूर बायपास निर्माण की आवश्यकता है। बायपास बन जाने से कैलादेवी ,श्रीमहावीरजी ,मेहंदीपुर बालाजी जाने वाले यात्रियों को आवाजाही में सुविधा मिलेगी और करौली शहर वासियों को वाहनों कि अधिक आवाजाही से होने वाली परेशानी से निजात मिल सकेगी।

श्री कैलादेवी चैत्र नवरात्र पर्व - 2025

में पधारे सभी माँ कैलादेवी के भक्तों का श्री कैलादेवी मंदिर (करौली) ट्रस्ट की ओर से हार्दिक स्वागत

सुगमता से दर्शन व्यवस्था

- मंदिर ट्रस्ट द्वारा माननीय सोल ट्रस्टी महोदय की प्रेरणा से इस बार माँ भक्तों को श्री कैलादेवी जी के सुगमतापूर्वक दर्शन करवाने हेतु मंदिर प्रांगण में पूर्व से लगी हुई समस्त रेलिंग को हटाकर योजनाबद्ध तरीके से स्टेनलेस स्टील की नई रेलिंग्स लगवाई गईं है। जिनमें जगह-जगह आपातकालीन द्वार, विश्राम स्थल एवं जल सेवा पॉइंट बनाये गये है।
- दर्शनार्थियों को गर्मी से राहत दिलाने हेतु पंखे एवं कूलरों की उत्तम व्यवस्था की गई है एवं केवड़े के जल की फोगिंग की उत्तम व्यवस्था है।
- नवीन परिक्रमा स्थल का निर्माण एवं फर्श पर हीट प्रुफ पेंट किया गया है।
- माताओं के लिए स्तनपान केन्द्र बनाएं गये हैं।

प्रसाद उपलब्ध कराने की व्यवस्था

- माननीय सोल ट्रस्टी महोदय के निर्देशानुसार इस बार दर्शनार्थियों की सुविधा हेतु मंदिर ट्रस्ट की ओर से उचित दर पर उच्च गुणवत्ता का प्रसाद उपलब्ध कराने हेतु कुल 70 भोग - प्रसाद काउन्टर खोले गए है।
- ये काउन्टर बेरोजगार एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लोगों को निःशुल्क उपलब्ध करवाये गए है। जिन पर मंदिर ट्रस्ट की ओर से उपलब्ध करवाये गये 51, 101, 251 रू. के प्रसाद बैग दर्शनार्थियों को उपलब्ध है।
- प्रसाद पैकिंग केंद्र मंदिर ट्रस्ट द्वारा महिला स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे हैं केन्द्र में पूर्ण पूजन सामग्री की पैकिंग कर तैयार किया जाता है।

निःशुल्क वाहन व्यवस्था

- मंदिर ट्रस्ट द्वारा असहाय, दिव्यांग एवं वृद्धजनों के लिए रोडवेज बस स्टैण्ड से मंदिर भवन तक दर्शनों की व्यवस्था हेतु निःशुल्क वाहन उपलब्ध कराये गये हैं। इसके लिए अत्याधुनिक गोल्फ कार्ट की व्यवस्था की गयी है।
- ये गोल्फ कार्ट कैलादेवी आश्रम से मन्दिर तक वर्ष भर उपलब्ध रहेगा।

नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था

- श्री कैलादेवी जी के दर्शनार्थ आने वाले पदयात्रियों को अल्पाहार भोजन एवं पेयजल उपलब्ध करवाने हेतु मंदिर ट्रस्ट की ओर से ग्राम राजौर एवं ग्राम कल्याणी में दो विशाल भण्डारें स्थापित किये गये थे जिनमें पदयात्रियों को अल्पहार एवं भोजन के अलावा विश्राम एवं प्राथमिक चिकित्सा सेवा उपलब्ध करवाई गई।
- मन्दिर परिसर में "राजभोग प्रसादम्" कैण्टीन भी उपलब्ध है।

फायर हाइड्रेन्ट सिस्टम एवं सीसीटीवी/अनाउन्समेंट सिस्टम एवं कंट्रोल रूम

- फायर हाइड्रेन्ट सिस्टम किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति से निपटने के लिए विशेष तौर से लगाया गया है।
- सम्पूर्ण मेला अत्याधुनिक अनाउन्समेंट सिस्टम एवं दो कंट्रोल रूम से निगरानी में रहता है।
- श्री कैलादेवी जी के दर्शनार्थ आने वाले दर्शनार्थियों के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा कोई अप्रिय घटना कारित करने से बचाने के लिए मंदिर परिसर के साथ - साथ सम्पूर्ण क्षेत्र में उच्च क्वालिटी के 311 सी. सी.टी.वी. कैमरें लगायें गये है।

घाटों पर नहाने की व्यवस्था

- पवित्र कालीसिल नदी के घाटों पर नहाने की व्यवस्था :- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दर्शनार्थी माताजी के दर्शन करने से पूर्व पवित्र कालीसिल नदी में स्नान करना आवश्यक मानते है। इसलिए दर्शनार्थियों की सुविधा हेतु नदी के घाटों पर मंदिर ट्रस्ट की ओर से निश्चित दूरी पर जाल लगवाये गये है। घाटों पर महिला व पुरुषों के स्नान हेतु अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई है। घाटों पर प्रकाश एवं सफाई की उत्तम व्यवस्था की गई है। साथ ही दर्शनार्थियों के साथ नहाते समय कोई अप्रिय घटना से बचाने के लिए मंदिर ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक घाट पर पर्याप्त मात्रा में गोताखोर लगाये गये है । दर्शनार्थियों के नहाने के लिए पर्याप्त संख्या में नल लगवाये गये है। स्नान के उपरान्त पानी को फिल्टर प्लान्ट के माध्यम से शुद्ध कर नदी में छोड़ा जाता है। मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी सदैव इन व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहते है।

धर्मशालाएं

श्री कैलादेवी मन्दिर ट्रस्ट द्वारा संचालित — माँ कैलादेवी आश्रम 7877494256 — ₹990 — अमरकुञ्ज यात्री निवास 9588284953

- मन्दिर ट्रस्ट द्वारा यात्रियों को रहने हेतु निःशुल्क / उचित दर पर धर्मशालाएं 24 घण्टे उपलब्ध है। ये समस्त सुविधाओं से पूर्ण है।

चिकित्सा व्यवस्था

- मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्री कैलादवी के दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाता है। इस हेतु मंदिर ट्रस्ट द्वारा एक बडा चिकित्सालय बनवाया हुआ है जिसमें ऐलोपैथिक, हॉम्योपैथिक एवं आर्युर्वेदिक चिकित्सक अपने दक्ष स्टॉफ के साथ सदैव दर्शनार्थियों के स्वास्थ्य के परीक्षण एवं आवश्यक जाँच एवं एक्सरे आदि कर उन्हें दवाईया उपलब्ध करवाई जाती है।
- साथ ही गदका की चौकी पर एवं मंदिर परिसर में स्थित डिस्पेंसरी में भी चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित स्टॉफ द्वारा दर्शनार्थियों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध करवाई जाती है। दर्शनार्थियों को राजकीय अस्पताल कैलादेवी अथवा करौली भेजने हेतु मंदिर ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क 02 एम्बूलेन्स सदैव मंदिर परिसर में उपलब्ध रहती है।

शौचालय व्यवस्था

- मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कुल 500 महिला पुरूष शौचालय एवं मूत्रालय बनवाये गये है जिनमें बस स्टैण्ड पर 160 महिला-पुरूष शौचालय, भटटा तिराहा पर 70 महिला-पुरुष शौचालय, मंदिर परिसर में 50 महिला-पुरूष शौचालय, डोमशेड में 20 महिला - पुरूष शौचालय हैं।
- इसके अलावा बडी धर्मशाला के साथ-साथ अन्य सभी धर्मशालाओं में पर्याप्त महिला - पुरूष शौचालय एवं 05 सुलभ कॉम्प्लेक्स व चल शौचालय बनवाये हुये है।

शीतल जल की सेवाएं उपलब्ध

- 100 स्काउट एवं जल सेवकों द्वारा शीतल जल उपलब्ध कराया जाता है।
- माताजी के दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओ को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए मंदिर ट्रस्ट द्वारा कस्बे में कई स्थानों पर प्याऊ एवं 15 वाटर कूलर लगवाये गये है।
- इसके अलावा रेलिंग के सहारे चारों तरफ ड्रम एवं घड़े रखवाकर दर्शनार्थियों को पानी की समुचित व्यवस्था की जा रही है।

पॉलीथीन मुक्त परिसर

- परम आदरणीय सोल ट्रस्टी महोदय द्वारा पर्यावरण को पॉलीथीन मुक्त का संकल्प किया गया, जो सफल रहा और लगभग 10 टन पॉलीथीन का प्रयोग रोका गया। प्रसाद की पैकिंग भी कागज में की गयी है।

माननीय **कृष्णचन्द्र पाल जी** यदुकुल चन्द्र भूषण महाराजा करौली, सोल ट्रस्टी श्री कैलादेवी मंदिर ट्रस्ट

माननीय सोल ट्रस्टी महोदय द्वारा समय-समय पर दर्शनार्थियों को उक्त व्यवस्थाओं के अलावा अन्य आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु दिशा-निर्देश दिये जाते है। इनकी पालना मंदिर ट्रस्ट द्वारा तत्परता से की जा रही है।

भक्तों की राह सुगम और सुलभ करने के लिए मंदिर प्रशासन कटिबद्ध है।

नियन्त्रण कक्ष, दर्शन एवं भोग प्रसाद सम्बन्धी जानकारी के लिए स्कैन करें।

विवेक द्विवेदी - मुख्य परिचालन अधिकारी श्री कैलादेवी मंदिर ट्रस्ट

श्री कैलादेवी मंदिर (करौली) ट्रस्ट जिला करौली (राजस्थान)

https://www.kailadevitemple.com

डीडवाना से ज्वेलर्स का अपहरण, अपहृत ज्वेलर्स को डूंगरगढ़ से छुड़ाया

पुलिस ने बदमाशों की कार को टक्कर मारी, हड़बड़ाहट में ज्वेलर्स कार छोड़कर फरार हो गए

डीडवाना, (निसं)। ग्राम सुदरासन से गत रात को बदमाशों ने एक ज्वेलर्स का अपहरण कर लिया, जिसे पुलिस ने मात्र सात घंटे में ही सकुशल बचा लिया। इसके लिए पुलिस ने आधी रात को अपहरणकर्ताओं का पीछा किया और डीडवाना सहित आसपास के जिलों में नाकाबंदी करवाई, आखिरकार बीकानेर जिले के डूंगरगढ़ में पुलिस ने बदमाशों को ट्रेस कर लिया, लेकिन पुलिस को देखकर बदमाश ज्वेलर्स को छोड़कर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार मौलासर थाना क्षेत्र के सुदरासन गांव निवासी रजत सोनी नामक ज्वेलर्स गत रात को आठ बजे अपनी दुकान बंद कर घर जा रहा था। इसी दौरान अचानक एक कार में तीन बदमाश आए और युवक को जबरन कार में डालकर अपहरण कर अपने साथ ले गए। कुछ लोगों ने इस घटना को देख लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तुरंत हरकत में आई और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु शर्मा, वृत्ताधिकारी धरम पूनिया तथा मौलासर थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साथ ही डीडवाना सहित आसपास के जिलों में तुरंत नाकाबंदी करवाई। इसके अलावा पीड़ित ज्वेलर्स और बदमाशों की मोबाइल लोकेशन भी ट्रेस करवाई गई। इसी दौरान बदमाशों ने पीड़ित के पिता को फोन कर 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी।

पुलिस ने पीड़ित ज्वेलर्स रजत सोनी (बीच में) को बदमाशों के चंगुल से छुड़वाया।

- कार सवार पांच बदमाशों ने दस लाख रुपये की फिरौती के लिए ज्वेलर्स का अपहरण किया था
- पुलिस ने पीड़ित ज्वेलर्स और बदमाशों की मोबाइल लोकेशन ट्रेस करवाकर कार्रवाई की

इसी दौरान पुलिस को आरोपियों की लोकेशन बीकानेर जिले के डूंगरगढ़ के आस-पास मिली, जिस पर पुलिस ने तुरंत बदमाशों का पीछा किया साथ ही डूंगरगढ़ पुलिस को भी सूचित किया। इस दौरान डूंगरगढ़ पुलिस ने नाकाबंदी कर एक कार को रुकवाया। इस कार में अपहरणकर्ता और पीड़ित ज्वेलर्स मौजूद थे, लेकिन पुलिस को देखकर अपहरणकर्ताओं ने भागने की कोशिश की तो पुलिसकर्मियों ने अपहरणकर्ताओं की गाड़ी को टक्कर मारकर रुकवाने का प्रयास किया। इससे अपहरणकर्ताओं की कार के शीशे टूट गए वे हड़बड़ाहट में पीड़ित ज्वेलर्स और कार को छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने पीड़ित रजत सोनी को दस्तयाब कर लिया।

इस मामले में पुलिस की जांच में सामने आया है कि बदमाशों ने सोने-चांदी के आभूषणों की लूट के इरादे से ज्वेलर्स का अपहरण किया था। ज्वेलर्स का अपहरण करने वाले पांच आरोपी थे, जिनमें विजयपाल सिंह नामक आरोपी सुदरासन गांव का ही निवासी है, जबकि ओम, युवराज सिंह तथा दो अन्य बदमाश भी इस घटना में शामिल थे। अब पुलिस इन सभी बदमाशों को तलाशने में जुटी है।

हरियाणा पुलिस ने आरजिया गांव से सायबर ठग को पकड़ा

हरियाणा के बहादुरगढ़ निवासी युवक से ऑनलाइन टास्क के नाम पर करीब 21 लाख की ठगी हो गई थी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में हरियाणा पुलिस ने आरजिया गांव दबिश देकर 21 लाख रुपए के सायबर ठग को पकड़ा है। आरोपी मूलतः गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के बड़ला गांव का ललित पुत्र सुरेश मेवाड़ा है। इससे पहले मांडल पुलिस ने भी निजी कंपनी के परिसर में घुसकर मारपीट करने, आगजनी, तोड़फोड़ के मामले में नामजद होने पर इसे गिरफ्तार कर चुकी है। हाल ही में मांडल थाना क्षेत्र में रह रहा था। आरोपी को पकड़ने के लिए हरियाणा पुलिस दो बार आ चुकी थी। मामले में कार्रवाई की जानकारी देने से मांडल थाना पुलिस भी बचती रही।

जानकारी के अनुसार हरियाणा के बहादुरगढ़ पालिका कॉलोनी निवासी जितेंद्र से ऑनलाइन टास्क के नाम पर करीब 21 लाख रुपए की ठगी हो गई थी। जितेंद्र प्राइवेट कंपनी में काम करता है। 3 अप्रैल 2023 को उसके व्हाट्सएप पर मैसेज आया कहा गया कि यूट्यूब वीडियो को लाइक करने पर 50 मिलेंगे। प्रिपेयर टास्क पर अलग-अलग कमीशन मिलेगा। इसके बाद से टेलीग्राम लिंक भेजी। जितेंद्र को अलग-अलग बैंक खाते से पैसे ट्रांसफर करने को कहा। जितेंद्र ने सभी पैसे अपने इनसाइड बैंक से भेज दिए। सायबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच के बाद आरोपी ललित मेवाड़ा को गिरफ्तार किया। हरियाणा पुलिस ने सायबर ठग ललित मेवाड़ा को मांडल थाना पुलिस की मदद से पकड़ा।

आरोपी सायबर ठग।

- आरोपी को पकड़ने के लिए हरियाणा पुलिस दो बार आ चुकी थी, लेकिन वह हर बार फरार हो जाता था

हरियाणा पुलिस ने थाने में नियम अनुसार आमद भी कराई। इसके बावजूद स्थानीय थाना पुलिस जानकारी देने को टालते रहे। आरोपी को पकड़ने के लिए पहले दो बार हरियाणा पुलिस आ चुकी है। पुलिस के आने की भनक लगते ही आरोपी हर बार फरार हो जाता था। वहीं आरोपी ललित मेवाड़ा के कई फोटो सोशल मीडिया पर बड़े-बड़े नेताओं एवं उनके रिश्तेदारों के साथ हैं।

खाली प्लॉट में भरे पानी में डूबने से बालक की मौत

प्लॉट में करीब 20 फीट की गहराई तक पानी भरा हुआ था, बालक को बाहर निकाल सीपीआर भी दिया गया

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना इलाके में खेलते-खेलते एक दस वर्षीय बालक खाली पड़े प्लॉट में भरे पानी में डूब गया और पानी में डूबने से बालक की मौत हो गई। घटना से पहले बालक अपनी चचेरी बहन के साथ खेलते-खेलते प्लॉट की टूटी हुई दीवार के पास पहुंचा और प्लॉट में भरे पानी में गिर गया।

- बालक अपनी चचेरी बहन के साथ खेलते-खेलते प्लॉट की टूटी हुई दीवार के पास पहुंचा और प्लॉट में भरे पानी में गिर गया

वहीं सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मौके पर नगर निगम की गौताखोर टीम को बुलाया गया। सूचना पाकर नगर निगम की गोताखोर टीम मौके पर पहुंची और बालक को बाहर निकालकर उपचार के लिये कोटा के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां बालक की मौत हो गई। नगर निगम गौताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि कंट्रोल रूम से डकनिया स्टेशन रोड़ पर एक खाली पड़े भूंखड में भरे पानी में बालक के डूबने की सूचना मिली थी। सूचना पाकर टीम लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्लॉट में करीब 20 फीट की गहराई तक पानी भरा हुआ था, बालक को बाहर निकाल कर मौके पर सीपीआर भी दिया गया और उपचार के लिये अस्पताल रवाना करा दिया।

विज्ञान नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि इन्द्रा कॉलोनी निवासी तामिल हुसैन (10) अपनी चचेरी बहन के साथ खेल रहा था और खेलते-खेलते डकनिया रोड़ पर एक खाली पड़े प्लॉट के पास पहुंचा जिसकी बाउंड्रीवॉल टूटी हुई थी। दोनों भाई-बहन दीवार के पास खड़े थे। इसी दौरान तामिल खाली पड़े प्लॉट में भरे पानी में गिर गया और पानी में गहराई होने से बालक डूब गया। बालक को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक बालक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है मृतक बालक के परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में दादा-दादी और पोते की मौत

कोटा, (निसं)। गोपालपुरा माताजी के दर्शन करके बाइक से कोटा आ रहे एक दंपती और उनके पोते की मंडाना थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-52 पर बाइक अनियंत्रित होकर फिसलने से सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना में दंपती ने तो मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं हादसे में गंभीर घायल पोते की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

मंडाना थानाधिकारी अजय शर्मा ने बताया कि महावीर नगर निवासी ओमप्रकाश (65) अपनी पत्नी बेबी (60) और पोता युग (10) के साथ बाइक से कोटा से गोपालपुरा माताजी के दर्शन करने के लिये गया था और वापस कोटा लौटते समय ब्रेकर से बचने के लिये बाइक को सड़क से नीचे उतारा और वापस हाइवे पर लेते समय बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में तीनों बाइक से गिर गये और सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गये। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में घायल तीनों को मण्डाना के सामुदायिक केन्द्र लाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के बाद ओमप्रकाश और उसकी पत्नी बेबी को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल पोते को उपचार के लिये कोटा के मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिये रैफर किया, जहां उसकी मौत हो गई।

हथियार सहित एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने आमजन को हथियार दिखाकर धमकाने के मामले में बदमाश को गिरफ्तार किया है। गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलिपसिंह झाला के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबिर से ट्रांसपोट नगर में आमजन को धमकाने की सूचना मिली। इस पर पुलिस दल ने मौके पर पहुंचकर आरोपी गोविन्द मीणा पुत्र कालुलाल मीणा निवासी कृष्णा कॉलोनी लालमगरी सविना को अवैध हथियार छूरी सहित गिरफ्तार किया।

नगर निगम का स्वास्थ्य निरीक्षक व जमादार रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की स्पेशल यूनिट ने नगर निगम के स्वास्थ्य प्रभारी (निरीक्षक) एवं रिश्वत देने के लिए परिवादी को प्रेरित करने वाले जमादार को पीड़ित से आठ हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की स्पेशल यूनिट उदयपुर को एक अप्रेल को एक शिकायत मिली, जिसमें परिवादी नगर निगम उदयपुर में सफाईकर्मी है और वर्ष 2024 में जून महिने में परिवादी का एक्सीडेंट हो जाने से हाथ में चोट लग जाने से फावड़े से नाली सफाई का काम करने में परेशानी होने से सहुलियत वाले काम के लिए जमादार से गुजारिश की थी। इस पर जमादार अनिल ने परिवादी को स्वास्थ्य प्रभारी कमलेश से मिलवाया तो परिवादी को दो महिने तक फावड़े से नाली सफाई के काम पर नहीं लगाकर परिवादी को निगरानी के लिए काम पर लगाकर सहूलियत दी गई, जिसके एवज में आरोपी कमलेश ने परिवादी से प्रत्येक माह के 10 हजार रूपये के हिसाब से दो माह के 20 हजार रूपये की मांग कर परेशान कर रहा था, जिस पर एसीबी रेंज उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में एसीबी स्पेशल यूनिट उदयपुर के प्रभारी अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव जोशी के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षण लक्ष्मण लाल डांगी मय टीम ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी कमलेश चनाल हॉल स्वास्थ्य प्रभारी सेक्टर नौ कार्यालय स्वास्थ्य निरीक्षक सेक्टर 11 गोवर्धन विलास नगर निगम को परिवादी से आठ हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों एवं परिवादी को रिश्वत देने के लिए दुष्प्रेरित करने वाले आरोपी जमादार वार्ड नं. 17 नगर निगम उदयपुर अनिल को गिरफ्तार किया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

- पीड़ित से 20 हजार की रिश्वत मांगी, आठ हजार रूपये लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया

एसीबी ने रिश्वत लेने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जमीन की धोखे से रजिस्ट्री कराई

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपी व साथियों के खिलाफ पीड़ित से उसकी जमीन की धोखे से रजिस्ट्री करवाने का प्रकरण दर्ज किया। वहीं अन्य मामले में जमीन बेचने का झांसा देकर नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया।

पीड़ित बसंत कुंवर पत्नी किशनसिंह राठौड़ निवासी बेडवास ने प्रतापसिंह सांखला पुत्र भेरूसिंह निवासी बेडवास तथा साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 4 से 27 फरवरी के बीच आरोपी मुझे बहला फुसला कर अपने साथ ले गया। जहां मेरी जमीन के पन्द्रह लाख रूपये में बेचने का इकरार करवा रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली। इसका पता चलने पर एतजराज किया तो आरोपी ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देकर टालमटोल करना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इसी तरह अन्य मामले में प्रतापनगर थाना पुलिस ने पीड़ित बसंत बिहार हिरणमगरी सेक्टर 5 की रिपोर्ट पर आरोपी उदयलाल पुत्र लोगर गमेती निवासी लसड़िया खेड़ा प्रतापगर के खिलाफ जमीन बेचने का झांसा देकर 98 हजार रूपये वसूल कर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया।

सीताराम जाट को माध्यमिक शिक्षा निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की जिम्मेदारी प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक को सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी के छुट्टी पर होने के कारण प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

- बताया जा रहा है कि माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी के छुट्टी पर होने के कारण जिम्मेदारी सौंपी है

मोदी के अवकाश से लौटने पर फिर से वो ही काम करेंगे। पिछले दो दिन से मोदी काम पर नहीं हैं, ऐसे में गुरुवार शाम को प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट को उनकी फाइलों पर हस्ताक्षर करने के आदेश उच्चाधिकारियों ने दिए। राज्यभर में प्रिंसिपल की पदोन्नति के लिए काउंसलिंग शुक्रवार से शुरू हुई। इस काउंसलिंग के स्कूल्स के नाम जारी करने के लिए भी निदेशक आशीष मोदी के पास फाइल थी, जिस पर हस्ताक्षर शाम तक नहीं हुए। बाद में ई-फाइल प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट को भेजी गई, जहां से हस्ताक्षर के बाद शुक्रवार को काउंसलिंग शुरू हो सकी। शिक्षा निदेशालय में प्रशासनिक अधिकारियों के ट्रांसफर, पोस्टिंग की फाइलों पर भी प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक ने ही माध्यमिक शिक्षा निदेशक के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। माना जा रहा है कि मोदी के वापस लौटने तक माध्यमिक शिक्षा का जिम्मा सीताराम जाट के पास ही रहेगा और छुट्टी से लौटने के बाद मोदी को वापस दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि तबीयत खराब होने के चलते मोदी छुट्टी पर गए हैं।

वन माफिया के स्टॉक से 50 क्विंटल खैर की अवैध लकड़ी बरामद

साईं पीपला गांव की सरकारी भूमि पर खैर की लकड़ी का स्टॉक लगा रखा था

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ वन विभाग की टीम ने वन माफिया पर बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर करीब दो लाख कीमत की अवैध खैर की लकड़ी के स्टॉक को जब्त किया है। बताया जा रहा है कि बूंदी जिले के वन क्षेत्र से वन माफिया ने खैर के बड़े-बड़े पेड़ों को कटवाकर कार्रवाई से बचने के लिए भीलवाड़ा जिले के साईं पिपला गांव की सीमा में स्टॉक लगा रखा था। वन विभाग की टीम ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर वन माफिया की तलाश में जुटी है।

मांडलगढ़ के रेंजर मनेंद्रपाल सिंह ने बताया कि डीएफओ गौरव गर्ग, एसीएफ पायल माथुर द्वारा वन माफिया और वन क्षेत्र में अवैध गतिविधि के खिलाफ अभियान चला रखा है। इसी अभियान के तहत वन विभाग की टीम में शामिल श्यामपुरा नाका, फोरेस्टर रंजीत बलाई, भैरूलाल मीणा सहायक वनपाल, रविन्द्र सिंह वनपाल मांडलगढ़, रामगोपाल धाकड़ गेनोली नाका को गश्त के दौरान सूचना मिली कि साईं पीपला गांव के पास सुनसान जगह में लकड़ी का भंडारण किया हुआ है। टीम ने मौके पर मंगठला पंचायत के साईं पीपला गांव में पहुंचकर करीब 50 क्विंटल अवैध खैर की लकड़ी के स्टॉक को जब्त किया है। मौके पर कोई मौजूद नहीं मिला। इलाके के पटवारी को बुलाकर भूमि सरकारी बिलानाम होने की तस्दीक कराई गई और ग्रामीणों की मौजूदगी में अवैध लकड़ी को जब्त कर 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर गेनोली नाके पर लाकर रखवाया गया। बताया जा रहा है कि निकटवर्ती बूंदी जिले के वन माफिया जंगल से खैर की लकड़ी कटवाकर भीलवाड़ा जिले की सीमा में स्टॉक करते हैं और यहां से खैर की लकड़ी को तस्करी कर अन्य राज्यों में मोटी कीमत पर बेचा जाता है। मांडलगढ़ वन विभाग रेंजर ने बताया कि वन माफिया की तह तक जाने के लिए टीम द्वारा जानकारी जुटाई जा रही है।

मांडलगढ़ वन विभाग की टीम ने 50 क्विंटल खैर की लकड़ी जब्त की।

- बताया जा रहा है कि निकटवर्ती बूंदी जिले के वन माफिया जंगल से खैर की लकड़ी कटवाकर भीलवाड़ा जिले की सीमा में स्टॉक करते हैं

राजस्थान सरकार का उपक्रम

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

औद्योगिक विकास के खुल रहे नये द्वार आप भी बनें भागीदार

सरल ई-नीलामी के माध्यम से

आधारभूत सुविधाओं युक्त औद्योगिक क्षेत्रों में करें उद्यम की स्थापना

कुल औद्योगिक भूखण्ड 533 | कुल औद्योगिक क्षेत्र 79

उपरोक्त औद्योगिक क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 लागू नहीं है

ईएमडी: प्रारम्भ तिथि: 07 अप्रैल, 2025 (प्रातः 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 21 अप्रैल, 2025 (सायं 06:00 बजे)
ऑनलाईन बिड: प्रारम्भ तिथि: 22 अप्रैल, 2025 (प्रातः 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 24 अप्रैल, 2025 (सायं 05:00 बजे)

54	आबू रोड़	02	जयपुर (उत्तर)
30	अजमेर	08	जयपुर (दक्षिण)
07	अलवर	01	जयपुर (ग्रामीण)
08	भिवाड़ी-I	28	ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर
33	भिवाड़ी-II	01	जोधपुर
26	बोरानाडा	36	किशनगढ़
01	दौसा	01	मंडोर
08	घिलोठ	02	नीमराना

ईएमडी: प्रारम्भ तिथि: 07 अप्रैल, 2025 (प्रातः 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 22 अप्रैल, 2025 (सायं 06:00 बजे)
ऑनलाईन बिड: प्रारम्भ तिथि: 23 अप्रैल, 2025 (प्रातः 10:00 बजे) अंतिम तिथि: 25 अप्रैल, 2025 (सायं 05:00 बजे)

03	बालोतरा	02	जालोर
37	झालावाड़	22	राजसमंद
23	भरतपुर	05	झुंझुनू
24	भीलवाड़ा	31	कोटा
17	बीकानेर	01	सीकर
02	चूरू	02	श्रीगंगानगर
44	नागौर	18	उदयपुर
50	पाली	06	सवाई माधोपुर

25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किस्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान या रीको की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

सामान्य प्रश्नों के लिए स्कैन करें

राज.संवाद/सी/24/306

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005
ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएपः +91 9001306515, ई-मेल: riico@riico.co.in

आवंटन से सम्बंधित नियमों एवं शर्तें, ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें https://riico. rajasthan.gov.in या http://www.riico.co.in

जेडीए का फर्जी पट्टा बनाकर चार करोड़ रुपये में प्लॉट बेचने वाली गैंग पुलिस के हत्थे चढी

गैंग के मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

श्याम नगर थाना पुलिस ने जयपुर विकास प्राधिकरण का फर्जी पट्टा बनाकर बेचने करने वाली गैंग के तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

जयपुर। श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक प्लाट का जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) का फर्जी पट्टा और मुख्तयारनामा बनाकर चार करोड़ रुपये में बेचने करने वाली गैंग के मुख्य आरोपित सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि श्याम नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए की प्लाट का जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) का फर्जी पट्टा और मुख्तयारनामा बनाकर बेचने करने वाली गैंग के मुख्य अंशुल खन्ना (35) निवासी वैशाली नगर जयपुर, रिषभ देव शर्मा (35) निवासी हिण्डोन सिटी जिला करौली और राकेश कुमार सैनी (27) निवासी बास दयाल जिला अलवर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में अंशुल खन्ना से सामने आया है कि उसे और उसके साथी विनय जांगिड़ तथा चेतन शर्मा को रुपयों की आवश्यकता थी। जिन्होंने चेतन के जानकार अविनाश शर्मा से जून 2024 मे 38 लाख रुपये उधार लिये थे। जिसके बदले में उसने अपना 56 लाख का चौक भरकर गिरवी रखा था। रुपये उसके खाते में ऑनलाइन आये थे। जिसमें से 18 लाख रुपये चेतन शर्मा एवं 10 लाख रुपये विनय जांगिड़ को ट्रांसफर कर दिये। लेकिन अविनाश शर्मा ने एक माह बाद ही रुपये मांग लिये। लेकिन रुपये की व्यवस्था नहीं हो पायी। इस वजह से गैंग के अन्य सदस्यों को शामिल कर रुपये ठगने की योजना बनायी।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ने बताया कि सितम्बर-2024 में गोविन्द नारायण परतानी ने श्याम नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उन्होंने अपनी पत्नी श्यामा देवी के नाम से साल-1981 में एक प्लॉट विवेक विहार में खरीदा था। साल-2021 में जेडीए का शिविर लगने पर लीज रकम जमा करवाकर पत्नी के नाम जेडीए पट्टा ले लिया था। प्लॉट की बाउंड्री वॉल बनाकर गेट व ताला लगाकर स्वामित्व में ले रखा है। रिश्तेदार ने कॉल कर बताया कि उनके प्लॉट के फेक पेपर मार्केट में आए हैं। इसमें उनकी पत्नी की जगह श्यामा परतानी नाम से आदमी का रजिस्टर्ड पट्टा, साइट प्लान व मुख्तारनामा आदि भी है। उसके साथ मिले मोबाइल नंबर पर कॉल करने वाला खुद का नाम विक्रम सिंह बता रहा है। प्लॉट बेचने वाले के संबंध में पूछने पर प्रॉपर्टी डीलर का पता नहीं बताया। जांच में सामने आया है कि विवेक विहार का मुख्तारनामा पंजीयन ऑफिस-5 में रजिस्टर्ड ही नहीं है। प्लॉट का ओरिजिनल पट्टे से बनाए गए फेक पट्टे में महिला की जगह आदमी की फोटो लगाई गई है। फेक मुख्तारनामा धारक अंशुल खन्ना और गवाह राकेश कुमार सैनी व रिषभ शर्मा है। पुलिस टीम ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी दलबीर सिंह ने बताया कि पूछताछ में अंशुल खन्ना से सामने आया है कि उन्होंने जेडीए की वेबसाइट से प्लॉट के मालिक के बारे में डिटेल ली। एडिटिंग टूल्स का यूज कर फेक मुख्तारनामा व चालान रसीद तैयार की। उस पर उप पंजीयक-5 जयपुर की फेक सील-मोहर लगाकर तैयार कर ली। ओरिजिनल ऑनर श्यामा परतानी के आधार कार्ड में एडिटिंग कर महिला की जगह पुरुष की फोटो लगा दी। महिला की जगह पुरुष और पति की जगह पुत्र कर दिया। प्लान के तहत सीए दोस्त चेतन शर्मा को प्लॉट बेचने के लिए खरीदार लाने की जिम्मेदारी दी। चेतन शर्मा ने अपने जानकार नरेश कुमार गुप्ता को प्लॉट व डॉक्यूमेंट दिखाए। डील फाइनल होने पर नरेश कुमार गुप्ता से एग्रीमेंट कर कुल 75 लाख रुपए ले लिए, लेकिन उसको रजिस्ट्री नहीं करवाई। वहीं राकेश सैनी जिस सेठ के पास काम करता है, वह बहुत पैसे वाला है। उसको प्लॉट दिखाने पर वह नरेश कुमार से ज्यादा रुपयों में खरीदने को राजी हो गया। प्लॉट का सौदा सेठ जानकी शरण से 3.20 करोड़ में कर बेचान कर दिया। उनकी बहू सपना के नाम उपपंजीयक ऑफिस 10 जयपुर में रजिस्ट्री करवा दी। उनसे मिले रुपयों को गैंग के सदस्यों ने आपस में बांट ली।

■ पूछताछ में सामने आया कि उन्होंने जेडीए की वेबसाइट से प्लॉट के मालिक के बारे में डिटेल ली। एडिटिंग टूल्स का यूज कर फेक मुख्तारनामा व चालान रसीद तैयार की। उस पर उप पंजीयक-5 जयपुर की फेक सील-मोहर लगाकर तैयार कर ली। ओरिजिनल ऑनर श्यामा परतानी के आधार कार्ड में एडिटिंग कर महिला की जगह पुरुष की फोटो लगा दी। महिला की जगह पुरुष और पति की जगह पुत्र कर दिया।

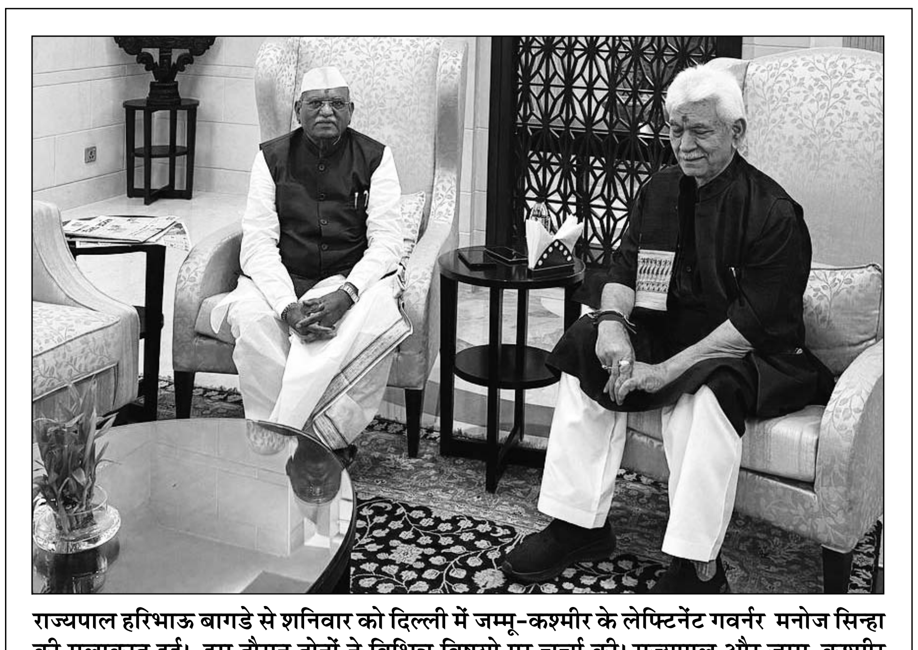

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शनिवार को दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा की मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल और जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर की यह शिष्टाचार भेंट थी।

केंद्र और राज्य श्रमिक हितों के लिए चला रहे कई योजनाएं : दिया कुमारी

■ विश्वकर्मा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी बने नव परिवर्तन का आधार

जयपुर। विश्वकर्मा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के नवनिर्मित भवन के प्रथम तल का लोकार्पण और नव गठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की उपस्तिथ में संपन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने नव गठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन द्वारा सामाजिक सरोकार के कार्य भी किये जा रहे है। एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी नव परिवर्तन का आधार बने।

इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत करते हुए उन्होंने मानव कल्याण के कार्य में अपना अमूल्य योगदान देने वाले रक्तदाताओं का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद को जीवनदान दे सकता है। रक्त की एक-एक बूंद किसी को दी गई एक-एक सांस के समान है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्याधर नगर में बड़ी संख्या में श्रमिक रहते हैं और बड़ी संख्या में लोग ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से भी जुडे हुए है, ऐसे में आपके द्वारा स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करना और श्रमिक व सदस्यों के हितों के लिए कार्य करना अनुकरणीय है। आपका यह भवन सदस्यों के जन हितार्थ उपयोगी सिद्ध होगा।

उपमुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि केंद्र और राज्य सरकार भी श्रमिक हितों और कौशल विकास के लिए कई योजनाएं चला रही है, आप एसोसिएशन के माध्यम से उनके प्रति जागरूकता लाकर अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनावों के समय मैंने यहां कई समस्याएं देखी और कई समस्याओं से मुझे अवगत कराया गया। मैं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र को विकसित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। यदि आपके सामने भी ऐसी कोई समस्या आएं तो आप मुझे बताएं मैं उसके समाधान का हर सम्भव प्रयास करूंगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश की संपन्न अर्थव्यवस्था राजमार्गों पर निर्भर करती है, इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार ने राजमार्गों और सड़क नेटवर्क को विकसित करने के लिए कई परियोजनाएँ शुरू कीं हैं। जिससे बेहतर कनेक्टिविटी बनी हैं, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों और दूरदराज के स्थानों में। इससे उद्योग, ट्रांसपोर्टर्स और आमजन को फायदा हुआ हैं।

चेटीचंड के अवकाश के दिन क्रिकेट मैच लीग के आयोजन का मामला गर्माया

■ भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के जयपुर चैप्टर द्वारा गत 30 मार्च को किया गया था लीग का आयोजन

■ बताया जा रहा है कि सिंधी समाज के सदस्य ने चेटीचंड के दिन यह मैच रखने पर आपत्ति दर्ज करवायी थी, परंतु समिति ने उसे नजरअंदाज कर दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आई.सी.एस.आई.) के जयपुर चैप्टर की कार्यकारी समिति द्वारा गत 30 मार्च को क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन करने का विरोध गर्मा गया है। बताया जा रहा है कि इस दिन चेटीचंड अवकाश था और इस संदर्भ में समिति के चेयरमैन विवेक शर्मा व सचिव वरूण मेहरा को 2 बार सिंधी समाज के एक सदस्य ने पत्र लिखकर आपत्ति भी दर्ज करवायी थी। इसके बावजूद ना तो उन्होंने सिंधी समाज की धार्मिक आस्था का ख्याल रखते हुए मैच की तारीख बदली और ना ही आपत्ति दर्ज करवाने वाले सदस्य को कोई पत्र का जवाब दिया।

इस मामले में जब विवेक शर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि जयपुर चैप्टर में 2500 सदस्य है, हमें शिकायती पत्र मैच आयोजन के ठीक 2-3 दिन पहले मिला था, ऐसे में आखिरी वक्त पर मैच रद्द करना संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि क्रिकेट मैच का यह शेड्यूल हमने केन्द्रीय समिति से अप्रूव्ड भी करवाया था। उनका कहना है कि क्रिकेट मैच का आयोजन गैर अकादमिक श्रेणी में आता है, उन्हें प्रत्येक सत्र में ऐसा एक आयोजन करना ही होता है। ऐसे में क्रिकेट मैच रद्द करने अथवा उसकी तारीख बदलने का कोई विकल्प नहीं था। इस मैच में मात्र 42 सदस्य ही हिस्सा ले सकते थे और सिंधी समाज से भी सदस्य आमंत्रित थे और उनमें से कुछ लोगों ने हिस्सा भी लिया था। सिंधी समाज के जिस सदस्य ने शिकायत दी है, वे खुद पिछले वर्ष चेटीचंड के दिन नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एन.सी.एल.टी.) में अपने मुवक्किल की पैरवी के लिए पेश हुए थे। हालांकि शिकायतकर्ता का कहना है कि, यह आरोप मिथ्या है, चेटीचंड के दिन अवकाश रहता है, मैं पिछले वर्ष एन.सी.एल.टी. में पैरवी के लिए नहीं गया था।

दरअसल यह मामला अब इसलिए गर्माया है, क्योंकि आई.सी.एस.आई. के जयपुर चैप्टर द्वारा पूर्व में भी 2 बार चेटीचंड के दिन इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिसके खिलाफ शिकायतें दर्ज करवायी जा चुकी है। वर्ष 2015 में चेटीचंड के दिन तत्कालीन समिति अध्यक्ष द्वारा "प्रोफेशनल डवलपमेंट प्रोग्राम" आयोजित किया गया था, जिसकी भी शिकायत दर्ज हुई थी। इसके बाद वर्ष 2017 में भी ऐसा ही एक कार्यक्रम रखा गया था, परंतु उसके बाद तत्कालीन सचिव राहुल शर्मा ने आदेश दिए थे कि, जिसमें सभी त्यौंहारों पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने पर रोक लगायी थी। वर्ष 2019 से 2023 तक चेयरमैन रह चुके राहुल शर्मा से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि, मेरे कार्यकाल में ऐसी किसी घटना की पुनर्रावृति नहीं हुई। पिछले दिनों हुए मैच के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है।

इस प्रकरण में आई.सी.एस.आई. जयपुर चैप्टर के समिति सदस्य वैभव तेजवानी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि, इस क्रिकेट मैच की जानकारी मुझे भी समय से नहीं दी गई थी और यह भी नहीं बताया गया था कि चेटीचंड के दिन इस तरह का आयोजन किये जाने को लेकर किसी सदस्य ने आपत्ति दर्ज करवायी है। उन्होंने कहा कि नियम कायदों की जानकारी देने और शिकायतों का जवाब देने के लिए कोषाध्यक्ष व कार्यकारी अधिकारी मक्खनलाल रैगर जिम्मेदार है, उन्होंने इस बारे में कोई जानकारी समिति के समक्ष नहीं रखी। बताया जा रहा है कि क्रिकेट मैच लीग का कार्यक्रम पूर्व में 16 मार्च को आयोजित होना था, परंतु होली के त्यौंहार व अन्य किसी कार्यक्रम के कारण यह तारीख बदलकर पहले तो 23 मार्च और बाद में 30 मार्च तय की गई। कई सदस्यों का कहना है कि इस प्रकरण को लेकर केन्द्रीय समिति को शिकायती पत्र लिखेंगे।

'वक्फ संशोधन बिल मुस्लिम बहनों के सम्मान को बढ़ावा देने वाला'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल मुस्लिम बहनों के सम्मान को बढ़ाने वाला बिल है। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुस्लिम बहनों और गरीब मुसलमान लोगों के सम्मान, कल्याण के लिए कार्य कर रहे है तो ऐसे में किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इस बिल के बाद भी वक्फ की संपत्तियों से कोई छेड़छाड़ नहीं किया जाएगा। विपक्ष इस बिल को लेकर लोगों को गुमराह कर रहे है लेकिन अब मुस्लिम वर्ग अब कांग्रेस के बहकावे में आने वाला नहीं है। राठौड़ ने कहा कि इस बिल के बाद वक्फ प्रबंधन टीम में मुस्लिम बहनों को शामिल किया जाएगा किया है। इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

'सीजीएसटी अपीलीय प्राधिकारी के यहां वीसी से सुनवाई क्यों नहीं'

■ हाईकोर्ट ने करदाताओं की ओर से कई बार आवेदन करने के बाद भी उन्हें वर्चुअल हियरिंग की सुविधा नहीं देने को गंभीर माना है

जयपुर। हाईकोर्ट ने करदाताओं की ओर से कई बार आवेदन करने के बाद भी उन्हें सीजीएसटी अपीलीय प्राधिकारी की ओर से वर्चुअल हियरिंग की सुविधा नहीं देने को गंभीर माना है। अदालत ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई है तो फिर अपीलीय प्राधिकारी द्वारा करदाताओं को वर्चुअल सुनवाई उपलब्ध नहीं करवाने का ऐसा कोई उचित कारण नहीं है। अदालत ने कहा कि करदाताओं को यदि बुनियादी ढांचे के अभाव में वर्चुअल सुनवाई की सुविधा नहीं मिल पा रही है तो केन्द्र सरकार को अपनी बुनियादी ढांचे को विकसित किया जाना चाहिए और करदाताओं को यह सुविधा दी जानी चाहिए। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह निर्देश मैसर्स डीआर एन्टरप्राइजेज की याचिका पर दिया।

मामले से जुडे अधिवक्ता रवि गुप्ता ने बताया कि खंडपीठ ने प्रार्थी फर्म को भी राहत देते हुए 37.50 लाख रुपए की डिमांड के मामले में आगामी सुनवाई तक दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने के लिए कहा है। खंडपीठ ने संयुक्त आयुक्त, अपील्स, सीजीएसटी जयपुर को कहा है कि वे शपथ पत्र पेश कर बताए कि उन्होंने प्रार्थी को वर्चुअल हियरिंग की सुविधा क्यों नहीं दी। वहीं अदालत ने याचिका की कॉपी एएसजी ऑफिस को भिजवाते हुए उनसे पूछा है कि वे केन्द्र सरकार से निर्देश प्राप्त कर बताए कि प्रार्थी फर्म को वर्चुअल हियरिंग से मना क्यों किया गया। दरअसल सीजीएसटी ने याचिकाकर्ता फर्म की 37.50 लाख रुपए की डिमांड निकाली थी।

बेहतर जीवन स्तर से समृद्ध होंगे सीमावर्ती गांव : भजनलाल शर्मा

■ मुख्यमंत्री ने "वाइब्रेंट विलेज्स कार्यक्रम" के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी प्रदान किए गए "वाइब्रेंट विलेज्स कार्यक्रम" को सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों के समग्र विकास की दिशा में सशक्त पहल बताया है। उन्होंने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित गांवों में बुनियादी ढांचे के विकास एवं नागरिकों के जीवन स्तर को अधिक बेहतर बनाने में परिवर्तनकारी सिद्ध होगा। उल्लेखनीय है कि वाइब्रेंट विलेज्स कार्यक्रम द्वितीय के अन्तर्गत राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर (यूटी), लद्दाख (यूटी), मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के गांवों को शामिल किया जाएगा।

देवनानी कल गोवा जाएंगे

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सोमवार को गोवा जायेंगे। देवनानी 7 व 8 अप्रैल को दो दिवस की गोवा यात्रा पर जयपुर से सोमवार को प्रातः 8 बजे वायुयान से रवाना होकर नार्थ गोवा पहुंचेंगे। देवनानी दो दिवस की गोवा यात्रा के दौरान वहां आयोजित राजस्थान स्थापना दिवस समारोह, भारत सरकार के राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद की बैठक सहित प्रवासी राजस्थानियों और सिंधी समाज सहित अनेक कार्यक्रमों भाग लेंगे। देवनानी गोवा में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन परिषद की बैठक में भाग लेंगे।

प्रोजेक्ट पर यथास्थिति के आदेश

जयपुर। अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-9 जयपुर महानगर प्रथम ने एमओयू की शर्तो की पालना नहीं करने पर शिवज्ञान डवलपर्स व अन्य को पाबंद किया है कि वह आदर्श नगर में बने रहे प्रोजेक्ट के फ्लैट्स पर यथास्थिति बनाए रखे। अदालत ने यह आदेश नर्मदा देवी व अन्य के प्रार्थना पत्र पर दिए।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि दोनों पक्षकारों के बीच एमओयू हुआ था। जिसमें एफएआर पर 55 फीसदी निर्मित एरिया वादी को दिया जाना था, लेकिन विपक्षी बिल्डर ने इससे इनकार कर दिया। ऐसे में उसे पाबंद किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले में यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि दोनों पक्षकारों के बीच एमओयू हुआ था। जिसमें एफएआर पर 55 फीसदी निर्मित एरिया वादी को दिया जाना था, लेकिन विपक्षी बिल्डर ने इससे इनकार कर दिया। ऐसे में उसे पाबंद किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले में यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं।

बीआईएस ने अमेज़न वेयरहाउस पर छापा डाला

जयपुर। भारतीय मानक ब्यूरो, राजस्थान की टीम ने ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म-अमेज़ोन के जयपुर में झोटवाड़ा स्थित वेयरहाउस पर भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के उल्लंघन हेतु 4 एवं 5 अप्रैल को तलाशी एवं जब्ती कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में वे उत्पाद जब्त किए गए। जिन्हें बिना मानक मुहर (आईएसआई मार्क एवं रजिस्ट्रेशन मार्क) विक्रय हेतु संग्रहित किया गया था। यह कार्रवाई कनिका कालिया, निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस राजस्थान के निर्देश पर बीआईएस के पांच अधिकारियों एवं अन्य सहायक कर्मचारियों द्वारा की गई जिनमें रमन कुमार त्रिवेदी, दीपक लोदवाल, पवन कुमार, सुरेश कुमार गोपालन, संगीता चौधरी शामिल थे।

दिया कुमारी ने किए कुलदेवी के दर्शन

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नवरात्रि के पावन अवसर पर शनिवार को कुलदेवी श्री जमुवाय माता, श्री शिला माता मंदिर और मनसा माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन के लिए प्रार्थना की।

उप मुख्यमंत्री ने श्री जमुवाय माता मंदिर के विकास और सड़क कार्य का भी जायजा लिया।

लक्ष्य पूरा नहीं करने पर सेवा परिलाभ नहीं रोक सकते : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि परिवार नियोजन का लक्ष्य पूरा नहीं करने के आधार पर ही किसी कर्मचारी के सर्विस रिकॉर्ड में प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की जा सकती और ना उसके सेवा संबंधी परिलाभ रोके जा सकते हैं। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता के सर्विस रिकार्ड में की गई प्रतिकूल टिप्पणी को भी रद्द कर दिया है। अदालत ने आयुर्वेद विभाग के प्रमुख सचिव व निदेशक को निर्देश दिया है कि वे तीन महीने में प्रार्थी को चयनित वेतनमान व सभी परिलाभ दें। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश आयुर्वेद विभाग से रिटायर कंपाउंडर कमलेश कुमार गुप्ता की याचिका पर दिया।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता आयुर्वेद विभाग में कंपाउंडर के पद पर था। इस दौरान 1995-96 में परिवार नियोजन का तय लक्ष्य पूरा नहीं करने के चलते विभाग के अफसरों ने उसके सर्विस रिकार्ड में टिप्पणी कर दी। उसने विभाग के अफसरों को प्रतिवेदन भी किया, लेकिन उन्होंने टिप्पणी बहाल रखी। इसके साथ ही साल 1999 में उसे मिलने वाले चयनित वेतनमान का लाभ भी एक साल के लिए स्थगित कर दिया। हाईकोर्ट में इसे चुनौती देकर कहा कि साल 2004 के परिपत्र में कर्मचारी के वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन में परिवार नियोजन लक्ष्य में कमी पर प्रतिकूल टिप्पणी करने पर पाबंदी लगाई गई है। परिवार नियोजन का जो लक्ष्य प्रार्थी को दिया था, उसे पूरा करने के लिए किसी व्यक्ति का जबरन परिवार नियोजन नहीं कर सकते। कर्मचारी केवल प्रयास ही कर सकता है और लक्ष्य पूरा नहीं करने पर उसे दंडित नहीं किया जा सकता। ऐसे में उसके खिलाफ सर्विस रिकॉर्ड में की गई प्रतिकूल टिप्पणी को हटाते हुए उसे परिलाभ दिलाए जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने माना कि केवल परिवार नियोजन का लक्ष्य पूरा नहीं होने पर ही कर्मचारी के सेवा परिलाभ नहीं रोक सकते।

23 नये सरस डेयरी उत्पादों की लान्चिंग

जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में जयपुर डेयरी की महिला सशक्तिकरण की अभिनव पहल-सरस मायरा योजना का शुभारम्भ किया गया। इस योजना की शुरुआत के अवसर पर ही डेयरी से जुड़ी दो लाभार्थी महिला दुग्ध उत्पादकों को 21-21 हजार रुपये के चैक भी भेंट किये गये।

■ दुग्ध उत्पादक महिलाओं की चहुमुखी उन्नति के लिये राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ एमओयू

जयपुर। राजस्थान की अग्रणी सहकारी डेयरी जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ (सरस जयपुर डेयरी) ने सामाजिक सरोकारों ऊर्जा संरक्षण, जैविक कचरे से घरेलू गैस उत्पादन और नये दुग्ध उत्पादों की लॉन्चिंग कर ऐतिहासिक पहल की। जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य समारोह में ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण के लिये सरस मायरा योजना का शुभारम्भ किया गया जिसके तहत डेयरी से जुड़े प्रत्येक दुग्ध उत्पादक को अधिकतम दो बेटियों की शादी में सरस डेयरी की ओर से 21 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जावेगी। मायरा योजना की शुरुआत के अवसर पर ही डेयरी से जुड़ी दो लाभार्थी महिला दुग्ध उत्पादकों को 21-21 हजार रुपये के चैक भी भेंट किये गये। फलैक्सी बायोगैस योजना का शुभारम्भ भी दो महिला दुग्ध उत्पादक लाभार्थियों को चैक वितरण के साथ किया गया। इस योजना के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादकों को जैविक कचरे से घरेलू गैस उत्पादन के लिये 5 हजार रुपये का अनुदान दिया जायेगा। योजना के अन्तर्गत हर माह औसतन 1.5 गैस सिलेण्डर जितनी गैस का उत्पादन होगा। इसी प्रकार ग्रीन ऐनर्जी उत्पादन के लिये रुफटॉप सोलर प्लान्ट योजना का भी शुभारम्भ किया गया। रुपटॉप सोलर प्लान्ट योजना के अन्तर्गत 25-25 मेगावाट क्षमता के रुपटॉप लगाये जायेंगे जिससे समिति का बिजली का बिल शुन्य होगा और ग्रीन ऐनर्जी को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ-साथ स्वाद, स्वास्थ्य और युवा वर्ग की पसन्द को ध्यान में रखते हुऐ एक साथ 23 नये दुग्ध उत्पादों की लॉन्चिंग भी की गई। इस अवसर पर जयपुर डेयरी के प्रबन्ध संचालक मनीष फोजदार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुऐ जयपुर डेयरी के पिछले 50 वर्षों की उपलब्धियों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जयपुर डेयरी उपभोक्ताओं की मांग को ध्यान में रखते हुऐ ही स्वादिष्ठ, स्वास्थ्यवर्धक और उच्च गुणवत्तायुक्त दुग्ध उत्पादों की लान्चिंग करती है जिसके तहत 23 नये दुग्ध उत्पादों को उपभोक्ताओं के लिये लॉन्च किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन और राष्ट्रीय महिला आयोग के बीच राजस्थान राज्य की दुग्ध उत्पादक महिलाओं की चहुमुखी उन्नित के लिये एमओयू किया गया और समझौता प्रपत्र का आदान-प्रदान हुआ।

हथियारों के साथ युवक गिरफ्तार, दो पिस्टल और कारतूस बरामद

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ये हथियार मध्य प्रदेश से लेकर आया था

अजमेर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के दिशा निर्देशों पर शहर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत नसीराबाद सदर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए हथियारों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से दो पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नसीराबाद सदर थाना प्रभारी अशोक बिशु ने बताया कि जिला पुलिस की स्पेशल टीम के हेड कांस्टेबल सीताराम और कांस्टेबल रामनिवास को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र में एक युवक अवैध हथियारों के साथ मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया और संदिग्ध स्थान पर दबिश

पुलिस ने अवैध हथियार के साथ युवक को गिरफ्तार किया।

दी। मौके पर पुलिस को देखकर युवक भागने लगा, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान घुघरा निवासी मनीष पुत्र तेजूराम के रूप में हुई है। तलाशी के

- **पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हथियारों की आपूर्ति किससे हुई और इनका इस्तेमाल कहां किया जाना था**

दौरान उसके पास से दो पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ये हथियार मध्य प्रदेश से लेकर आया था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हथियारों की आपूर्ति किससे हुई और इनका इस्तेमाल कहां किया जाना था। पुलिस इस मामले में अन्य संदिग्धों की भी जांच कर रही है।

आर्थिक तंगी से परेशान होकर अधेड ने आत्महत्या की

मृतक सुसाइड नोट भी छोड़कर गया है जो पिछले महीने की 24 तारीख का लिखा हुआ है

सीकर, (निसं)। रामगढ़ शेखावाटी कस्बे के वार्ड 29 निवासी 50 वर्षीय सुभाष सैनी पुत्र नानूराम ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर फांसी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार मृतक सुसाइड नोट भी छोड़कर गया है जो पिछले महीने की 24 तारीख का लिखा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुभाष सैनी की बिसाऊ गेट के पास बालाजी हार्डवेयर के नाम से दुकान है, जिसे वह कल सुबह 11 बजे बंद कर किसी को बताए बिना लापता हो गया। सुनने में आया है कि कल शाम लगभग पांच बजे उसने अपने साले से बात की थी और उसके बाद से उसका मोबाइल बंद आ रहा था। घर वालों व मित्रों ने रात भर उसे अपने स्तर पर तलाश किया, लेकिन न मिलने पर सुबह पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि ढ़ाकास जाने वाले कच्चे रास्ते पर एक पेड़ से एक जना फांसी लगाकर लटका हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर परिजनों को सूचना दी और लाश पेड़ से उतरवाकर राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया। सुभाष सैनी के तीन बेटियां है जिनमें से दो की शादी हो चुकी है। एक बेटी की शादी अभी पांच-छह माह पहले ही हुई बताते हैं। एक बेटा करीबन 20-21 वर्ष का है जिसने अभी कॉलेज की पढ़ाई पूर्ण की है। अभी कोई काम नहीं करता है। पिता नानू राम सैनी भी अस्वस्थ रहते हैं। कुछ दिनों पहले ही हर्निया का ऑपरेशन हुआ बताते हैं।

लोगों के कहने के मुताबिक व सुभाष सैनी द्वारा छोड़ गए सुसाइड नोट की माने तो वह आर्थिक तंगी का शिकार था। पहले बिसाऊ के बाहर उसकी बालाजी हार्डवेयर नाम की दुकान थी जिसे पिछले कुछ वर्षों पहले बेच दिया था। फिलहाल वह बिसाऊ गेट के अंदर गली में इसी नाम से अपनी दुकान चला रहा था। ऐसा भी सुनने में आया है कि कर्ज में डूबा हुआ था और कर्जदारों को कर्जा चुकाने में असमर्थता के चलते मानसिक रूप से परेशान था। जैसा कि उसके द्वारा 24 मार्च को लिखा हुआ सुसाइड नोट मिला है जिससे लगता है कि वह काफी दिनों से आत्महत्या करने की फिराक में था। दुर्भाग्यवश अब तक सुसाइड नोट घरवालों के हाथ नहीं लगा पाया।

मिलनसार था, अस्पताल में लगी भीड़:- सुभाष सैनी काफी मिलनसार दुकानदार होने के कारण बाजार में सभी से अच्छा व्यवहार था। उसकी मौत की हृदयविदारक घटना की जानकारी मिलने पर भारी तादाद में मोहल्लेवासी व मिलने वाले अस्पताल में इकट्ठा हो गये। पुलिस ने राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों से पोस्टमार्टम कराकर शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। हालांकि मामला प्रथमदृष्टया आत्महत्या का लग रहा है फिर भी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डूंगरपुर शहर में हृदयस्थली गेपसागर जलाशय में लबालब पानी भरा होने के कारण उसमें जलीय पक्षी कलरव करते दिखाई दे रहे हैं।

32000 हजार नशीले कैप्सूल और 11 ग्राम हेरोइन जब्त

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एसपी गौरव यादव के निर्देशन पर ऑपरेशन सीमा-संकल्प के तहत पुलिस ने एक दिन में अलग-अलग स्थानों से 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जवाहरनगर पुलिस ने मौसम विभाग के पास से अशोक नगर निवासी लखन चुघ को 3 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा। सादुलशहर पुलिस ने अलीपुरा के वकील नाम के आरोपी से 7।92 ग्राम हेरोइन बरामद कर बाइक को जब्त कर लिया है। घमूड़वाली पुलिस ने जिला विशेष टीम के साथ मिलकर सावंतसर के दो युवकों हरदीप सिंह और मनीष कुमार को 31600 प्रतिबंधित प्रेगाबालीन कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया। उनकी बाइक भी जब्त की गई।

- **पुलिस ने अलग-अलग जगह कार्रवाई कर छह तस्करों को गिरफ्तार किया**

मटीलीराठान पुलिस ने 23 जैड के रहने वाले रिंकू से 156 प्रेगाबालीन कैप्सूल बरामद किए। समेजाकोठी पुलिस ने 34 पीएस निवासी हरविंदर सिंह को 620 प्रेगाबालीन कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया। डीआईजी सह एसपी गौरव यादव ने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम नशीले पदार्थों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और बीएनएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

कार में लगी आग, बाल-बाल बचा चालक

दमकलकर्मियों ने मौके पर जाकर कार में लगी आग को बुझाया।

कोटा, (निसं)। नयापुरा इलाके में शनिवार को तालाब की पाल पर एक कार में आग लग गई। गनीमत रही कि कार चालक ने कार के बोनट से धुंआ उठता देखा और कार को साईड में खड़ी करके समय रहते कार से उतर गया। कार चालक के कार से उतरते ही बोनट में आग की लपटें निकली और कुछ ही मिनटों में आग पूरी तरह फैल गई। कार में आग लगने की सूचना पाकर पुलिस और अग्निश्मन विभाग की दमकल मौके पर पहुंची और एक दमकल की मदद से आग पर काबू पाया गया।

अग्निश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि किशोर सागर तालाब की पाल पर कार में आग लगने की सूचना मिली। जिस पर मौके पर एक दमकल भेजी गई और आग पर काबू पाया गया। प्रथम दृष्टया शॉट सर्किट का मामला सामने आ रहा है। नयापुरा पुलिस ने बताया कि वक्फ नगर निवासी एडवोकेट आकिब अहमद कार से नयापुरा अदालत

- **प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया जा रहा है**

आ रहे थे। जब कार चालक एडवोकेट कोटड़ी पुलिया से उतरे तो उन्हे कार के आगे बोनट में धुंआ उठता दिखाई दिया। जिस पर उन्होंने तालाब की पाल के समीप कार को रोकने के लिये ब्रेक लगाये लेकिन कार के ब्रेक काम नही करे जिस पर उन्होंने तुरंत हैंडब्रेक लगाकर साईड में कार को रोका और कार में रखा अपना सामान बाहर निकालकर खड़े हुए थे कि तभी कार के बोनट में से आग की लपटें निकलने लगी और थोड़ी देर में ही आग ने विकराल रूप ले लिया। मौके पर फायर बिग्रेड की दमकल को बुलाकर आग पर काबू पाया लेकिन तब तक कार का काफी हिस्सा आग की चपेट में आ गया।

सिटी बस में लगी आग:- वहीं शनिवार को भी अनंतपुरा से एरोड्रम की तरफ आने वाली सिटी बस में सिटी पार्क के समीप बस चालक को बोनट में शॉट सर्किट से धुंआ उठता दिखाई दिया जिस पर चालक ने सर्तकता दिखाते हुए बस को साईड में रोका और बस में बैठी सवारियों को तुरंत उतारा और बोनेट खोलकर पानी डाला। वहीं बस में आग की सूचना मिलते ही अग्निश्मन विभाग की दमकल मौके पर पहुंची। अग्निश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि सिटी पार्क के समीप सिटी बस में आग की सूचना मिली जिस पर तुरंत दमकल मौके के लिये रवाना की और मौके पर पहुंचकर बस के बोनट में पानी डाला और समय रहते आग पर काबू पा लिया। अग्निश्मन अधिकारी ने बताया कि शनिवार को आग लगने की अलग-अलग घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई। शुक्रवार को नयापुरा इलाके में एक सिटी बस में भीषण आग लगी थी और आग की चपेट में आने से पूरी बस जलकर खाक हो गई थी।

कुएं में गिरी पत्नी को बचाने पति भी कूदा, दोनों की जान बची

डूंगरपुर, (निसं)। चितरी थाना क्षेत्र के गलियाकोट उदैया मोड़ पर एक महिला बिना मुंडेर के कुएं में गिर गई। बचाने के लिए पति भी कूद गया। कुएं से निकलने का कोई रास्ता नहीं होने से दोनों कुएं में फंस गए। चिल्लाने की आवाज सुनकर रास्ते से गुजर से दो पुलिसकर्मी पहुंच गए। रस्सी और सीढ़ी डालकर दोनों की जान बचाई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धनगांव निवासी मनीषा बागडियां और उसका पति पंकज बागडियां दोनों शुक्रवार को गलियाकोट उदैया मोड़ पर खेतों में गेहूं की फसल कटाई के लिए गए थे। इस दौरान मनीषा खेतों में स्थित कुएं को देखने गई। कुआं बिना मुंडेर का होने से उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गई। ये देख खेत में फसल काट रहा पति दौड़कर पहुंचा। बचाने के लिए पति भी कुएं में कूद गया, लेकिन कुएं से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिला। इस वजह से दोनों कुएं में फंस गए। इसी दौरान चितरी थाने के हेड कॉनि. इंद्रजीत सिंह, कॉनि. वीरेंद्र सिंह दोनों रास्ते से गुजर रहे थे। कुएं में गिरे पति-पत्नी के चिल्लाने की आवाज सुनकर रुक गए। कुएं के पास जाकर देखा तो दोनों अंदर गिरे हुए थे। दोनों ने तुरंत ही नजदीक के घर से रस्सी लेकर आए। एक टायर से रस्सी को बांधकर फैंका। दोनों रस्सी से बंधे टायर से लटक गए। वहीं, चितरी थानाधिकारी परमेश्वर पाटीदार ने बिजली निगम को कॉल किया। बिजली निगम की टीम सीढ़ी लेकर पहुंची और कुएं में सीढ़ी के जरिए दोनों को एक-एक कर बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने भी राहत की सांस ली। वहीं, पुलिसकर्मियों के इस साहस की हर किसी ने तारीफ की।

कर्ज से बचने के लिए झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई, जेवर बरामद

बौंली- बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के बाटोदा पुलिस थाने में परिवादी बंशीलाल गुर्जर (48) निवासी महरावंड ने कर्जदाताओं से बचने के लिए 3 अप्रैल को बाटोदा पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया। बताया कि रात्रि को करीब 1 से 3 बजे के बीच मेरे घर पर चोरी हो गई जिसमें 2 लाख 10 हजार नगद व करीब 3 लाख 50 हजार रुपए के जेवरात चोरी चले गए। यह मैंने मेरी बच्ची के शादी के लिए रखे थे।

एसपी ममता गुप्ता ने सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय पर 3 अप्रैल को जिला क्राइम मीटिंग के दौरान इस चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा करने के निर्देश बाटोदा थाना प्रभारी यशपाल सिंह को दिए गए, जिस पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल सहायक उप निरीक्षक राजेश सिंह, कांस्टेबल समय सिंह, विजेंद्र सिंह एवं महिला कांस्टेबल पपीता की टीम ने अनुसंधान कर पाया कि परिवादी प्राइवेट स्कूल में पढ़ाता है एवं उसके ऊपर करीब 10 लाख रुपए का कर्ज है। कर्जदाताओं के तकाजों से बचने के लिए खुद ने रात्रि को अपने बक्से से जेवरात निकालकर दूसरी जगह रख दिए, जिसे पुलिस ने अनुसंधान के बाद 5 अप्रैल को चोरी बताए जेवरात बरामद कर लिए एवं झूंठी रिपोर्ट दर्ज करवाने पर बंसीलाल के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी।

राजस्थान की जन आधार योजना अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा साबित हो रही है

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में एक नंबर-एक कार्ड-एक पहचान पर आधारित प्रदेश की जन आधार योजना अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा साबित हो रही है। जन आधार द्वारा जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से पात्र लाभार्थियों तक पूर्ण पारदर्शिता के साथ लाभ पहुँचाया जा रहा है।

राजस्थान की इस पहल का अनुकरण करने में अरुणाचल प्रदेश की सरकार ने गहरी रुचि दिखाई है। इस संबंध में अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव मनीष कुमार गुप्ता ने राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत से वार्ता की। योजना के अध्ययन एवं राजस्थान मॉडल के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल ने प्रदेश का दौरा किया एवं शनिवार को योजना भवन स्थित जन आधार प्राधिकरण का अवलोकन कर कार्यप्रणाली को जाना।

आयोजना विभाग के विशिष्ट शासन सचिव सुशील कुमार कुलहरी ने अरुणाचल सरकार के अधिकारियों को प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, फैमिली डेटाबेस तैयार करने में विभाग की भूमिका और प्रदेश में इसकी आवश्यकता के संबंध में जानकारी दी।

राजस्थान जन आधार प्राधिकरण के निदेशक निर्मल कुमार सेठी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और योजना पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जन आधार प्लेटफार्म के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा 170 से अधिक जनकल्याणकारी योजनाओं एवं 30 से अधिक सेवाओं का लाभ पूर्ण पारदर्शिता के साथ सीधे ही लाभार्थी के खातों में प्रदान किया जा रहा है।

सेठी ने बताया कि पूर्व में भी कई राज्यों ने जन आधार योजना को लागू करने की पहल की है, जिसमें तेलंगाना, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक इत्यादि राज्य शामिल है।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सीएसआर से फंड स्वीकृति जारी

जयपुर । राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) फण्ड से 146.40 लाख रूपए की स्वीकृति जारी की है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों की अनुपालना में जारी इस राशि से प्रदेश के राजकीय चिकित्सालयों व स्वास्थ्य केन्द्रों में सुदृढ़ीकरण के विभिन्न कार्य कराये जायेंगे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि स्वीकृत किये गए इस सीएसआर फंड से प्रदेश के जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में विभिन्न सेवाओं के सुदृढ़ीकरण करने सहित स्वास्थ्य भवनों के रखरखाव, पेयजल व्यवस्थाओं संबंधित कार्य करवाये जा सकेंगे। प्रबंध निदेशक आरएमएससीएल नेहा गिरि ने बताया कि बीकानेर जिले में 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व 1 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जयपुर प्रथम के 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हनुमानगढ़ जिला अस्पताल, जोधपुर जिला अस्पताल व शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, फिदसुर इत्यादि में स्वच्छता संबंधी शौचालयों के निर्माण, नवीनीकरण व रखरखाव इत्यादि कार्य करने हेतु राशि स्वीकृत की गयी है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा बालोतरा, डूंगरपूर श्री हरिदेव सामान्य चिकित्सालय, श्री गंगानगर जिला अस्पताल व प्रतापगढ में स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत उपकरण क्रय करने के लिये, जोधपुर जिला अस्पताल, टी.बी अस्पताल (क्षय रोग निवारण केन्द्र) जयपुर, सेटेलाईट अस्पताल आमेर, हनुमानगढ के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दीपलाना, श्री गंगानगर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सादुलशहर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पदमपुर में भवनों की मरम्मत, रखरखाव व नवीनीकरण हेतु राशि स्वीकृत की गई है।

परीक्षा देने जा रही छात्रा के साथ छेड़छाड़

बूंदी, (निसं)। शहर में कलेक्ट्रेट के बाहर एक स्कूल छात्रा के साथ छेड़छाड़ व जबरदस्ती मोटरसाइकिल में बैठाने मामला सामने आया है।

परीक्षा देने जा रही छात्रा के साथ एक युवक ने छेड़छाड़ की। आरोपी युवक ने छात्रा को जबरजस्ती बाइक पर बैठाने का दुस्साहस भी किया। दिनदहाड़े हुई घटना से छात्रा सहम गई। उसके विरोध करने और चिल्लाने पर लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। भीड़ में मौजूद पुलिस की इंटेलीजेंस विंग के जवान ने युवक को मौके पर ही पकड़ लिया। उसके बाद उन्होंने पुलिस कन्ट्रोल रूम को सूचना दी। इस पर कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की टीम मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया। कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की प्रभारी भूली बाई ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से इस संबंध में सूचना मिली थी। सूचना के बाद उनकी टीम कलेक्ट्रेट के बाहर पहुंची। यहां एक युवक द्वारा छात्रा के साथ

- **जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर बिठाने का प्रयास, युवक शांतिभंग में गिरफ्तार**

छेड़छाड़ करने की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि युवक कोटा निवासी रोहित सैनी है। उसे शांति भंग में गिरफ्तार किया गया है। छात्रा के परिजनों की ओर से कोई रिपोर्ट मिलती है तो कार्यवाही की जायेगी। कलेक्ट्रेट के बाहर मोबाइल का सामान बेचने वाले युवक ने बताया कि घटना उसके सामने की हुई है। एक छात्रा को बाइक सवार युवक परेशान कर रहा था। लड़की के मना करने के बाद भी वह उसको हाथ पकड़बाइक पर बैठाने का प्रयास कर रहा था। छात्रा लोगों से मदद मांग रही थी। छात्रा ने पुलिस बुलाने के लिए लोगों से मोबाइल भी मांगा था। युवक को पुलिस के हवाले किया।

हिस्ट्रीशिटर सहित चार गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। योजना बनाकर आमजन को डरा-धमकाकर अवैध वसूली करने में लिप्त हिस्ट्रीशिटर सहित चार बदमाशों को हाथीपोल थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया।

अम्बामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी के नेतृत्व में हिस्ट्रीशिटर मोहम्मद इस्माईल उर्फ मनु उर्फ बड़ा मेवाती पुत्र मोहम्मद जमीन निवासी धोली मगरी मललातलाई, फैयाज खान पुत्र अजीजी खान कच्ची बस्ती सज्जन नगर अम्बामाता, मोहम्मद सुहान पुत्र शेर मोहम्मद डायर निवासी गरीब नवाज कॉलोनी मंसूरी नोहरे के सामने मल्लातलाई, अमान उर्फ माइकल पुत्र जाहिद खान निवासी धोली मगरी मल्लातलाई द्वारा आमजन से उगाही करने की सूचना मिलने पर प्रकरण दर्ज करवाया था। इस पर गठित दल ने कार्यवाही करते हुए ईस्माइल फैयाज खान, मोहम्मद सुहान, अमान उर्फ माइकल को गिरफ्तार किया। जिनके खिलाफ अपराधीक मामले दर्ज है।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन जारी

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन शनिवार को 95वें दिन भी अनवरत जारी रहा। जिला बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर क्रमिक अनशन धरने पर अंबेडकर विचार मंच सांगरिया एवं जूनियर हॉकी क्लब शाहपुरा के सदस्य शांतिपूर्ण तरीके से नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर पहुंचकर शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में प्रदर्शन किया। वहीं शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग का ज्ञापन राज्यपाल के नाम संघर्ष समिति अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा को दिया।

अंबेडकर विचार मंच सांगरिया के रामदयाल आरटीया रमेश चंद्र मेघवंशी शाहपुरा अध्यक्ष सुरेश चंद्र घूसर राजेन्द्र खटीक तथा जूनियर हॉकी क्लब शाहपुरा के कोच गोपाल गौड़, सुनील पाराशर एवं जूनियर हॉकी क्लब 14 वर्षीय खिलाड़ी सीताराम कहार, नितेश कोली, सीताराम कहार, कृष्णा कोली, अमन खटीक, दीपक खटीक, गोपाल

धरने पर अंबेडकर विचार मंच सांगरिया एवं जूनियर हॉकी क्लब के सदस्य बैठे।

शर्मा, विनोद तेली, शुभम गुर्जर, महेंद्र कहार, गणेश कहार, देवराज कहार सहित कई सदस्य क्रमिक अनशन धरने बैठे जिनका संघर्ष समिति की ओर से माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। जिला बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक रामप्रसाद जाट, महासचिव कमलेश मुंडेतिया सहित अंबेडकर विचार मंच संगरिया रामदयाल आरटीया रामपाल अणुव्रत संस्थान के गोपाल पंचोली एवं संघर्ष समिति के सदस्यो ने संबोधित करते हुए खिलाड़ियों के साथ हुए नुकसान और जिला रहने पर खिलाड़ियों को मिलने वाले फायदे बताते हुए सरकार से शाहपुरा को वापस जिला बनाने की मांग की।

इस मौके पर संघर्ष समिति सदस्य उदय लाल बैरवा, राजेंद्र बोहरा, शुगन लाल बोहरा, सूर्य प्रकाश ओझा, सत्यनारायण पाठक, धनराज जीनगर हाजी उस्मान मोहम्मद छिपा, अभिभाषक संस्था उपाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह राणावत, वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याणमल धाकड़, दिनेश चंद्र व्यास मौजूद रहे। शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति महासचिव व संस्था सहसचिव कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति को सामाजिक संगठनों और आमजन का लगातार समर्थन मिल रहा है। आमजन की भावनाओं को देखते हुए आंदोलन निरंतर अनवरत जारी रहेगा तथा 6 अप्रैल को अंबेडकर विचार मंच कनेछन कला के सदस्य क्रमिक अनशन धरने पर बैठेंगे।

धोनी के रिटायरमेंट बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। मैं अभी भी उनके साथ काम करने का लुत्फ उठा रहा हूं और वो अभी भी काफी मजबूत हैं। - स्टीफन फ्लेमिंग

चेन्नई सुपरकिंग्स के हैड कोच, महेन्द्र सिंह धोनी के रिटायरमेंट के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जसप्रीत बुमराह

आईपीएल 2025 में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अगले हफ्ते से खेलते हुए दिख सकते हैं। दरअसल, बुमराह को आखिरकार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से आईपीएल खेलने की मंजूरी मिल गई है। तेज गेंदबाज मुंबई इंडियंस की टीम से अगले कुछ दिन में जुड़ने वाले हैं। फिलहाल बुमराह इस समय मुंबई में ही हैं। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह जनवरी में सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। जिस कारण से वह तब से मैदान से बाहर हैं।

क्या आप जानते हैं ?... पुरुष हॉकी विश्व कपका उद्घाटन संस्करण साल 1971 में स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित किया गया था।

यशस्वी जायसवाल चमके, पंजाब के खिलाफ राजस्थान की रॉयल जीत

मुल्लांपुर, 5 अप्रैल। यशस्वी जायसवाल (67) और रियान पराग (43 नाबाद) की शानदार पारी के साथ गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 18वें मैच में शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ 50 रन की शानदार जीत दर्ज की।

राजस्थान ने पहले खेलते हुये चार विकेट पर 205 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में पंजाब निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 155 रन ही बना सका। पंजाब के लिये अपने घरेलू मैदान पर अभियान का आगाज निराशाजनक रहा। नेहाल बढेरा (62) और ग्लेन मैक्सवेल (30) के अलावा उनके अन्य बल्लेबाजों का प्रदर्शन निम्न स्तरीय रहा। मिडिल आर्डर बल्लेबाज बढेरा ने 41 गेंदो की पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाकर पंजाब की उम्मीदों को हवा दी मगर मैक्सवेल के अलावा कोई और बल्लेबाज राजस्थान की अनुशासित गेंदबाजी के आगे ज्यादा समय तक नहीं टिक सका। जोफ्रा आर्चन (25 रन पर तीन विकेट) राजस्थान के सबसे सफल गेंदबाज रहे वहीं संदीप शर्मा और महीश तीक्षणा ने कम रन खर्च कर दो दो बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। कुमार कार्तिकेय और वानिंदु हसरंगा को एक एक विकेट मिला।

इससे पहले अपने नियमित कप्तान संजू सैमसन की अगुवाई में राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन किया जबकि पहले तीन मैचों में शांत रहा यशस्वी जायसवाल का बल्ला भी आज सिर चढ़ कर बोला जिसके चलते राजस्थान आईपीएल के मौजूदा सत्र का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाने में सफल रहा। जायसवाल ने 45 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 67 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी की शुरुआत शानदार स्ट्रोकप्ले से हुई और पावरप्ले में उन्होंने तेजी पकड़ी। उन्होंने चौथे ओवर में मार्को जानसन की गेंद पर दो छक्के थर्ड मैन के ऊपर से और स्क्वायर लेग के ऊपर से जड़े।

बाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज ने युजवेंद्र चहल की गेंद पर चौका लगाकर शानदार अंदाज में अपना अर्धशतक पूरा किया और लॉकी फर्ग्यूसन की धीमी गेंद पर बोल्ड होने से पहले दबदबा बनाए रखा। फर्ग्यूसन ने कप्तान संजू सैमसन (26 गेंद पर 38 रन) को भी आउट किया। दोनो सलामी बल्लेबाज 123 रन के स्कोर पर पवेलियन वापस पहुंच चुके थे।

चेन्नई को उसके घर में धोकर दिल्ली ने लगाई जीत की हैट्रिक

चेन्नई, 5 अप्रैल। केएल राहुल (77) की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी के बाद कसी हुयी गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 17वे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 25 रन से हरा कर मौजूदा संस्करण में जीत की हैट्रिक लगायी।

चेपक स्टेडियम की पिच पर दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुये छह विकेट पर 183 रन बनाये जिसके जवाब में चेन्नई निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 158 रन ही बना सकी। मौजूदा संस्करण में दिल्ली की यह लगातार तीसरी जीत है। इस जीत के साथ दिल्ली अब तक खेले गये सभी तीन मैच जीत कर अंकतालिका में पहले स्थान पर काबिज हो चुकी है। इससे पहले अक्षर पटेल के नेतृत्व में दिल्ली ने लखनऊ को एक विकेट से और हैदराबाद को सात विकेट से हराया था। दूसरी ओर चेन्नई अब तक खेले गये चार मैचों में तीन को गंवा चुकी है। लक्ष्य का पीछा करते हुये चेन्नई को पहला बड़ा झटका इन फार्म बल्लेबाज रचिन रविंद्र (3) के रुप में दूसरे ओवर में ही लग चुका था जबकि कप्तान ऋतुराज गायकवाड (5) आज के मैच में नहीं चले। डेविड कान्वे 13 रन के निजी स्कोर पर विप्रराज निगम का शिकार बने। विजय शंकर (69 नाबाद) भी अंपायर के गलत फैसले के कारण एलबीडब्ल्यू होने से

बाल बाल बच गये हालांकि बाद में उन्होने एमएस धोनी (30 नाबाद) के साथ 84 रन की साझेदारी की। यह साझेदारी आईपीएल में छठे विकेट के लिए सीएसके के तरफ़ सबसे बड़ी साझेदारी बनी जिसने माइकल हसी और बद्रीनाथ के 73 रनों की साझेदारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

रविंद्र जडेजा को दो रन के निजी स्कोर पर कुलदीप यादव ने पगबाधा आउट किया जबकि शिवम दुबे (18) को विप्रराज ने अपना दूसरा शिकार बनाया। चेपक स्टेडियम पर केएल राहुल की बल्लेबाजी आज आकर्षण का केंद्र बनी। जेक फ्रेज़र-मक्गार्क का विकेट गिरने के समय टीम का खाता भी नहीं खुला था। ऐसी प्रतिकूल परिस्थिति में ओपनर राहुल ने एक छोर पर अपना खूंटा गाड़ दिया और अभिषेक पोरल (33),अक्षर पटेल (21), कप्तान अक्षर पटेल (21), समीर रिजवी (20) और ट्रिस्टन स्टब्स (24 नाबाद) के साथ साझीदारी निभाते हुये स्कोरबोर्ड को चलाने की जिम्मेदारी संभाली।

राहुल पारी के अंतिम ओवर में मतीषा पथिराना की गेंद को पुल करने के प्रयास में विकेट के पीछे लपके गये। उन्होने अपनी अर्धशतकीय पारी में 51 गेंद खेली और छह चौके व तीन छक्के लगाये। चेन्नई के लिये खलील अहमद (25 रन पर दो विकेट) ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होने मक्गार्क और विस्फोटक समीर रिजवी के कीमती विकेट अपने नाम किये। आखिरी के चार ओवर में चेन्नई के गेंदबाजों ने कसी हुयी गेंदबाजी का मुजाहिरा किया और दिल्ली को बड़े स्कोर की ओर जाने से रोक दिया। अंतिम ओवर में दिल्ली ने के एल राहुल और आशुतोष शर्मा के रुप में दो विकेट गंवाये। शर्मा रन चुराने के चक्कर में जडेजा के थ्रो का शिकार बने।

बैटिंग ट्रैक पर हार के सिलसिले को रोकने के इरादे से उतरेगी हैदराबाद

हैदराबाद, 5 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रविवार को खेले जाने वाले अहम मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) अपनी हार के सिलसिले को रोकने के लिए रविवार को गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ अपने शानदार घरेलू रिकॉर्ड पर भरोसा करेगी। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम ने यहां अपने पिछले पांच मैचों में से चार में जीत हासिल की है मगर मौजूदा सत्र में लगातार तीन हार के बाद टीम वापसी करने के लिए घरेलू परिस्थितियों और प्रशंसकों के समर्थन का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। शीर्ष क्रम की विफलता और निराशाजनक गेंदबाजी से एसआरएच बेचैन है और उसके लिये घरेलू मैदान में प्रतिकूल परिस्थितियों को बेहतर का बेहतरीन मौका है। इसके विपरीत, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर आठ विकेट की जीत हासिल कर चुकी गुजरात का इरादा जीत की हैट्रिक को पूरा करने का होगा। शुभमन गिल की अगुआई में जीटी अपनी बढ़त को जारी रखना चाहेगी, हालांकि उन्हें लीग में सबसे बेहतरीन बल्लेबाजी ट्रैक पर एसआरएच की बल्लेबाजी लाइनअप का मुकाबला करने की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। एसआरएच का बल्लेबाजी क्रम दमदार है, लेकिन इस सीजन में इसमें निरंतरता की कमी रही है। ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा अभी तक फॉर्म में नहीं हैं, जबकि ईशान किशन का स्ट्राइक रेट औसत से कम रहा है। हेनरिक क्लासेन लाइनअप में कुछ सकारात्मक खिलाड़ियों में से एक हैं, नीतीश कुमार रेड्डी और कामिंडू मेंडिस के साथ मध्य ओवरों में अहम भूमिका निभाएंगे। पैट कमिंस और अनिकेत वर्मा निचले मध्य क्रम में गहराई जोड़ते हैं।

पाकिस्तानी खिलाड़ी खुशदिल की फैन से हुई हाथापाई, अब पीसीबी दे रहा सफाई

माउंड माउंगनुई, 5 अप्रैल। पाकिस्तान क्रिकेटर खुशदिल शाह इस समय काफी चर्चा में हैं। दरअसल, खुशदिल शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच के बाद फैन से भिड़ गए। दोनों के बीच जमकर लड़ाई और गाली गलौच हुई। नौबत यहां तक आ गई की दोनों के बीच हाथापाई हो गई। मैदान पर मौजूद पाकिस्तानी खिलाड़ियों और अधिकारियों ने दोनों को अलग किया और लड़ाई को शांत कराया। लेकिन इस हैरान करने वाले वीडियो का वायरल होने में देर नहीं हुई। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच माउंड माउंगनुई में तीसरा वनडे मैच खेला गया। इस मैच में पाकिस्तान को 43 रनों से हार झेलनी पड़ी। इसी बीच खुशदिल शाह और फैंस के बीच हाथापाई हो गई। पाकिस्तान को इस सीरीज में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। इस लड़ाई का वीडियो काफी वायरल हो रहा है। खुशदिल शाह और फैन के बीच जुबानी जंग हो रही है। फैन काफी दूर से खुशदिल शाह को कुछ कह रहा है। वहीं खुशदिल उनको मारने दौड़ पड़ते हैं। तभी सिक्योरिटी गार्ड खुशदिल को रोकते हैं। वहीं फैन को दो लोग दूर ले जाते हैं और मैदान के बाहर भी।

पीसीबी ने दी सफाई : वहीं अब इस मामले पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बयान जारी किया है। जिसमें बोर्ड ने अपने खिलाड़ी का बचाव किया है। पीसीबी ने बयान में लिखा कि, पाकिस्तान क्रिकेट टीम मैनेजमेंट विदेशी दर्शक द्वारा हमारे राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी के खिलाफ की गई गाली-गलौच वाली भाषा की निंदा करता है। मैच के दौरान दर्शक ने खिलाड़ी पर अभद्र टिप्पणी की थी। जब पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए गए तब खुशदिल शाह ने इसका विरोध किया।

सोशल मीडिया पर आईपीएल के टिकट बिकने की गलत खबर के चलते लोग टिकट के लिए एसएमएस स्टेडियम पहुंचे। पुलिस ने इकट्ठा लोगो को वहां से हटाया, समझाइश भी की। टिकट की बिक्री 7 से शुरू की जाएगी।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 के घरेलू मैचों के लिए जयपुर में बॉक्स ऑफिस लांच करने की घोषणा की

जयपुर, 5 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने आधिकारिक तौर पर 7 अप्रैल, 2025 से जयपुर में अपने बॉक्स ऑफिस के लॉन्च की घोषणा की है, जिससे फैंस को सवाई मानसिंह स्टेडियम में टीम के आगामी घरेलू मुकाबलों के लिए ऑफ़लाइन टिकट बुकिंग का ऑप्शन मिलेगा। स्टेडियम के नॉर्थ गेट, ईस्ट गेट और वेस्ट गेट" पर बॉक्स ऑफिस चालू होगा, जिससे शहर भर के फैंस की सुविधा के लिए इसे कई एंट्री पॉइंट्स से पहुँचा जा सकेगा। स्टूडेंट टिकटों की कीमत 500 रुपये है, जो केवल वैलिड स्टूडेंट आईडी पेश करने पर उपलब्ध हैं। जनरल टिकट श्रेणियां भी उसी तारीख से काउंटरों पर उपलब्ध होंगी। राजस्थान रॉयल्स जयपुर में पांच रोमांचक घरेलू मैच खेलने के लिए तैयार है: इन हाई-प्रोफाइल मुकाबलों को लेकर फैंस की गहरी दिलचस्पी और उत्साह को देखते हुए, फैंस को सलाह दी जाती है कि वे बॉक्स ऑफिस पर जल्दी जाएं और रोमांचक लाइव स्टेडियम अनुभव के लिए अपनी सीटें सुरक्षित करें।

सिफत ने आईएसएसएफ विश्वकप में भारत को दिलाया पहला स्वर्ण पदक

अमृतसर, 5 अप्रैल। गुरु नानक देव विश्वविद्यालय की प्रतिभाशाली एथलीट और बीपीईएस सेमेस्टर तीन की छात्रा और भारत की प्रसिद्ध निशानेबाज सिफत कौर समरा ने आईएसएसएफ विश्व कप 2025 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल-3 पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है।

यह जीत इस विश्व कप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक है। सिफत की यह उपलब्धि उसकी निरंतर मेहनत, प्रतिभा और गुरु नानक देव विश्वविद्यालय की शूटिंग कोच मिस राजविंदर कौर के अथक मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने भी सिफत को उसके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर करमजीत सिंह ने सिफत की उल्लेखनीय जीत की प्रशंसा करते हुए कहा, यह स्वर्ण पदक हमारे देश में खेलों के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है और गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। सिफत हमारे छात्रों के लिए एक आदर्श हैं, जो उन्हें सिखाती हैं कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से कुछ भी संभव है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि

विश्वविद्यालय ने लगातार खेलों में उत्कृष्टता हासिल की है और 25 बार अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी जीती है। हाल ही में एथलीटों ने अंतर-विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में शीर्ष स्थान हासिल करके राष्ट्रीय स्तर पर पदक भी हासिल किए हैं। उन्होंने कहा, हमारे एथलीट एथलेटिक्स, हॉकी, शूटिंग और साइकिलिंग जैसे विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। ये सभी उपलब्धियां हमारे कोचों की सामूहिक मेहनत का परिणाम हैं, जिसमें मिस राजविंदर कौर जैसे समर्पित गुरु, एथलीट और खेल विभाग शामिल हैं।

आईपीएल टी-20 मैच पर ऑनलाइन सट्टा खाईवाली करता युवक गिरफ्तार

सिरसा, 5 अप्रैल। हरियाणा के सिरसा जिला की सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीती रात कोलकाता व हैदराबाद के बीच खेले जा रहे टी-20 आईपीएल मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा खाई वाली करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम के प्रभारी उप निरीक्षक जगदीश चंद्र ने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद की एक पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान किसान चौक सिरसा क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान पुलिस पार्टी को महत्वपूर्ण सूचना मिली कि नीतीश पुत्र श्यामलाल निवासी शिव मंदिर वाली गली बेगू रोड सिरसा जोकि शहर के हड्डा सेक्टर 20 में स्थित मकान नंबर 153 को किराए पर लेकर आईपीएल टी-20 मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा खाईवाली का काम करता है।

न्यूजीलैंड की जीत में ब्रेसवेल और सियर्स बने हीरो

माउंट माउंगानुई, 5 अप्रैल। कप्तान माइकल ब्रेसवेल (59) के विस्फोटक अर्धशतक और बेन सियर्स के चार विकेट की बदौलत न्यूजीलैंड ने शनिवार को वर्षा बाधित तीसरे वनडे में पाकिस्तान को 43 रन से हरा दिया। गीली आउटफील्ड के कारण मैच को 42 ओवर का कर दिया गया था, जिसमें न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुये आठ विकेट पर 264 रन बनाये जिसके जवाब में पाकिस्तान की पारी 221 रन पर ही सिमट गयी। ब्रेसवेल ने 40 गेंदों पर 59 रन की पारी खेली। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में एक चौका और छह छक्के लगाए। इसके अलावा युवा सलामी बल्लेबाज राइस मारियू ने 58 रन की पारी खेलकर प्रभावित किया, जबकि डेरिल मिशेल (53 गेंदों पर 43 रन) ने बल्ले से अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। पाकिस्तान का गेंदबाजी आक्रमण संतुलित होने के क्षणों के बावजूद कीवियों की रन रफ्तार को रोकने में विफल रहा। आकिफ जावेद ने 62 रन देकर 4 विकेट लिए। 265 रनों का पीछा करते हुए, पाकिस्तान दबाव में लड़खड़ा गया। सीयर्स ने एक तेज स्पेल में 35 रन देकर 4 विकेट चटकाए जिसने मेहमान टीम के निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया। जैकब डफी ने भी दो महत्वपूर्ण विकेट लिए, जिसमें खतरनाक मोहम्मद रिजवान (37) शामिल थे। उन्होने बीच के ओवरों में कुछ उम्मीद जगाई थी।

प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीजन 5 की ट्रॉफी का हुआ अनावरण

जयपुर, 5 अप्रैल। प्रियंका हॉस्पिटल डीपीटीएल सीजन 5 की ट्रॉफी का अनावरण प्रियंका हॉस्पीटल के चेयरमैन डॉ जी एल शर्मा व प्रियंका हॉस्पीटल के डायरेक्टर डॉ पीयूष जोशी ने किया। इस अवसर पर डीपीटीएल के आयोजन अध्यक्ष डॉ जयंत सेन, आयोजन सचिव डॉ अनिल यादव, को चेयरमैन डॉ हरीश भारद्वाज व चीफ कॉर्डिनेटर डॉ सुधांशु, डॉ सचिन खट्टर, डॉ संकल्प अवस्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ शर्मा ने प्रतियोगिता की सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रदान की। यह प्रतियोगिता जयपुर के जय क्लब में 16 से 20 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी।

दो दिवसीय ज्वैलर्स एसोसिएशन प्रीमियर लीग का शुभारंभ

जयपुर, 5 अप्रैल। क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह और चौकों-छक्कों के साथ मैदान का माहौल आनंदमय हो उठा। कुछ ऐसा ही नजारा था ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर की ओर से ज्वैलर्स एसोसिएशन प्रीमियर लीग (जेएपीएल) के शनिवार को भव्य रूप से आयोजन का। जनता कॉलोनी स्थित एस.जे पब्लिक स्कूल में इस क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन हुआ, जिसमें एसोसिएशन के अध्यक्ष अलोक सौंखिया, नीरज लुणावत, जेएडब्ल्यू के संयोजक गोविन्द कुमार गुप्ता के साथ एसोसिएशन कार्यसमिति के उपाध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला, सह मंत्री अजय गोधा, कोषाध्यक्ष गोविन्द प्रकाश अग्रवाल व पूर्वाध्यक्ष विमल सिंह सुराणा, रामदास सौंखिया, विवेक काला, दिनेश खटोरिया, निर्मल बरडिया एवं रामशरण गुप्ता उपस्थित थे। नीरज लुनावत ने बताया कि इस प्रकार का आयोजन एसोसिएशन द्वारा पहली बार किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट का उत्साह लेने 500 से अधिक दर्शक उपस्थित रहे। अध्यक्ष अलोक सौंखिया ने बताया कि अध्यक्ष पद पर निर्वाचन के समय से ही आगे पीढ़ी (यूथ) को जोड़ने के लिए कुछ करने का विचार मन में था। जिसके चलते ही ज्वैलर्स एसोसिएशन यूथ नाथ के ग्रुप का गठन किया गया, जिसमें आज 400 से अधिक युवा जुड़े है और क्रिकेट जैसे उत्साहवर्धक गेम में बढ़-चढ़ के हिस्सा ले रहे है। जेएवाय के संयोजक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि जेएवाय ने जिस प्रकार युथ को जोड़ने का कार्य किया वह अद्भुत है। जेएवाय समिति के अथक परिश्रम से यह आयोजन संभव हो पाया है। लीग का समापन 6 अप्रैल को किया जाएगा जिसके लिए रविवार को प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक मैच आयोजित होंगे।

राजस्थान पुरुष फुटबाल लीग 2025 की ट्रॉफी का अनावरण

जयपुर, 5 अप्रैल। पांचवीं राजस्थान पुरुष फुटबॉल लीग 6 अप्रैल 2025 को शुरू होगी। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि लीग ग्यारह शॉर्टलिस्टेड क्लबों के बीच खेली जाएगी, लीग होम और अवे आधार पर खेली जाएगी। प्रत्येक क्लब 20 मैच खेलेगा जिसमें 10 होम और 10 अवे मैच शामिल हैं। लीग में कुल 110 मैच खेले जाएंगे। लीग के विजेता को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की तीसरी डिवीजन लीग में पदोन्नत किया जाएगा। लीग 6 अप्रैल 2025 को शुरू होगी और 31 मई 2025 को समाप्त होगी। **ग्यारह प्रतिभागी क्लब इस प्रकार हैं:** जिंक फुटबॉल अकादमी उदयपुर, रॉयल फुटबॉल क्लब जयपुर, जयपुर

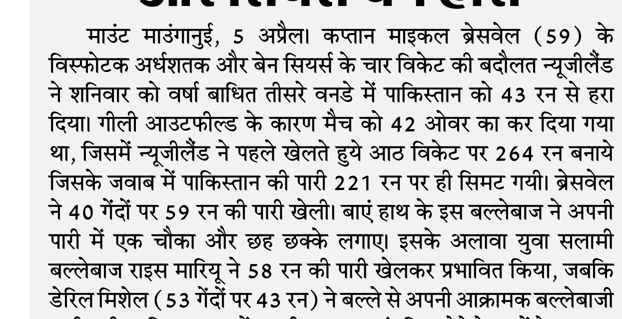

राइजिंग फुटबाल क्लब सीकर, फुटबॉल क्लब ब्रदर्स यूनाइटेड जयपुर, रीयल जयपुर फुटबाल क्लब, सनराइज फुटबॉल क्लब सिरोही, एएसएल फुटबॉल क्लब जयपुर, जैरथी फुटबाल क्लब सीकर, राजस्थान राइजिंग फुटबाल क्लब जयपुर, और जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब । लीग ट्रॉफी का अनावरण आज जयपुर में सवाई मान सिंह स्टेडियम में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह सिसोदिया सचिव राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल मनोज शर्मा, नसरूदीन, जसवंत सिंहा अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी, सुनील राव अध्यक्ष हनुमानगढ़ जिला फुटबाल संघ, अब्दुल जब्बार, रवि कुमार, हितेश शर्मा राष्ट्रीय खिलाड़ी सत्येंद्र सिंह राष्ट्रीय खिलाड़ी व सतीश जांगिड़ तकनीकी निदेशक राजस्थान फुटबॉल संघ उपस्थित थे।

जयपुर के वुशू खिलाड़ी मुकेश चौधरी का भारतीय टीम में चयन

जयपुर, 5 अप्रैल। अंतर्राष्ट्रीय वुशू महासंघ के तत्वावधान में दिनांक 6 से 10 अप्रेल 2025 तक जियांगियन, चीन में आयोजित होने वाली 10वी वर्ल्ड कप वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम में जयपुर के मुकेश चौधरी का चयन हुआ। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि 10वी वर्ल्ड कप वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम में राजस्थान पुलिस में इंस्पेक्टर पद पर झालावाड में कार्यरत व महाराणा प्रताप अवार्डी मुकेश चौधरी 75 किलोग्राम भारवर्ग में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मुकेश चौधरी के कोच राजेश कुमार टेलर ने बताया की मुकेश चौधरी का भारतीय टीम में चयन एक बड़ी उपलब्धि है, जो उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। मुकेश चौधरी राजस्थान के एकमात्र वुशू खिलाड़ी है जिन्होंने लगातार तीन बार राष्ट्रीय

खेलो में स्वर्ण पदक जीता है । मुकेश ने 2015 में केरल आयोजित हुए राष्ट्रीय खेलो स्वर्ण पदक, 2022 में गांधीनगर में आयोजित हुए राष्ट्रीय खेलो में स्वर्ण पदक तथा 2023 में गोवा में आयोजित हुए राष्ट्रीय खेलो में स्वर्ण पदक के साथ 11 बार राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत राजस्थान प्रदेश का मान बढाया हैं। वुशू वर्ल्ड कप एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता है, जिसमें दुनिया भर के शीर्ष वुशू खिलाड़ी भाग लेते हैं। मुकेश चौधरी का इस प्रतियोगिता में भाग लेना एक बड़ी उपलब्धि है और इससे उन्हें अपने कौशल को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

मुकेश चौधरी का भारतीय टीम में चयन होने पर मुकेश व उसके कोच राजेश कुमार टेलर को भूपेन्द्र सिंह बाजवा, चेयरमैन, भारतीय वुशू संघ, सुहेल अहमद, , भारतीय वुशू संघ, विनोद सिंह शेखावत, मुख्यसंरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, के. सी. घुमरिया, चेयरमैन, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ व सभी पदाधिकारियों ने पदक जीत कर आने की शुभकामनाएं प्रदान की।

राजस्थान रॉयल्स ने मुख्यमंत्री भजनलाल को गोल्डन टिकट दिया

जयपुर, 5 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स के नेतृत्व - मनोज बडाले, रंजीत बरठाकुर, जेक लश मैक्रम और राजीव खन्ना ने राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से मुलाकात की, और उन्हें एक स्पेशल गोल्डन टिकट प्रदान किया, जिससे उन्हें इस सीजन में रॉयल्स के सभी घरेलू

- **जयपुर में 13 अप्रेल को हो रहे आईपीएल के पहले मैच से पहले मुख्यमंत्री व खेल मंत्री को यह विशेष टिकट दिया गया है।**

मैचों में प्रवेश मिल सकेगा, जिसकी शुरुआत 13 अप्रैल को आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से होगी।

इस मीटिंग के दौरान, टीम की आईपीएल 2025 की तैयारियों पर भी चर्चा की गई और फैंस के लिए एक अविस्मरणीय स्टेडियम अनुभव बनाने के लिए डिज़ाइन की गई विभिन्न पहलों के बारे में जानकारी शेयर की गई। इस बीच, फैंस अब रॉयल्स के आरसीबी, एलएसजी और जीटी के खिलाफ़ घरेलू मैचों के लिए अपने टिकट बुक माय शो ऐप पर विशेष रूप से बुक कर सकते हैं। सवाई मानसिंह स्टेडियम में 7 अप्रैल से बॉक्स ऑफिस खुल जाएगा, जिसके बारे में अधिक जानकारी बाद में दी जाएगी।

जयपुर में होने वाले आईपीएल के मैचों के लिए राजस्थान रॉयल्स नेतृत्व ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को गोल्डन टिकट भेंट किया।

'डल्लेवाल जी आप अनशन समाप्त करें'

नयी दिल्ली, 05 अप्रैल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के साथ बातचीत की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से अनशन समाप्त करने की अपील की है।

चौहान ने शनिवार को सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा

- **केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसान संगठन से वार्ता चल रही है हम डल्लेवाल से अनशन खत्म करने की अपील करते हैं।**

कि किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ पहले से तय तिथि के अनुसार चार मई को बातचीत होगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार के प्रतिनिधियों और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच उनकी मांगों को लेकर चल रहा बातचीत का सिलसिला लगातार जारी है। उन्होंने कहा, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल अब अस्पताल से वापस आ चुके हैं और हम उनके अतिशीघ्र पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना करते हैं। साथ ही हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वह अपना अनशन समाप्त करें।

'राजस्थान के लोगों के लिये मेरे जीवन में स्पैशल जगह है'

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर का जयपुर में भाजपा ने भव्य स्वागत किया

जयपुर, 5 अप्रैल। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर के जयपुर प्रवास के दौरान शनिवार को भाजपा की ओर से भव्य स्वागत अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। विधानसभा के पास स्थित कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब के सभागार में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने कहा कि राजस्थान ने मुझे बहुत प्यार

- **राहटकर ने कहा कि राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न को शत-प्रतिशत धरातल पर उतारने का प्रयास मुख्यमंत्री भजनलाल ने किया है।**

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर शनिवार को जयपुर दौर पर आईं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

दिया है। यहां के लोगों की भावना को मैं महसूस कर रही हूँ और समझ भी रही हूं। राजस्थान जैसा प्यार, अपनापन, सादगी, परिवार का भाव देशभर में और कहीं नहीं मिलता है। यहां मेरा सभी से विशेष नाता है। कोई बडा भाई, कोई छोटा भाई, कोई छोटी या बड़ी बहन है। राजस्थान मेरा मायका है। यहां प्यार के साथ बहुत कुछ सीखने को मिला है। यहां के लोगों के लिए मेरे जीवन में बहुत ही स्पेशल जगह है। यहां से जाना बस यूं है जैसे मेरी जिम्मेदारी बदली है। जिम्मेदारियां हम सभी की बदलती रहनी चाहिए। राहटकर ने कहा कि महिला आयोग की अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद नई भूमिका में महिलाओं के उत्थान के लिए काम कर रही हूं। भूमिका बदलती रहेगी, हम सभी को काम करते रहना है।

विजया राहटकर ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बहुत सारे निर्णय जनता के हित में किए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शत प्रतिशत धरातल पर उतारने का प्रयास किया है। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की प्रशंसा करते हुए कहा कि राजस्थान को मदन राठौड़ जैसे संत, मिलनसार, मधुरभाषी भाजपा अध्यक्ष मिले है, यह हम सभी का सौभाग्य है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने राहटकर राजस्थानी संस्कृति की पहचान साफा पहनाया और कहा कि राजस्थान में बीजेपी की सरकार बनने में ताई विजया राहटकर का महत्वपूर्ण योगदान है। राजस्थान भाजपा सह प्रभारी के तौर पर उन्होंने ने आम कार्यकर्ता के साथ मिलकर दिन रात कार्य किया।

अभिनंदन समारोह में विधायक श्रीचंद कृपलानी, सांसद मंजू शर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सरदार अजयपाल सिंह, मोतीलाल मीणा, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी मौजूद थे। मेयर सौम्या गुर्जर, कुसुम यादव ने शॉल पहनाकर और पुष्प गुच्छ भेंटकर राहटकर का स्वागत किया।

माइक्रोसॉफ्ट की पचासवीं सालगिरह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए धन्यवाद। मैं सुन रहा हूँ।"

अबुसाद चिल्लाती रही और कहा, सुलेमान और "पूरे माइक्रोसॉफ्ट" के हाथ खून से रंगे हैं। अबुसाद ने आगे भी चिल्लाते हुए कहा कि सुलेमान और "पूरे माइक्रोसॉफ्ट" के हाथ खून से रंगे है। उसने मंच पर एक केफियेह स्कार्फ भी फेंका, जो फिलिस्तीनी लोगों के समर्थन का प्रतीक बन गया है। बाद में उसे कार्यक्रम से बाहर ले जाया गया।

दूसरी प्रदर्शनकारी, माइक्रोसॉफ्ट की कर्मचारी वानिया अग्रवाल, ने भी उत्सव में व्यवधान डाला। उस दौरान बिल गेट्स, बाल्मर और वर्तमान सीईओ सत्य नडेला मंच पर थे। ये तीनों व्यक्ति, जो माइकोसॉफ्ट के सी.ई.ओ. रह चुके हैं, 2014 के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में एकसाथ मंच पर थे। एसोसिएटेड प्रेस की एक जांच में इस साल की शुरुआत में पता चला कि माइक्रोसॉफ्ट और ओपन ए.आई. के ए.आई. मॉडल्स का, हाल ही में गाज़ा और लेबनान के युद्धों के दौरान इज़राइली सैन्य कार्यक्रम के हिस्से के रुप में बमबारी लक्ष्यों के चयन लिए उपयोग किया गया था। इस खबर में 2023 में हुए एक इज़राइली हवाई हमले के बारे में भी विवरण था, जिसमें लेबनानी परिवार के सदस्यों को ले जा रहे एक वाहन को निशाना बनाया गया, जिसमें तीन युवा लड़कियों और उनकी दादी की मौत हो गई।

फरवरी में, माइक्रोसॉफ्ट के पांच कर्मचारियों को इन अनुबंधों का विरोध करने के लिए सीईओ सत्य नडेला के साथ एक मीटिंग से बाहर निकाल दिया गया था। फरवरी की घटना जहाँ एक आंतरिक बैठक थी, वहीं, शुक्रवार का विरोध कहीं अधिक सार्वजनिक था- इस कार्यक्रम में कंपनी के अतीत और भविष्य को लाइव स्ट्रीम किया जा रहा था। कुछ कर्मचारियों ने शुक्रवार को कार्यक्रम के बाहर भी रैली की।

शुक्रवार को कम्पनी द्वारा जारी एक वक्तव्य में कहा गया, "हम हमारे सभी कर्मचारियों को अपनी बात कहने का पूरा अवसर देते हैं। पर साथ ही यह भी कहते हैं कि अपनी बात इस तरह कहें कि कंपनी का बिज़नेस प्रभावित ना हो। अगर बिज़नेस प्रभावित होता है तो हम उस कर्मचारी को अन्यत्र नौकरी करने का विकल्प देते हैं।" माइक्रोसॉफ्ट ने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या वह आगे कोई कार्रवाई कर रहा है। अबुसाद ने एपी को बताया कि उन्होंने अभी तक कंपनी की तरफ से कुछ नहीं सुना है, लेकिन, जब वो घर पहुँचीं तो पाया कि वो अपना कंपनी वर्क अकाउन्ट नहीं खोल पा रही हैं, अपने विरोध के बाद। जिससे संकेत मिलता है कि शायद उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट : जस्टिस वर्मा ने शपथ ली

हालांकि उन्हें अभी कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है।

प्रयागराज, 05 अप्रैल। दिल्ली हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर आए जज यशवंत वर्मा ने शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश के चैंबर में उन्हें शपथ दिलाई गई। हालांकि उन्हें अभी कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। जब तक उनके खिलाफ चल रही जांच पूरी नहीं हो जाती, उन्हें न्यायिक कार्यों से दूर रखा गया है। शपथ के बाद हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की वरिष्ठता सूची में उनका नाम भी शामिल हो गया है। सूची में जस्टिस वर्मा का नाम 8वें नंबर पर है। आमतौर पर जहां जजों की शपथ सार्वजनिक समारोह में होती है, वहीं जस्टिस वर्मा ने सीजेआई की इजाजत से अपने चैंबर में ही शपथ ली। उधर, इलाहाबाद हाईकोर्ट की बार एसोसिएशन ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर जस्टिस यशवंत वर्मा के शपथ ग्रहण का विरोध किया। एसोसिएशन के सचिव विक्रांत पांडेय की तरफ से लिखे इस पत्र में कहा गया है कि जस्टिस यशवंत वर्मा को शपथ

- **इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने शपथ ग्रहण का विरोध किया और आरोप लगाया कि उन्हें शपथ ग्रहण की सूचना तक नहीं दी गई।**

ग्रहण कराने से पहले बार एसोसिएशन को बताया नहीं गया। यहां तक कि हाईकोर्ट के ज्यादातर जजों को भी शपथ ग्रहण की सूचना नहीं दी गई। इस तरह का शपथ ग्रहण अस्वीकार है। चीफ जस्टिस इलाहाबाद हाईकोर्ट से मांग की गई कि जस्टिस यशवंत वर्मा को कोई भी न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्य न सौंपें। आज के इस पत्र की कॉपी प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, कानून मंत्री, यूपी के मुख्यमंत्री और लखनऊ बेंच के सभी न्यायाधीश को भेजी गई है।

पीछे रह गए लोगों की चिंता करने वाला समाज हमेशा आगे बढ़ता है: शेखावत

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा (महिला प्रकोष्ठ) के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए केन्द्रीय पर्यटन मंत्री

जयपुर, 5 अप्रैल। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो समाज पीछे रह गए लोगों की चिंता करता है, वह हमेशा आगे बढ़ता है। हमें इस पर विचार करना होगा कि कैसे समाज के कमजोर लोगों को संबल प्रदान कर उन्हें भी आगे की कतार में खड़ा किया जा सकता है।

शनिवार को अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, राजस्थान (महिला प्रकोष्ठ) के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा द्वारा प्रदत्त सृजन क्षमता हम सब लोगों के पास में है, जिसके आधार पर ही समाज

- **उन्होंने कहा, यह विचार करना जरूरी है कि कैसे कमज़ोर लोगों को आगे की कतार में खड़ा किया जा सकता है।**

ने प्रगति भी की है। उसको नए-नए तरीकों से आगे बढ़ाने की जरूरत है, जिससे आने वाले पीढ़ी प्रेरित हो सकें।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समाज को व्यवसाय के नए क्षेत्रों में भी काम करने की जरूरत है। इस पर विचार करना होगा कि हमारे पैतृक व्यवसाय से आगे निकलकर हमारी आने वाली पीढ़ियां किस तरह नए क्षेत्रों के व्यवसाय में समाहित हो सकती हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दृढ़ संकल्प वह ताकत होती है, जो किसी भी समाज में ट्रांसफॉर्मेशन ला सकती है। दो लोग मिलकर भी यह ट्रांसफॉर्मेशन ला सकते हैं। हमें ऐसे लोगों की तलाश करनी होगी और उनका समर्थन करना होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की मुहिम को अगर, अधिक से अधिक समर्थन मिलेगा तो दूसरे लोग भी समाज में ट्रांसफॉर्मेशन लाने की दिशा में प्रेरित होंगे, इससे न केवल व्यक्तिगत सम्मान बढ़ेगा, बल्कि समाज का सम्मान भी बढ़ेगा।

प्र.मंत्री मोदी को "श्रीलंका मित्र विभूषण" सम्मान

कोलंबो, 05 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को श्रीलंका सरकार ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'श्रीलंका मित्र विभूषण' से सम्मानित किया है। श्रीलंका की यात्रा पर गए मोदी को राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने शनिवार को कोलंबो में एक समारोह में 'श्रीलंका मित्र विभूषण' से

- **मोदी बैंकॉक से तीन दिवसीय यात्रा पर श्रीलंका गए हैं। प्रधानमंत्री ने "श्रीलंका मित्र विभूषण" सम्मान के लिए राष्ट्रपति दिसानायके का आभार जताया।**

सम्मानित किया और इस सम्मान के प्रतीक पदक को उनके गले में पहनाया।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके द्वारा मुझे श्रीलंका मित्र विभूषण से सम्मानित किया जाना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। यह सम्मान केवल मेरा नहीं है, बल्कि यह सम्मान भारत के 140 करोड़ लोगों का सम्मान है। यह भारत और श्रीलंका के लोगों के बीच गहरी मित्रता और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक है। मैं इस सम्मान के लिए राष्ट्रपति, सरकार और श्रीलंका के लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

मोदी तीन दिवसीय यात्रा पर बैंकॉक से शुक्रवार शाम को कोलंबो पहुंचे। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ, स्वास्थ्य मंत्री नलिंदा जयतिस्सा और मत्स्य पालन मंत्री रामलिंगम चंद्रशेखर सहित पांच शीर्ष मंत्री मोदी के स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर उपस्थित थे।

कांग्रेस अधिवेशन के लिये तैयार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और ब्लू प्रिंट तैयार करना होगा। यह भी तय करना होगा कि गठबंधनों से डील करने की क्या योजना है तथा उन राज्यों में, जहाँ वह पिछड़ गई है तथा जहाँ पर क्षेत्रीय दलों और भाजपा ने उसके वोट बैंक पर कब्जा कर लिया है, वहाँ अपना राजनीतिक स्थान पुनः कैसे प्राप्त किया जाए।

मसौदा प्रस्ताव (ड्राफ्ट रैज़ोल्यूशन) को विस्तारित कार्यसमिति के समक्ष रखा जाएगा, जिसकी बैठक 8 अप्रैल को हो रही है और जिसमें 169 नेताओं को आमंत्रित किया गया है।

पार्टी को पुनर्जीवित करने और इसके लिए क्या कदम उठाने की ज़रूरत है, इस पर सी.डब्ल्यु.सी. में चर्चा की जाएगी और यदि आवश्यक हुआ तो सी.डब्ल्यु.सी. द्वारा पारित प्रस्ताव में इसे शामिल किया जाएगा।

अगले दिन, 9 अप्रेल को दिन भर विचार-विमर्श होगा और प्रस्ताव पर चर्चा होगी, अध्यक्ष खड़गे, राहुल गांधी और अन्य नेताओं के भाषण होंगे।

मूल रूप से यह एकदिवसीय सत्र है जो गुजरात के पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने के साथ-साथ कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में महात्मा गांधी के सौ वर्ष और सरदार पटेल के जन्म के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि दोनों ही महान नेता गुजरात के थे।

'सरकार के बाद, सबसे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिस दिन लोकसभा में बिल पारित हुआ था उस दिन गांधी ने कहा था, यह आरएसएस, भाजपा और उनके सहयोगियों का संविधान पर हमला है। आज मुसलमानों को निशाना बनाया है। पर यह भविष्य में अन्य समुदायों पर प्रहार करने का उदाहरण बनेगा।'

'कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल ने एक अन्य आलेख शेयर किया, जिसमें कहा था कि कैथलिक चर्चों के पास वक्फ से भी ज्यादा ज़मीने हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि स्पष्ट है, पहले एक अल्पसंख्यक समुदाय को निशाने पर लिया गया, अब दूसरे की बारी है। शुक्रवार को कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन बिल 2025की वैधता को चुनौती दी और कहा कि यह संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, याचिका में आरोप लगाया गया है कि बिल में वक्फ सम्पत्तियों व उनके प्रबंध पर मनमाने प्रतिबंध लगाए गए हैं ताकि मुसलमानों की धार्मिक स्वायत्तता को कमज़ोर किया जा सके। यह याचिका वकील अनस तनवीर ने दायर की है। याचिका के अनुसार बिल में ऐसे प्रतिबंध लगाए गए है, जो अन्य धार्मिक एन्डाओमेंट्स में नहीं है।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ देश व्यापी आंदोलन होगा

- **ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की घोषणा भी की**
- **बोर्ड ने विपक्षी दलों के रुख की सराहना की, पर नीतीश, चन्द्रबाबू नायडू, चिराग पासवान व जयंत चौधरी की आलोचना की व कहा उन्होंने मुसलमानों के साथ धोखा किया है। मुसलमान उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।**

नई दिल्ली, 05 अप्रैल। वक्फ संशोधन बिल संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) से पास हो गया है। अब ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा है कि वो बिल के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाएगा। इसके खिलाफ कोर्ट का भी रुख किया जाएगा। वक्फ संशोधन बिल एक निंदनीय कृत्य है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा, हम ये साफ कर देना चाहते हैं कि वक्फ संशोधन विधेयक घातक है। इससे अनेक समस्याएं और मुद्दे पैदा होंगे। सरकार इसे वापस ले। लोकसभा और राज्यसभा में विधेयक पेश होने के बाद विपक्षी दलों के सांसदों ने पूरी सूझबूझ, तैयारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ विधेयक का विरोध किया। साथ ही मुसलमानों के रुख को और अधिक स्पष्ट रूप से सामने रखा। विपक्ष का ये कदम सराहनीय है।

बोर्ड विपक्षी दलों के सभी प्रमुखों और सांसदों का विधेयक के विरोध में उनके रुख के लिए आभार व्यक्त करता है। उनकी संवेदनशीलता की सराहना करता है। हम आशा करते हैं कि विपक्ष भविष्य में भी विधेयक के विरोध में हमारे अभियान में सहयोग करेगा। हालांकि, भाजपा के सहयोगी दलों और उनके नेताओं खासकर नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, चिराग पासवान और जयंत चौधरी का रवैया निंदनीय रहा है। बोर्ड ने आगे कहा, मुसलमानों ने उनकी धर्मनिरपेक्ष छवि को देखते हुए हमेशा उनका समर्थन किया है लेकिन उन्होंने मुसलमानों के साथ धोखा किया है, जिसे कभी माफ नहीं किया जाएगा। उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इन दलों से जुड़े मुसलमानों को अपनी स्थिति पर फिर से विचार करना चाहिए। इस धोखे के बाद उनका क्या स्थान होगा? मुसलमान होने के नाते उन्हें कौन सा रास्ता अपनाना चाहिए? ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा, पूरे मुस्लिम समुदाय को प्रभावित करने वाले मुद्दे पर अपने राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देना निंदनीय है। बोर्ड साफ करता है कि वह किसी भी दबाव, धमकी या गलत रवैये के सामने अपने रुख से पीछे नहीं हटेगा।

शिक्षक भर्ती पेपर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करीब दो साल से जेल में बंद है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। वहीं गोपाल सहारण की ओर से कहा गया कि उसके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। उसे सिर्फ मुख्य आरोपी भूपेन्द्र सहारण का भाई होने के कारण मामले में शामिल किया जा रहा है।

कटारा की जमानत अर्जी का विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक भंवर सिंह चौहान ने कहा कि आरोपी पेपर लीक कांड में मुख्य भागीदार है। आरपीएससी सदस्य होने के कारण उसे प्रश्न पत्र बनाने का दायित्व सौंपा गया था। उसने तैयार प्रश्न पत्र को अपने घर लाकर अपने भांजे से रजिस्टर में उतरवाया। इसके बाद ही प्रश्न पत्र आगे वितरित किए गए। इसके अलावा गोपाल सहारण ने भूपेन्द्र सहारण से प्रश्न पत्र लेकर उसे पेपर हल करवाया। ऐसे में दोनों आरोपियों को जमानत नहीं दी जाए। जिस पर अदालत ने दोनों आरोपियों के जमानत प्रार्थना पत्रों को खारिज कर दिया है।

राजस्थान कांग्रेस संगठन का ढांचा 50 जिलों के हिसाब से तैयार

ए.आई.सी.सी. ने राजस्थान कांग्रेस में 50 जिला इकाइयों के गठन की मंजूरी दे दी है

जयपुर, 5 अप्रैल। कांग्रेस सरकार में गठित नौ जिले भाजपा सरकार ने खत्म कर दिए, लेकिन राजस्थान कांग्रेस ने अपना संगठन का ढांचा 50 जिलों के हिसाब से तैयार कर दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने भी इसकी मंजूरी दे दी है।

कांग्रेस ने खत्म किए जिलों में भी पार्टी का संगठन जिले के हिसाब से ही बनाया है। राजस्थान कांग्रेस के प्रस्तावित 50 जिलों को शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंजूरी दे दी। इसके साथ ही अब प्रदेश में कांग्रेस के 50 जिलाध्यक्ष होंगे।

संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के आदेश के अनुसार,

- **प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा तथा प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा हाल ही, 50 जिले बनाने का प्रस्ताव लेकर दिल्ली गये थे।**

कांग्रेस संगठन ने 11 नए जिले बनाए हैं। उनमें कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, डीग, ब्यावर, डीडवाना-कुचामन, फलौदी, बालोतरा और सलूंबर है। इसके अलावा सीकर से नीमकाथाना को अलग कर संगठन के हिसाब से नया जिला बनाया है. भीलवाड़ा जिले से भी भीलवाड़ा शहर को अलग जिला बनाया गया।

जोधपुर शहर में जोधपुर शहर उत्तर और जोधपुर शहर दक्षिण मर्ज कर एक जिला बना दिया। वहीं जयपुर ग्रामीण को दो हिस्सों में बांट दिया-जयपुर ग्रामीण पूर्व और जयपुर ग्रामीण पश्चिम।

कांग्रेस संगठन में अब अजमेर ग्रामीण, अजमेर शहर, अलवर, बालोतरा, बांसवाड़ा, बारां,बाड़मेर, ब्यावर, भरतपुर, भीलवाड़ा ग्रामीण, भीलवाड़ा शहर, बीकानेर ग्रामीण, बीकानेर शहर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, डीडवाना-कुचामन, डीग, धौलपुर, डूंगरपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर ग्रामीण पूर्व, जयपुर ग्रामीण पश्चिम, जयपुर शहर शामिल है. इसी प्रकार जैसलमेर, जालौर, झालावाड़, झुंझुनूं,जोधपुर ग्रामीण, जोधपुर शहर, करौली, खैरथल-तिजारा, कोटा ग्रामीण, कोटा शहर, कोटपूतली-बहरोड़, नागौर, नीमकाथाना, पाली, फलोदी, प्रतापगढ़, राजसमंद, सलूंबर, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक, उदयपुर ग्रामीण और उदयपुर शहर जिले होंगे।

दरअसल संगठन में विस्तार और नए जिले बढ़ाने को लेकर पार्टी में लंबे समय से कसरत चल रही थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा 50 जिले बनाने का प्रस्ताव लेकर दिल्ली गए थे और पार्टी शीर्ष नेतृत्व से इस बारे में आग्रह किया था।

सफल आवंटियों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की पूरी राशि जमा करवा दी और इसे वापस भी नहीं लिया। इस दौरान हाईकोर्ट ने 5 जुलाई 2013 को आदेश जारी कर सफल आवंटियों को पृथ्वीराज नगर योजना में ही भूखंड का पट्टा देने का आदेश दिया। इस आदेश को संशोधित करवाने के लिए जेडीए ने प्रार्थना पत्र भी दायर किया था, लेकिन अदालत ने 22 फरवरी 2024 को प्रार्थना पत्र खारिज कर पूर्व आदेश को बरकरार रखा। इस मामले में भी अदालत ने अप्रैल 2024 को फैसला देते हुए प्रार्थियों को इस संबंध में जेडीए के समक्ष अपना पक्ष रखने के लिए कहा था।

जेडीए को भी कहा था कि वह पूर्व निर्णयों व कानूनी प्रावधानों के अनुसार प्रकरण को तय करे, लेकिन राज्य सरकार व जेडीए ने आदेश का पालन नहीं किया है। इसलिए दोषी अफसरों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए।

मामले पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'जो भूमि "गैर कानूनी" तरीके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में यह आरोप लगाने का मसाला दे दिया कि वक्फ की जमीनों के बाद सरकार की नज़र क्रिश्चियन्स की जमीन पर है।

ऑर्गनाइज़र का आलेख जो अब वापस ले लिया गया है, में दावा किया गया था कि देश में कैथलिक चर्चों के पास 7 करोड़ हैक्टेयर जमीन है और चर्च सबसे बड़े गैर सरकारी भूस्वामी हैं। आलेख में दावा किया गया है कि कैथलिक चर्चों की जमीनों की कीमत 20,000 करोड़ रु. है।

केन्द्र सरकार की लैंड इन्फॉर्मेशन वेबसाइट डेटा के हवाले से आर्टिकल में इस बात का खंडन किया गया है कि सरकार के बाद वक्फ के पास सबसे ज्यादा जमीन है। उन्होंने कहा कि सरकार के बाद सबसे ज्यादा जमीनें कैथलिक चर्चों के पास हैं।"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908